प्रवाह

77 साल बेमिसाल

निर्भीक पत्रकारिता का आठवां दशक

स्थापना : 18 अप्रैल 1948 ■ आगरा

शिकार के बाद, युद्ध के दौरान या चुनाव से पहले लोग जितना झूठ बोलते हैं, उतना और कभी नहीं। -ओटो फॉन बिस्मार्क

# महाराष्ट्र के महारथी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सत्ता हासिल करने के ठीक एक साल बाद बीएमसी समेत नगर निगमों के चुनाव में हुई भारी जीत पर यदि भाजपा-शिंदे सेना गठबंधन फूला नहीं समा रहा, तो इसे समझा जा सकता है, क्योंकि जिन 29 स्थानीय निकायों में मतदान हुए, उनमें से अधिकांश में महायुति ने जीत दर्ज कर जमीनी स्तर पर अपना दबदबा दिखाते हुए ठाकरे बंधुओं और पवार की योजना पर पानी फेर दिया है। हैरान करने वाला प्रदर्शन तो असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम का रहा, जिसने न सिर्फ समाजवादी पार्टी को पीछे छोड़ दिया, बल्कि कई जगहों पर कांग्रेस को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। भाजपा और शिवसेना के 227 सदस्यों वाली बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में जीत का मतलब है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) 25 वर्षों में पहली बार इस नगर निकाय की सत्ता में नहीं होगी। इन नतीजों से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि भाजपा ने महाराष्ट्र की राजनीति में न केवल अपना सिक्का जमा लिया है, बल्कि विपक्ष को भी किनारे लगा दिया है, जो 2024 के विधानसभा चुनावों में मिली हार से अब तक उबर नहीं सका था। भाजपा के इस दबदबे का मतलब है कि अब उसका प्रभाव केवल नागपुर या कुछ क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे महाराष्ट्र में फैल गया है। ये नतीजे न केवल विपक्ष को आत्ममंथन करने का संदेश देते हैं, बल्कि उसके सहयोगियों के लिए भी संकेत है कि अब उन्हें भाजपा को अपना बड़ा भाई मानने से कोई संकोच नहीं करना चाहिए। ऐसे समय में, जब ठाकरे बंधुओं और पुणे व पिंपरी-चिंचवड़ में पवार एवं उनके भतीजे की एकजुटता भी काम नहीं कर पाई, तो विपक्ष के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि अब उनकी रणनीति क्या होगी। इन नतीजों से यह भी स्पष्ट है कि मराठी वोट बैंक ठाकरे बंधुओं के हाथ से निकल गया है, जिनके समर्थक अक्सर उत्तर भारतीय लोगों के साथ दुर्व्यवहार पर उतर आते थे। देश के सबसे समृद्ध नगर निगम पर जिस दल का नियंत्रण होता है, वही मुंबई की राजनीति को आकार देने में अहम भूमिका निभाता है और अक्सर राज्य की राजनीति की दिशा को भी प्रभावित करता है। इस लिहाज से महाराष्ट्र के स्थानीय निकायों के चुनावी नतीजों ने भाजपा को राज्य की राजनीति में महारथी बना दिया है। नतीजों से निस्संदेह ठाकरे बंधुओं और पवार परिवार की रणनीति की कमजोरियां उजागर हुई हैं और मतदाताओं के साथ उनके जमीनी जुड़ाव पर प्रश्नचिह्न भी लगा है।

# भू-राजनीतिक जादुई यथार्थवाद और मादुरो

**दक्षिण अमेरिका के क्रूर इतिहास की हवाओं में जादुई यथार्थवादी कहानियां तैरती हैं और कल्पना अब भी उसके कथित मुक्तिदाता तानाशाहों का घर है, मगर असलियत उतनी शानदार नहीं है। मादुरो के बिना दुनिया (ठीक वैसे ही जैसे सद्दाम के बिना) एक बेहतर जगह है।**

सर्द लंदन, जहां मुख्यधारा के कंजर्वेटिव और लेबर दोनों दल जमे हुए हैं, जबकि दक्षिणपंथी और वामपंथी कट्टरपंथी लगातार उभर रहे हैं, यह सवाल पूछने के लिए एक अच्छी जगह है कि क्या निकोलस मादुरो उन विलापों के पात्र हैं, जो ज्यादातर नायकों से वंचित वामपंथियों की तरफ से किए जा रहे हैं। ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं है, क्योंकि ट्रंपवाद के खिलाफ लिखे गए पन्नों में प्रावदा (सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी का मुखपत्र) की झलक साफ दिखती है। प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर घर पर तो पक्के समाजवादी हैं-अमीरों पर शिकंजा कसते हैं और उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि यदि वे उसी तेजी से द्वीप छोड़कर भाग जाते हैं, जिस तेजी से आप्रवासी नावें किनारों पर आती हैं-लेकिन वैश्विक मंच पर वे एक बेदाग नैतिकतावादी हैं।

**एस प्रसन्नराजन**

*संपादक, ओपन मैगजीन*

यूक्रेन खुशकिस्मत है कि उसके पास सर कीर जैसा कोई रक्षक है, साथ ही उतने ही परेशान और साथी अंतरराष्ट्रवादी इमैनुएल मैक्रों भी हैं। वामपंथी विचारधारा के धुरंधरों के विपरीत, सर कीर ने मादुरो के प्रति अपनी प्रतिक्रिया में बहुत सावधानी बरती, जिन्हें, सभी के अनुसार, सद्दाम हुसैन जैसा बर्ताव नहीं मिला : पायजामे में उठाकर ले जाना और हथकड़ी लगाना, मकड़ी के बिल से बाहर निकाले जाने से कम अपमानजनक है, जहां उसके अपहरणकर्ता दाढ़ी वाले, बिखरे बालों वाले आदमी के खुले मुंह में झांक रहे थे, जिसने सत्ता में रहते हुए खुद को बाथवाद का नेबुचादनेजर (सबसे लंबे समय तक शासन करने वाला) बताया था।

स्टार्मर ने मादुरो के लिए सार्वजनिक रूप से आंसू नहीं बहाए, जैसा कि उन्होंने अला अब्देल-फतह के लिए किया था, जिसने कुछ समय पहले यहूदियों को मारने और डाउनिंग स्ट्रीट को जलाने की बात कही थी। पछतावा करने वाले, नफरत फैलाने वाले और हाल ही में ब्रिटिश नागरिक बने इस व्यक्ति को अब्देल फतह अल-सिसी (मिस्र के राष्ट्रपति) के मिस्र से बहुत धूमधाम से घर लाया गया। मादुरो के मामले में, स्टार्मर बस अमेरिका के साथ खड़े रहे, और गिरफ्तारी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहा। पर ब्रिटेन की विपक्षी कंजर्वेटिव नेता केमी बेडेनोच ने ट्रंप की कार्रवाई को नैतिक रूप से सही बताकर अपनी दक्षिणपंथी विचारधारा वाली पहचान दिखाई है। ऐसा नहीं है कि हर कंजर्वेटिव उनकी तरह ही ट्रंप के योगदान की तारीफ करने में आगे था। नव-रूढ़िवादियों (नियोकॉन्स) के लिए, सत्ता बदलना एक विचारधारात्मक सोच थी। लेकिन अमेरिका को फिर से महान बनाने वाले (मागा) रूढ़िवादियों (कंजर्वेटिव्स) के लिए यह एक त्वरित साहसिक कार्य है, भले ही ट्रंप दावा करते हैं कि वह सिर्फ अपने 19वीं सदी के पूर्ववर्ती जेम्स मोनरो के सिद्धांत को अद्यतन कर रहे हैं, जो लैटिन अमेरिका को यूरोपीय उपनिवेशवाद से बचाना चाहते थे।

नया उपनिवेशवादी बीजिंग से नियंत्रित करता है। यह हमें एक ऐसे सवाल पर वापस लाता है, जो पक्के साम्राज्यवाद-विरोधी लोगों को नाराज करेगा : क्या साम्राज्यवाद नैतिक मूल्यों वाला हो सकता है? नील फर्ग्यूसन जैसे उच्च कुलीन 'शाही' इतिहासकार यह तर्क देंगे कि ब्रिटिश साम्राज्यवाद ने उपनिवेशों को आधुनिक बनाया, जबकि अमेरिका ने अपनी शाही जिम्मेदारियों को बुरी तरह से छोड़ दिया है। वह विस्तारवाद के लिए नहीं, बल्कि लागू किए गए आदर्शवाद की बात कर रहे थे।

हाल में, अमेरिका अपनी नैतिक जिम्मेदारियों की कीमत पर अपनी घरेलू चिंताओं में सिमट रहा था, जिसका सबसे अच्छा उदाहरण ओबामा और बाइडन के कार्यकालों में देखा जा सकता है। ट्रंप भी शुरुआत में दुनिया से दूर रहते थे, जब तक कि दुनिया ऐसा मैदान न हो, जहां वह अपने प्रतिद्वंद्वी को धमका सकें। जैसा कि बेडेनोच कहती हैं, मादुरो के साथ उन्होंने साम्राज्यवाद को एक नैतिक संदर्भ दिया है, भले ही कुछ लोगों को यह तरीका गलत लगे। मादुरो के बिना दुनिया (ठीक वैसे ही जैसे सद्दाम के बिना) एक बेहतर जगह है। द रिपब्लिक ऑफ फियर (भय का गणराज्य) शब्द, जिसका इस्तेमाल असंतुष्ट लेखक कानन मकिया ने सद्दाम के इराक के लिए किया था, ऐसी किसी भी जगह पर लागू होता है, जहां यातना, भुखमरी, चुनाव में धांधली और बड़े पैमाने पर अमानवीयकरण के साधनों की देखरेख तानाशाह करता है। वामपंथ के उन रोमांटिक लोगों के लिए नहीं, जो बिना नायक वाली दुनिया में उदास होकर भटक रहे थे। लैटिन अमेरिका वह जगह थी, जहां उन्हें काफी वैचारिक हिम्मत मिल सकती थी, और जहां क्रांति एक शुद्ध थ्रिलर थी, जिसमें ऐसे क्रांतिकारी रहते थे, जो ईसा मसीह जैसे दिखते थे। अगर चे क्रांति के सर्वाधिक पूजे जाने वाले शहीद और पॉप कल्चर के सबसे ज्यादा बिकने वाले याद रखने लायक थे, तो सिगार पीने वाले शीर्ष नेता कास्त्रो ने सत्ता में रहते हुए सबसे बड़े साम्राज्यवाद विरोधी होने का रुतबा बनाए रखा। भले ही क्रांति को बनाए रखना सोशलिस्ट देश के लिए काफी मुश्किल था, फिर भी उन्होंने कम्युनिज्म की पहचान को जिंदा रखा, और दुनिया भर में वामपंथ को प्रेरित किया।

मादुरो के पूर्ववर्ती, ह्यूगो चावेज, कास्त्रो की नकल थे। चावेजवाद, व्यक्तिगत मिथक के इर्द-गिर्द बनाई गई वैचारिक प्रणाली, असल में, अमेरिका-विरोधी मर्दानगी थी, जिसमें मूल मुक्तिदाता सिमोन बोलिवर का आह्वान किया जाता था। चावेज ने ऐसे देश में खुद को कास्त्रो के हल्के संस्करण के तौर पर पेश किया, जो दुनिया के सबसे बड़े पेट्रोलियम भंडार होने के बावजूद आर्थिक रूप से टूट रहा था। लैटिन अमेरिका में हर तानाशाह ने मिथक बनाने की कला में महारत हासिल की, और वे सभी सिमोन बोलिवर का एक ताजा संस्करण बनना चाहते थे।

गेब्रियल गार्सिया मारखेज को अपनी किताब द *जनरल इन हिज लेबिरिंथ* में बोलिवर को इन्सान जैसा दिखाने, उन्हें उनके विशाल ऐतिहासिक कद से छोटा दिखाने में काफी मेहनत करनी पड़ी। कहानियों ने लैटिन अमेरिका के क्रूर इतिहास को नया जीवन दिया है, और कल्पना अब भी उसके ठेठ मुक्तिदाता-तानाशाहों का घर है, जैसे मारियो वर्गास ल्योसा की किताब द *फीस्ट ऑफ द गोट* में डोमिनिकन रिपब्लिक के राफेल ट्रुजिलो। मगर असलियत उतनी शानदार नहीं है; यह उतनी ही अजीब है जितनी कि ट्रंप की नकल करने वाले मादुरो का 'नार्को-टेररिस्ट' के तौर पर खत्म होना, जिसे साम्राज्यवाद के फरिश्तों ने रात में छापा मारकर उसके घर से उठा लिया। शायद यह 21वीं सदी के लिए भू-राजनीतिक जादुई यथार्थवाद है।

edit@amarujala.com

मुद्दा

# अब हिमालय भी हांफ रहा है

**आईसीमोड के 2025 के अध्ययन में पूर्वी हिमालय में ब्लैक कार्बन की बढ़ती सांद्रता के कारण बर्फ की गहराई में 30 से 40 फीसदी तक की कमी दर्ज की गई है।**

दिल्ली जैसे महानगरों की प्रदूषित हवा लोगों के स्वास्थ्य को तो नुकसान पहुंचा ही रही है, इन हवाओं का प्रदूषण हिमालय को भी बीमार कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों से उठने वाला वायु प्रदूषण सीमाओं को लांघकर हिमालय तक पहुंच रहा है। यह सीमापार प्रदूषण (ट्रांसबाउंडरी पॉल्यूशन) न केवल हिमालयी हिमनदों के पिघलने की गति को तेज कर रहा है, बल्कि पूरे क्षेत्र के जलवायु चक्रों को भी प्रभावित कर रहा है।

काठमांडो स्थित आईसीमोड, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे तथा नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एरीज) के अध्ययनों के अनुसार, ब्लैक कार्बन हिमालयी बर्फ पर जमकर उसके परावर्तन गुण (एल्बीडो) को 20 से 30 फीसदी तक कम कर देता है। इससे सूर्य की अधिक ऊर्जा बर्फ द्वारा अवशोषित होने के कारण हिमनदों के पिघलने की दर तेज हो जाती है और हिमानी झील विस्फोट की घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। ब्लैक कार्बन वह सूक्ष्म कण है, जो डीजल, कोयला, लकड़ी और अन्य जैव ईंधनों के अपूर्ण दहन से उत्पन्न होता है। इसका आकार ढाई माइक्रोमीटर से भी कम होता है, जिससे यह लंबे समय तक वायुमंडल में बना रहता है और श्वसन के माध्यम से फेफड़ों तक पहुंच जाता है।

**जयसिंह रावत**

आईआईटी, दिल्ली व कानपुर और टेरी के अध्ययनों के मुताबिक, दिल्ली जैसे महानगरों में ब्लैक कार्बन, पीएम 2.5 प्रदूषण का 10 से 30 प्रतिशत तक हिस्सा बनाता है। 2013 से 2023 तक के दशकीय विश्लेषण से यह भी सामने आया है कि केंद्रीय सिंधु-गंगा मैदान में ब्लैक कार्बन की औसत सांद्रता पांच से 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहती है, जो सर्दियों में लगभग दोगुनी हो जाती है। आईआईटीएम और अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन के विश्लेषण के मुताबिक, नगरों से उठने वाले वायु द्रव्यमानों का 23 से 40 प्रतिशत हिस्सा हिमालयी जगहों तक पहुंचता है। धूल भरी आंधियां इस प्रक्रिया को और तेज कर देती हैं। आईसीमोड, स्विट्जरलैंड के ईटीएच ज्यूरिख और वाडिया संस्थान के अध्ययनों में पाया गया कि केंद्रीय व पश्चिमी हिमालय में ब्लैक कार्बन का 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा जीवाश्म ईंधनों से आता है। वहीं, नासा के अनुसार, ब्लैक कार्बन की एक पतली परत भी बर्फ के एल्बीडो को पांच से 10 प्रतिशत तक घटा देती है, जिससे सतह का तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है। आईसीमोड के 2025 के अध्ययन में पूर्वी हिमालय में ब्लैक कार्बन की बढ़ती सांद्रता के कारण बर्फ की गहराई में 30 से 40 फीसदी तक की कमी दर्ज की गई है। विश्व बैंक व आईसीमोड के अनुसार, ब्लैक कार्बन हिमनदों की वापसी को 20 से 25 प्रतिशत तक तेज कर रहा है, जिससे गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों के जल प्रवाह में अस्थिरता बढ़ रही है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि दक्षिण एशियाई देश उत्सर्जन मानकों को सख्ती से लागू करें, तो हिमालयी हिमनदों पर ब्लैक कार्बन का निक्षेपण लगभग 23 फीसदी तक कम किया जा सकता है। यूएनईपी के अनुसार, स्वच्छ ईंधनों का उपयोग, विद्युत वाहनों को बढ़ावा देकर और फसल अवशेष जलाने पर नियंत्रण से ब्लैक कार्बन उत्सर्जन को 50 से 80 फीसदी तक घटाया जा सकता है। हिमालय, जिसे एशिया का जलस्तंभ कहा जाता है, को बचाने के लिए क्षेत्रीय सहयोग अब अनिवार्य हो गया है। आईसीमोड के अनुसार, ब्लैक कार्बन के अनियंत्रित उत्सर्जन से वर्ष 2050 तक हिमालयी बर्फ का 30 से 40 फीसदी हिस्सा नष्ट हो सकता है। शहरी प्रदूषण की यह छाया अब हिमालय की चोटियों पर गहरी होती जा रही है और समय रहते हस्तक्षेप ही इसका एकमात्र समाधान है।

बुद्धिमत्ता के तेजी से बढ़ने का सबसे सटीक उदाहरण यह होगा कि कोई एआई अपने ही कोड को खुद लिखने और बेहतर बनाने लगे। -निक बोस्ट्रोम

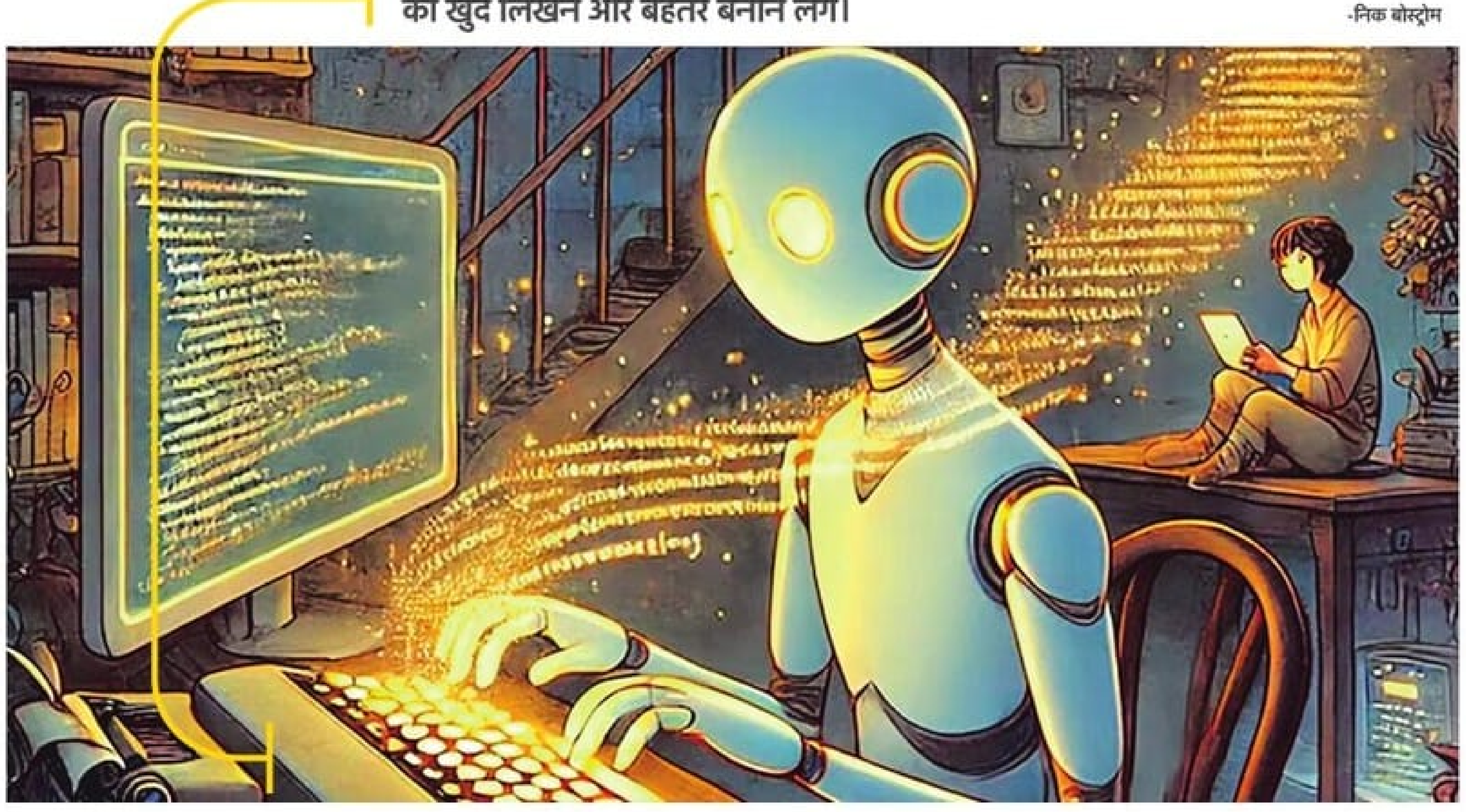

# अनंत में अर्थ की खोज

**ब्रह्मांड ने हमें कोई अर्थ देकर नहीं भेजा है। हमारा जीवन सीमित व क्षणिक है और यही उसकी सबसे बड़ी सुंदरता है, क्योंकि जो अनंत होता है, वह अक्सर मूल्य खो देता है, वहीं जो क्षणभंगुर होता है, उसकी कीमत हमारे लिए ज्यादा होती है।**

जब हम यह जानते हैं कि हमारे ब्रह्मांड में सैकड़ों अरब आकाशगंगाएं फैली हुई हैं, और यह संभावना भी मौजूद है कि हमारा ब्रह्मांड स्वयं अनगिनत ब्रह्मांडों में से केवल एक है, तो हमारी पहली प्रतिक्रिया अक्सर यही होती है कि हमारा अस्तित्व कितना छोटा है। इतने विशाल ब्रह्मांड के सामने एक ग्रह, उस पर एक प्रजाति, और उसके भीतर एक व्यक्ति आखिर क्या मायने रख सकता है! लेकिन इसी भावना के भीतर एक और विचार जन्म लेता है, जो उतना ही गहरा और प्रेरक है।

**ब्रायन कॉक्स**

ब्रह्मांड का अधिकांश हिस्सा निर्जीव, ठंडा, और जीवन के लिए प्रतिकूल है, पर उसी में जीवन का उभरना अपने आप में चमत्कार है। उस जीवन के भीतर चेतना का जन्म, यानी वह क्षमता कि हम सोच सकें, सवाल पूछ सकें, और तारों की ओर देखकर उनके अर्थ को समझने की कोशिश कर सकें, शायद ब्रह्मांड की सबसे दुर्लभ घटनाओं में से एक है।

ब्रह्मांड ने हमें कोई तय उद्देश्य देकर नहीं भेजा है। तारे हमारे लिए नहीं चमकते, न ही आकाशगंगाएं हमारे लिए घूमती हैं। हमारा जीवन सीमित है, क्षणिक है और यही उसकी सबसे बड़ी सुंदरता है, क्योंकि जो अनंत होता है, वह अक्सर मूल्य खो देता है, और जो क्षणभंगुर होता है, उसकी कीमत हमारे लिए ज्यादा होती है।

जीवन धारा

विज्ञान हमें यह बताता है कि हम कितने दुर्लभ हैं। इसी की बदौलत आज ब्रह्मांड स्वयं को हमारे माध्यम से देख और समझ पा रहा है। हम इसलिए विशेष नहीं हैं कि ब्रह्मांड हमारे चारों ओर घूमता है, बल्कि इसलिए कि हम उसे समझने की क्षमता रखते हैं। और यही समझ हमारे ऊपर एक जिम्मेदारी भी रखती है कि हम अपने जीवन की कद्र करें, एक-दूसरे का ख्याल रखें और इस नाजुक ग्रह की रक्षा करें।

ब्रह्मांड हमें यह नहीं बताता कि हमें क्या करना चाहिए, पर यह हमें स्पष्ट रूप से दिखाता है कि हमारे पास क्या है। शायद जीवन का अर्थ यही है कि इस असीम ब्रह्मांड के एक छोटे-से कोने में, जब तक हमें यह क्षण मिला है, हम इसे पूरी संवेदनशीलता और गहराई के साथ जिएं।

# एआई कभी कुछ नया नहीं खोज सकता

**वास्तविक खोज के लिए तथ्यों को जोड़ने के बजाय नए व अप्रत्याशित ढंग से सोचना पड़ता है, जो एआई के बस की बात नहीं।**

**एलन डैनजिगर**

**द न्यूयॉर्क टाइम्स**

AI समय

इटली के फ्लोरेंस शहर में, प्रसिद्ध फ्लोरेंस कैथेड्रल के ठीक सामने एक बहुत पुराना चर्च है, सैन जियोवानी का बैपटिस्टी। प्राचीन रोम की वास्तुकला की स्पष्ट छाया होने के बावजूद, यह आज भी एक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है कि किसने और किन परिस्थितियों में इसका निर्माण करवाया। 2020 की शुरुआत में मैंने इसकी ऐतिहासिक जड़ों की तलाश शुरू की। वर्षों तक दस्तावेजों को खंगालने और गहन शोध के बाद, मैं एक अहम निष्कर्ष पर पहुंचा। यह चर्च 1073 में पोप ग्रेगरी सप्तम के चुनाव के बाद, उनके ही नेतृत्व में बनवाया गया था। मेरा यह शोध उस समय पूरा हुआ, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और बड़े भाषा मॉडल अभी आम चर्चा का विषय नहीं बने थे।

हाल ही में, मेरे मन में यह सवाल उठने लगा है कि क्या आज का कोई चैटजीपीटी सरीखा एआई टूल ऐसे सदियों पुराने रहस्य को मुझसे ज्यादा तेजी से सुलझा सकता था? एक व्यक्तिगत प्रयोग के तौर पर मैंने अपनी खोज के अलग-अलग पहलुओं पर तीन एआई चैटबॉट-चैटजीपीटी, क्लाउड और जेमिनी को आजमाया। मेरा उद्देश्य यह जानना था कि क्या ये टूल वही सुराग पहचान पाते हैं, उनकी अहमियत समझ पाते हैं और उसी निष्कर्ष तक पहुंच पाते हैं, जिन तक मैं वर्षों की जांच के बाद पहुंचा था। नतीजा निराशाजनक रहा, क्योंकि चैटबॉट इसमें असफल साबित हुए।

हालांकि, ये एआई टूल बैपटिस्टी की उत्पत्ति से जुड़े जटिल व कठिन तथ्यों को समझने में सक्षम थे, लेकिन वे किसी नए विचार या मौलिक निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सके। उनमें वह बुनियादी गुण नहीं था, जो किसी खोज के लिए आवश्यक होता है।

इसके पीछे कई कारण हैं। दरअसल, बड़े लैंग्वेज मॉडल किसी भी इन्सान से कहीं ज्यादा पढ़ चुके होते हैं, पर जब एआई पढ़ता है, तो वह असल में अर्थ नहीं, बल्कि पैटर्न पहचानता है। ऐसे विचार, जो प्रचलित सोच को चुनौती देते हैं, अक्सर इस प्रक्रिया में छूट जाते हैं। जबकि वास्तविक खोज इन्हीं असामान्य बिंदुओं से जन्म लेती है। यदि मैं इन पर ध्यान न देता, तो शायद मैं भी कभी इस खोज तक नहीं पहुंच पाता। उदाहरण के तौर पर, फ्लोरेंस विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गुइडो टिगलर की किताब *टस्काना रोमनिका* में बैपटिस्टी के निर्माण से जुड़े तर्क को अधिकांश विद्वान स्वीकार नहीं करते। जब मैंने चैटबॉट से बैपटिस्टी के रहस्य को सुलझाने के स्रोतों के बारे में पूछा, तो उन्होंने इस किताब का कोई जिक्र नहीं किया।

सदियों तक यह माना जाता रहा कि 1059 में पोप निकोलस द्वितीय ने सैन जियोवानी के बैपटिस्टी को पवित्र किया था। पर वास्तव में, इसका कोई ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। यह धारणा केवल दस्तावेजों से निकाले गए अनुमान पर आधारित है, जिनमें उस वर्ष पोप निकोलस द्वितीय की अन्य फ्लोरेंटाइन चर्चों से जुड़ी गतिविधियों का उल्लेख मिलता है। जब मैंने एआई चैटबॉट्स से कहा कि वे इस विसंगति को पहचानने की कोशिश करें, तो नतीजे चौंकाने वाले थे। चैटजीपीटी और क्लाउड इस विरोधाभास तक तो पहुंच गए, लेकिन वे यह समझने में असफल रहे कि यह तथ्य संदिग्ध क्यों है। वहीं जेमिनी ने तो ऐसे सबूत ही गढ़ दिए, जिनसे यह भ्रम दूर होता हुआ प्रतीत होने लगा। किसी भी शोध के लिए तीन बातें जरूरी होती हैं-स्थिति का सटीक आकलन, समस्या की पहचान करना और यह स्पष्ट करना कि वह क्यों गंभीर है? बड़े भाषा मॉडल इन तीनों स्तरों पर संघर्ष करते दिखाई दिए।

वास्तव में, इस रहस्य की असली कुंजी बैपटिस्टी की वास्तुकला में ही छिपी थी कि इसे किसने बनाया था। दरअसल, इसकी संरचना प्राचीन रोम के पैंथियन से गहराई से प्रेरित है। यह इमारत ठीक उसी प्रकार की चर्च वास्तुकला थी, जिसे ग्रेगरी सप्तम बढ़ावा देना चाहते थे। मध्ययुगीन इतिहास के बिखरे हुए तथ्यों को एक नई व्याख्या में जोड़ना केवल सूचनाओं को जोड़ने का काम नहीं था, बल्कि उनके बीच छिपे अर्थ को पहचानने की प्रक्रिया थी। एआई इस तरह के ऐतिहासिक टुकड़ों को इकट्ठा करने और व्यवस्थित करने की प्रक्रिया को तेज तो कर सकता है, पर वास्तविक खोज केवल जानकारी को जोड़ने से नहीं होती। उसके लिए नए और अप्रत्याशित संबंधों को देखना पड़ता है।

मेरे प्रयोगों से यह स्पष्ट हुआ कि मौजूदा एआई तकनीक अभी इस स्तर की रचनात्मक समझ से काफी दूर है। खोज अब भी एक मानवीय प्रयास है। यह उस विशिष्ट मानवीय प्रवृत्ति से जन्म लेती है, जिसमें हम उन चीजों पर ध्यान देते हैं, जो तयशुदा पैटर्न में फिट नहीं बैठतीं और फिर उन्हें गहराई से समझने की कोशिश करती हैं, जो कि शायद एआई के भीतर नहीं हैं।

**कोवर्क**

*यह एक नया एआई एजेंटिक टूल है, जिसे एंथ्रोपिक कंपनी ने विकसित किया है। यह साधारण चैटबॉट्स से अलग है, क्योंकि यह सिर्फ सलाह नहीं देता, बल्कि एक डिजिटल सहकर्मी की तरह उपयोगकर्ताओं के लिए काम भी कर सकता है। उपयोगकर्ता इसे अपने कंप्यूटर के किसी खास फोल्डर का एक्सेस दे सकते हैं। यह उस फोल्डर की फाइल्स को पढ़कर उसे एडिट कर सकता है और नई फाइल्स बना भी सकता है। जब इसे कोई काम सौंपा जाता है, तो यह खुद एक योजना बनाकर चरण-दर-चरण प्रक्रिया तय करके काम पूरा करता है। इसके लिए कोडिंग सीखने की जरूरत नहीं है। उपयोगकर्ता इसे हिंदी या अंग्रेजी में निर्देश दे सकते हैं।*

# नर्सरी दाखिले में अब चलेगा किस्मत कनेक्शन, निकाली जाएगी लॉटरी

## मानकों में मिले अंकों के आधार पर सूची जारी की, पचास से कम अंक वालों का दाखिला मुश्किल

अमर उजाला ब्यूरो

**नई दिल्ली।** नर्सरी में दाखिले के लिए आए आवेदनों के बाद शुक्रवार को स्कूलों ने आवेदकों को मानकों में मिले अंकों के आधार पर सूची जारी कर दी। ज्यादातर स्कूलों ने मानकों के कुल अंकों को, जबकि कुछ ने किस मानक में कितने अंक मिले हैं, जारी किया है।

मिशन एडमिशन

जिस तरह से स्कूलों ने सूची जारी की है कि उससे काफी हद तक स्पष्ट हो गया है कि पचास से कम अंक वालों का दाखिला मुश्किल होगा। हालांकि एक समान अंक वाले बच्चों की संख्या ज्यादा होने के कारण लॉटरी सीट को पक्का कर सकती है। लॉटरी के बाद स्कूल 23 जनवरी को दाखिले की पहली प्रतीक्षा सूची के साथ जारी करेंगे। ज्यादातर स्कूलों ने 40 से 100 अंक प्राप्त करने वालों को सूची में जगह दी है। जिनके कम अंक हैं उनका लॉटरी से किस्मत कनेक्शन चलेगा। ऐसे आवेदकों के लिए प्रतीक्षा सूची में नाम आने और दूसरी सूची में शिफ्टिंग का दौर शुरू होने पर दाखिले की संभावना बन सकती है। सूची देखने से लग रहा है कि 60 से ज्यादा अंक वालों का ही दाखिला हो सकता है।

### समान अंक वाले बच्चों की संख्या ज्यादा होने के कारण लॉटरी निकालेंगे स्कूल

द्वारका स्थित वेंकटेश्वर इंटरनेशनल स्कूल में 2128 आवेदकों की मानकों में मिले अंकों के साथ सूची जारी की है। इसमें 60 से 90 अंक प्राप्त करने वालों को जगह मिली है।

एक आवेदक को 100 अंक मिले हैं। स्कूल ने डिस्टेंस, सिबलिंग, एल्युमिनी मानक को अपने दाखिला मानकों में शामिल किया था। सर्वाधिक अंक डिस्टेंस मानक के लिए ही तय किए गए थे।

इस आधार पर अधिकतर अंक आवेदकों को पड़ोस (नेबरहुड मानक) के ही मिले हैं। अब स्कूल ने स्पष्ट कर दिया है कि 100, 90, 80 अंक वालों को दाखिले के लिए चयन किया जाएगा। जबकि जितने आवेदकों को 70 अंक मिले हैं, उनके लिए स्कूल 19 जनवरी को लॉटरी निकालेगा। डीपीएस मथुरा रोड ने 1792 बच्चों की मानकों में मिले अंकों के साथ सूची जारी की। स्कूल ने 40 से 100 वालों को इस सूची में शामिल किया है। यह सूची दाखिले का आधार नहीं है। इस सूची में आवेदकों को शून्य अंक भी मिले हैं।

रोहिणी स्थित हेरिटेज स्कूल ने 95-80 अंक वालों को जगह दी है। इतने अंक वाले बच्चों की संख्या 1785 है। सीटें कम होने के कारण और एक समान अंक ज्यादा होने के कारण स्कूल लॉटरी का सहारा लेंगे।

एडमिशन नर्सरी डॉट कॉम प्रमुख सुमित वोहरा ने बताया कि कुछ स्कूलों ने अभी भी मानकों में मिले अंकों के साथ सूची जारी नहीं की है। कुछ अभिभावक शिकायत कर रहे हैं कि उन्हें जो अंक प्राप्त हुए हैं, वह सही नहीं है। उन्हें अंकों में मिस मेच लग रहा है, इस कारण से दाखिले की राह भी मुश्किल लग रही है।

## आईआईएसईआर में विशेष कोटे से दाखिले

**नई दिल्ली।** अब अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में भाग लेने वाले मेधावी छात्रों को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) में स्नातक पाठ्यक्रमों में विशेष कोटे से दाखिला मिलेगा। मेधावी छात्रों को आईआईएसईआर से जोड़ने के मकसद से शैक्षणिक सत्र 2026 से यह फायदा देने की तैयारी है। खास बात यह है कि आईआईटी मद्रास और आईआईटी इंदौर की तर्ज पर स्नातक पाठ्यक्रमों में खेल कोटा भी शुरू किया जाएगा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में आईआईएसईआर ने स्थायी समिति की बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा की। इसके अलावा क्षेत्रीय भाषा के छात्रों को पढ़ाई में भी मदद मिलेगी। शैक्षणिक लचीलापन के लिए मल्टीपल एंट्री और एक फ्लेक्सिबल लर्निंग एंट्री और एग्जिट फ्रेमवर्क (आईफ्लेक्स) के माध्यम से एक लचीली, शिक्षार्थी-केंद्रित उच्च शिक्षा प्रणाली लागू होगी। इसमें मल्टीपल एंट्री और मल्टीपल एग्जिट, री-एंट्री और पूरा करने का विकल्प शामिल होगा, जिससे छात्रों को नियमित क्लासरूम सेमेस्टर के बजाय अनुसंधान, नवाचार, उद्योग या उद्यमिता पर केंद्रित एक सेमेस्टर की अनुभवात्मक इंटर्नशिप करने की अनुमति मिलेगी, जिसे पूरा होने और मूल्यांकन के बाद शैक्षणिक क्रेडिट दिए जाएंगे। ब्यूरो

# सीबीएसई का निर्देश... दाखिले से पहले जांचें विवि की मान्यता

## सीबीएसई ने दसवीं व बारहवीं के छात्रों के लिए जारी किया अलर्ट

अमर उजाला ब्यूरो

**नई दिल्ली।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बारहवीं पास करके उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेने वाले बच्चों को फर्जी विश्वविद्यालय में दाखिला लेने से बचने के लिए कहा है। छात्र व अभिभावक दाखिला लेने से पहले यूजीसी की वेबसाइट से विश्वविद्यालय का संबद्धता स्टेटस चेक करें। जो संस्थान यूजीसी से मान्यता प्राप्त हों छात्र उन्हीं में दाखिला लें। सीबीएसई ने इस संबंध में अपने संबद्ध स्कूलों के प्राचार्यों को एक परिपत्र जारी किया है।

बोर्ड की ओर से जारी परिपत्र में कहा गया कि स्कूल इस जानकारी को अभिभावकों व छात्रों को दें, जिससे कि वे फर्जी संस्थानों में दाखिला लेने से बच सकें। स्कूलों को यह जानकारी अपने नोटिस बोर्ड, वेबसाइट पर प्रदर्शित करने को कहा गया है, साथ ही अभिभावकों को इसकी जानकारी पीटीएम में देनी होगी। बोर्ड ने छात्रों के दाखिले को लेकर एक अलर्ट जारी किया है। इसे यूजीसी की सलाह के बाद जारी किया है।

सांकेतिक

इसमें कहा कि यूजीसी की ओर से हर साल अपनी वेबसाइट पर फर्जी विश्वविद्यालयों व मान्यता प्राप्त संस्थानों की सूची जारी की जाती है। ऐसा देखने में आता है कि कई छात्र संस्थान की जांच किए बिना वहां दाखिला लेते हैं। बाद में संस्थान के फर्जी होने का पता चलने पर उन्हें पछताना पड़ता है। बोर्ड ने स्कूलों को कहा है कि वह पीटीएम में अभिभावकों को इस बात की जानकारी दें कि संस्थान की संबद्धता-मान्यता की जांच जरूरी है। ऐसे में जांच करने के बाद ही अभिभावक बच्चे का दाखिला कराएं।

बोर्ड के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए दाखिला प्रक्रिया अभी जारी है, ऐसे में छात्रों व अभिभावकों को शुरुआती स्तर पर ही जागरूक करना जरूरी है। जिससे कि वह समय रहते अलर्ट हो जाएं और उनके हितों की रक्षा हो। इससे वे गलत संस्थानों में जाने से बच सकेंगे। छात्रों को जागरूक किया जाए कि वे केवल यूजीसी मान्यता प्राप्त संस्थानों में ही दाखिला लें। स्कूल सुनिश्चित करें कि इन दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन हो।

क्लब में जानकारी देते देवकीनंदन ठाकुर व अन्य। अमर उजाला

## सनातन प्रीमियर लीग 13 मार्च से

**नई दिल्ली।** इंदौर में 13, 14 और 15 मार्च को भारत सनातन प्रीमियर लीग होगी। शुक्रवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में प्रेस में इसकी घोषणा की गई। पंडित देवकीनंदन ठाकुर इसके मुख्य संरक्षक हैं। इस लीग में देश की कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी।

सभी टीमों के नाम महापुरुषों के नाम पर रखे गए हैं। टूर्नामेंट टी-10 फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें कुल 15 मुकाबले होंगे। सभी मैच डे-नाइट प्रारूप में होंगे।

फाइनल से पहले एक विशेष मैत्री मैच भी खेला जाएगा। विजेता टीम को 31 लाख रुपये और उपविजेता टीम को 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। मैन ऑफ द सीरीज को कार, जबकि हर मैच के मैन ऑफ द मैच को 21 हजार रुपये का पुरस्कार मिलेगा। संवाद

# सोनेट सीसी ने मौलाना आजाद सीसी को 8 विकेट से हराया

संवाद न्यूज एजेंसी

**नई दिल्ली।** द्वारका स्थित एस एस क्रिकेट अकादमी में खेले गए लीग मैच में सोनेट क्रिकेट क्लब ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मौलाना आजाद क्रिकेट क्लब को 8 विकेट से हराया। अनिरुद्ध को शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अनिरुद्ध ने इस मैच के साथ अपने करियर के 50 विकेट भी पूरे किए, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि रही। पहले बल्लेबाजी करते हुए मौलाना आजाद सीसी की टीम 19.2 ओवर में 80 रन पर ऑलआउट हो गई। इसके जवाब में सोनेट क्रिकेट क्लब ने 11.3 ओवर में ही 82 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया।

city sports

अनिरुद्ध ने 5 ओवर में मात्र 14 रन देकर 3 विकेट झटके। उनके साथ धैर्य सिंह दलाल और मानन भारद्वाज ने भी 3-3 विकेट लेकर मौलाना आजाद सीसी की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी।

### 3 विकेट चटकाने वाले अनिरुद्ध बने प्लेयर ऑफ द मैच

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सोनेट क्रिकेट क्लब के कप्तान एवं विकेटकीपर शिवम किशोर कुमार ने नाबाद 34 रन की अहम पारी खेली और टीम को जीत तक पहुंचाया। उनके अलावा नामन तिवारी ने 24 रन और सागर तवर ने 13 रन बनाए।

मौलाना आजाद सीसी के गेंदबाजों में रेवांत रक्यान और अक्षय कपूर को 1-1 विकेट मिला, लेकिन वे टीम को जीत नहीं दिला सके। यह मैच सोनेट क्रिकेट क्लब के गेंदबाजों और बल्लेबाजों के बेहतरीन तालमेल का उदाहरण रहा। इस जीत के साथ सोनेट क्रिकेट क्लब ने लीग में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली।

## यूनाइटेड एफसी ने अहबाब एफसी को 2-0 से हराया

**नई दिल्ली।** अंबेडकर स्टेडियम में डीएसए सीनियर डिविजन लीग 2025-26 के तहत खेले गए मुकाबले में यूनाइटेड भारत एफसी ने अहबाब फुटबॉल क्लब को 2-0 से हराया। बुधवार को दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

मैच की शुरुआत से ही यूनाइटेड भारत एफसी ने आक्रामक रुख अपनाया। मिडफील्ड में कप्तान युमनाम गोपी सिंह और सतेंद्र ओरांव ने खेल को अच्छी तरह संभाला। अहबाब फुटबॉल क्लब की ओर से कप्तान ईशान टक्कर और डिफेंडर दुश्यंत फौगाट ने मजबूत रक्षा पंक्ति बनाए रखी, जिससे पहले हाफ में कोई टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ के 47वें मिनट में यूनाइटेड भारत एफसी को बढ़त मिली।

मिडफील्डर सतेंद्र ओरांव ने शानदार मूव बनाते हुए गोल दागा और अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद अहबाब एफसी ने बराबरी के लिए ईशान यादव, इश सारिन और मोहम्मद ओवैस के जरिए कई हमले किए, लेकिन यूनाइटेड भारत के गोलकीपर शुभम बिस्वास ने बेहतरीन बचाव करते हुए सभी प्रयास विफल कर दिए।

मैच के 76वें मिनट में फॉरवर्ड भवानी जैसवार ने तेज आक्रमण के बाद दूसरा गोल कर यूनाइटेड भारत एफसी की जीत लगभग तय कर दी। आखिरी मिनटों में अहबाब फुटबॉल क्लब ने वापसी की कोशिश की। आखिरी में मुकाबला 2-0 के स्कोर के साथ यूनाइटेड भारत एफसी के नाम रहा। संवाद

**सुरक्षित जीवन का संदेश...**

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के तहत दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा आयोजित वॉकाथॉन को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) सत्य वीर कटारा ने हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया। ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क, बाबा खड़क सिंह मार्ग से शुरू हुई वॉकाथॉन कनॉट प्लेस होते हुए वापस वहीं समाप्त हुई, जिसमें करीब 2,000 छात्रों, NCC कैडेट्स और विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने सड़क सुरक्षा व ट्रैफिक नियमों के पालन का संदेश दिया, ताकि लोग जागरूक हों। भूपिंदर सिंह

हरियाणा सरकार | iti Industrial Training Institute

हरियाणा सरकार द्वारा बजट वर्ष 2025-26 में की गई घोषणा के अनुसार कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय, हरियाणा ने आम नागरिकों के लिए एक विशेष ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया है, जिसके माध्यम से अब सरकारी आई.टी.आई. की Library और Workshop सुविधाओं का उपयोग आम जनता भी कर सकेगी।

**पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध सुविधाएं**

नागरिक निम्नलिखित सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे
» सरकारी आई.टी.आई. की Library का उपयोग
» Workshop Equipment एवं Tools का इस्तेमाल
» Online पंजीकरण द्वारा सुविधाओं की Advance Booking

**Registration Link: www.itiharyana.gov.in**

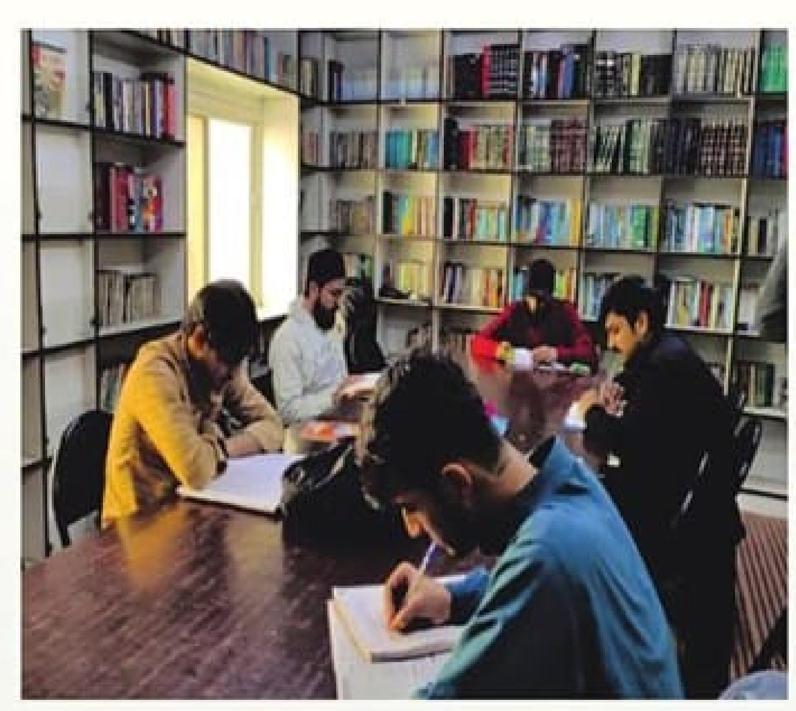

**सुविधा प्रारंभ होने की तिथि**

5 दिसम्बर, 2025 से यह पोर्टल आम जनता के लिए आधिकारिक रूप से उपलब्ध है।

**यह हरियाणा सरकार की एक ऐतिहासिक पहल है, जो Skill Development को नई दिशा प्रदान करेगी।**

अधिक जानकारी के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

निदेशालय, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण हरियाणा

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा | www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

# एजुकेशन & कॅरिअर

सपने वही पूरे होते हैं, जिनके लिए हम हर दिन ईमानदारी से प्रयास करते हैं।

## अमर उजाला Job Alert

Real-time job alerts
amarujala.com/jobs

### मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड

आईटीआई प्रशिक्षण अधिकारी के पद रिक्त

1120 पद

आवेदन की अंतिम तिथि : 31 जनवरी, 2026
वेतनमान : रुपये 32,800 से लेकर रुपये 1,03,600 प्रतिमाह
यहां आवेदन करें : esb.mp.gov.in

### ईसीएचएस में नौकरी के अवसर ■ 175 पद

मेडिकल ऑफिसर, क्लर्क आदि पद रिक्त
आवेदन की अंतिम तिथि
28 फरवरी, 2026
योग्यताएं
बीएससी, एमबीबीएस व अन्य निर्धारित पात्रताएं
यहां आवेदन करें
echs.gov.in

### हरियाणा लोक सेवा आयोग ■ 162 पद

पशु चिकित्सा सर्जन का पद खाली
आवेदन की अंतिम तिथि
19 फरवरी, 2026
आयु-सीमा
न्यूनतम आयु 22 वर्ष व अधिकतम आयु 42 वर्ष
यहां आवेदन करें
hpsc.gov.in

### रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ■ 572 पद

ऑफिस अटेंडेंट के पदों पर मौके
आवेदन की अंतिम तिथि : 04 फरवरी, 2026
आयु-सीमा : न्यूनतम आयु 18 वर्ष व अधिकतम आयु 25 वर्ष
यहां आवेदन करें : rbi.org.in

### एनएचएआई में करें आवेदन ■ 40 पद

डिप्टी मैनेजर के पदों पर रिक्तियां
आवेदन की अंतिम तिथि
09 फरवरी, 2026
आयु-सीमा
अधिकतम 30 वर्ष निर्धारित
यहां आवेदन करें
nhai.gov.in

### ईएसआईसी, फरीदाबाद में संभावनाएं ■ 33 पद

प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व अन्य पदों पर मौके
वॉक-इन-इंटरव्यू की तिथि
21 जनवरी, 2026
वेतनमान
रुपये 1,48,669 से लेकर रुपये 2,60,226 प्रतिमाह
यहां आवेदन करें
esic.gov.in

### विभिन्न पदों के लिए विज्ञापन जारी...

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर : प्रोजेक्ट साइंटिस्ट के पदों पर रिक्तियां।
  आवेदन की अंतिम तिथि : 27 जनवरी, 2026
- iitk.ac.in
- भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण : कंसल्टेंट का पद खाली।
  आवेदन की अंतिम तिथि : 28 जनवरी, 2026
- iwai.nic.in

अपनी प्रतिक्रियाओं और सुझावों के लिए हमें udaan@amarujala.com पर ई-मेल करें।

# जब बोलना हो बगैर तैयारी के

*यह डरावना लग सकता है, लेकिन सही दृष्टिकोण और विश्वास के साथ संचार को प्रभावी बनाया जा सकता है*

मैट अब्राहम्स
हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू

किसी भी मंच पर बोलते समय श्रोताओं का ध्यान आकर्षित करना और अपनी बात प्रभावी ढंग से रखना बेहद जरूरी होता है, लेकिन हर अवसर पर पहले से तैयारी करना संभव नहीं होता। ऐसे में बिना तैयारी के बोलने का कौशल सीखना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में शांत रहकर विषय का मूल समझना, स्पष्ट संदेश देना और आत्मविश्वास के साथ बोलना आपको कम समय में भी श्रोताओं पर प्रभावशाली छाप छोड़ने में मदद करता है। बिना तैयारी के बोलना डरावना लग सकता है, लेकिन सही दृष्टिकोण अपनाकर इसे प्रभावी बनाया जा सकता है। इस दौरान आपको सर्वश्रेष्ठ होना नहीं, बल्कि शांत रहकर, साफ सोच के साथ और आत्मविश्वास से अपनी बात रखना है।

**■ मुद्दे का मुख्य बिंदु समझें**
अचानक बोलने का अवसर मिलने पर सबसे पहले खुद को शांत रखें। इस दौरान घबराने के बजाय गहरी सांस लेकर दो से तीन सेकंड का विराम लें, ताकि आप अपने विचारों को व्यवस्थित कर सकें। इसके बाद पूरे विषय में उलझने के बजाय सवाल या मुद्दे के मुख्य बिंदु को जल्दी समझें और उसी पर ध्यान केंद्रित करें, क्योंकि स्पष्ट और केंद्रित बात ही आपके संदेश को प्रभावी बनाती है।

**■ बात को हिस्सों में बांटें**
अपने विचारों को स्पष्ट रखने के लिए एक सरल ढांचा अपनाना बहुत मददगार होता है। इसके लिए अपनी बात को तीन हिस्सों में बांटें। शुरुआत में, विषय से जुड़ी कोई सामान्य या परिचयात्मक बात रखें, जिससे श्रोता आपसे जुड़ सकें। मध्य भाग में एक या दो मुख्य विचार या छोटे उदाहरण प्रस्तुत करें, ताकि आपकी बात ठोस और समझने योग्य बने। और अंत में एक संक्षिप्त निष्कर्ष या सीख के साथ अपनी बात समाप्त करें, जिससे श्रोताओं को स्पष्ट संदेश का एहसास हो।

Harvard Business Review

**■ आम शब्दों का उपयोग करें**
किसी भी बातचीत में सरल और स्पष्ट भाषा सबसे प्रभावी होती है। भारी शब्दों, कठिन वाक्यों या दिखावटी भाषा से बचना चाहिए, क्योंकि ऐसी भाषा न केवल बोलने वाले को उलझा सकती है, बल्कि श्रोताओं के लिए भी समझना कठिन हो जाता है। रोजमर्रा के शब्दों का उपयोग करें ताकि आपके विचार सहज और आत्मविश्वासी ढंग से सामने आएं और श्रोता आसानी से समझ सकें।

**■ स्वीकार करें**
बिना तैयारी के बोलते समय ईमानदारी और आत्मविश्वास दिखाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। यदि आपको किसी विषय की पूरी जानकारी नहीं है, तो उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करना चाहिए, क्योंकि श्रोता दिखावे से ज्यादा सच्चाई को पसंद करते हैं। साथ ही, सकारात्मक प्रभाव छोड़ने के लिए केवल शब्द ही नहीं, बल्कि आपका व्यवहार भी अहम भूमिका निभाता है। आंखों से संपर्क बनाए रखना, आवाज को शांत तथा स्वाभाविक हाव-भाव अपनाना आपकी बात को अधिक प्रभावी बनाता है और श्रोताओं के मन में आपके प्रति विश्वास पैदा करता है।

आवेदन आमंत्रित

## एचपी लाइफ का ऑनलाइन कोर्स

यदि आप अपने कॅरिअर को आगे बढ़ाने और अपनी नेटवर्किंग को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए नेटवर्किंग और संबंध बनाने के कौशल हासिल करना चाहते हैं, लेकिन समझ नहीं आ रहा कि शुरुआत कहां से करें, तो घबराएं नहीं। एचपी लाइफ की ओर से शुरू की गई प्रोफेशनल नेटवर्किंग फॉर कॅरिअर ग्रोथ ऑनलाइन कोर्स आपके जैसे लोगों के लिए ही है। इस कोर्स के तहत आपको आत्मविश्वासपूर्ण मानसिकता विकसित करने, सार्थक नेटवर्किंग लक्ष्य निर्धारित करने, व्यक्तिगत विकास करने, अपने पेशेवर नेटवर्क को बढ़ाने और बनाए रखने के लिए डिजिटल उपकरणों व प्लेटफार्मों का उपयोग करने और पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध बनाए रखने आदि का कौशल सीखने का मौका मिलेगा। इस कोर्स की सबसे अच्छी बात यह है कि आप इसे अपनी सुविधानुसार किसी भी स्थान या समय पर कर सकते हैं। कोर्स पूरा करने के बाद आपको सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा। आप अपनी पात्रताओं की जांच करते हुए आधिकारिक लिंक tinyurl.com/hn7h25zh पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से इस कोर्स में एनरोल कर सकते हैं।

फेलोशिप प्रोग्राम

## ऑस्कर मॉर्गनस्टर्न फेलोशिप-2026

जॉर्ज मेसन विश्वविद्यालय के मर्केटस सेंटर द्वारा ऑस्कर मॉर्गनस्टर्न फेलोशिप-2026 के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। यह एक प्रतिष्ठित एक वर्षीय ऑनलाइन कार्यक्रम है, जिसे राजनीतिक अर्थव्यवस्था और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में रुचि रखने वाले छात्रों, विद्वानों और पेशेवरों के लिए तैयार किया गया है। इस फेलोशिप के लिए किसी भी विषय के स्नातक छात्र या आगामी शैक्षणिक वर्ष में पीएचडी कार्यक्रम में नामांकित अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को कार्यक्रम के लिए आवश्यक सभी पठन सामग्री के साथ-साथ 2,250 अमेरिकी डॉलर तक का स्टाइपेंड प्रदान किया जाएगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 मार्च, 2026 निर्धारित की गई है। योग्य आवेदक आधिकारिक लिंक tinyurl.com/235vkvf2 पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से इस फेलोशिप प्रोग्राम में आवेदन कर सकते हैं।

एग्जाम अलर्ट हफ्ते की परीक्षाएं

## एसएससी सीजीएल स्किल टेस्ट (डीईएसटी)

- **परीक्षा की तिथि :** 18 जनवरी, 2026
- डाटा एंट्री स्पीड टेस्ट में उत्तीर्ण होने के लिए उम्मीदवारों को 15 मिनट में लगभग 2000 की-स्ट्रोक्स टाइप करने होंगे और साथ ही उच्च सटीकता बनाए रखनी होगी। इसका स्वरूप केवल क्वालिफाइंग है।
- **यहां से प्रवेश-पत्र डाउनलोड करें** ssc.gov.in/login

## एसएससी सीजीएल टियर-II परीक्षा

- **परीक्षा की तिथि :** 19 जनवरी, 2026
- इस परीक्षा के पेपर-I में गणितीय क्षमता, तर्क एवं सामान्य बुद्धिमत्ता, अंग्रेजी भाषा, सामान्य जागरूकता और कंप्यूटर ज्ञान से प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। वहीं, पेपर-II में आंकड़ों से संबंधित कुल 200 अंकों के 100 प्रश्न होंगे।
- **यहां से प्रवेश-पत्र डाउनलोड करें** ssc.gov.in/login

## खुद को परखें

1. हाल ही में खबरों में छाई जांस्कर नदी किस प्रमुख नदी प्रणाली की सहायक नदी है?
   (a) गंगा (b) सिंधु
   (c) ब्रह्मपुत्र (d) नर्मदा
2. फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
   (a) हिमाचल प्रदेश
   (b) उत्तराखंड
   (c) केरल
   (d) सिक्किम
3. बोडा त्योहार हिमाचल प्रदेश की किस जनजाति द्वारा मनाया जाता है?
   (a) हट्टी जनजाति
   (b) किन्नौर जनजाति
   (c) गद्दी जनजाति
   (d) स्वांगला जनजाति

उत्तर : 1.b, 2.b, 3.a

सामान्य ज्ञान

## हंटिंगटन डिजीज

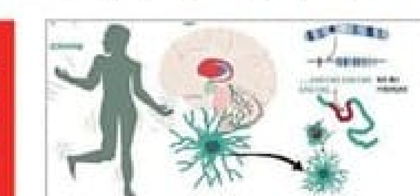

**■ क्या है**
यह एक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी है, जिसमें मस्तिष्क की कुछ तंत्रिका कोशिकाएं धीरे-धीरे नष्ट होने लगती हैं।

**■ चर्चा में क्यों**
हंटिंगटन रोग (एचडी) को लंबे समय तक लाइलाज माना जाता था, लेकिन नए शोध से इसके इलाज की अब नई उम्मीद नजर आने लगी है।

**■ यह किस कारण होता है?**
यह रोग जीन की खराबी से होता है, जिसमें मस्तिष्क के वे हिस्से प्रभावित होते हैं जो गतिविधि, सोच और याददाश्त को नियंत्रित करते हैं। इसमें हंटिंगटिन प्रोटीन ठीक से काम नहीं करता और तंत्रिका कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है।

**■ कितना आम रोग है?**
यह एक दुर्लभ रोग है, जो दो प्रकार का होता है, पहला 30 साल के बाद और दूसरा 20 साल से पहले शुरू होता है। इसके आम लक्षणों में अनियंत्रित हरकतें और सोच-व्यवहार में बदलाव आते हैं। अभी इसका इलाज नहीं है, लेकिन दवाओं से इसके लक्षणों में कुछ राहत मिल सकती है।

## पहचान

**शख्स : रेजा पहलवी**

■ **चर्चा :** ईरान के निर्वासित आखिरी शासक शाह मोहम्मद रेजा पहलवी के बेटे।
**क्यों :** लंबे समय से खुद को ईरान के भविष्य के नेता के तौर पर पेश करते आ रहे हैं।

# ईरान के रेजा

**प्रशिक्षित पायलट हैं, रुमी के प्रशंसक हैं, ईरान के इतिहास, संस्कृति और दर्शन पर तीन किताबें लिख चुके हैं, अहिंसा के पैरोकार हैं और ईरानी राजशाही की पुरुष-प्रधान परंपरा को तोड़ते हुए अपनी बेटियों को उत्तराधिकारी घोषित कर चुके रेजा पहलवी के लिए क्या ईरान की राजनीति में कोई नया अध्याय अभी लिखा जाना बाकी है?**

ईरान में एक दौर वह भी था, जब सत्ता महलों की ऊंची दीवारों के पीछे सांस लेती थी और सम्राट ही पूरे मुल्क की तकदीर का फैसला करता था। शाह मोहम्मद रेजा पहलवी भी उस वक्त दुनिया के सबसे रसूखदार शासकों में शुमार थे, जो ईरान पर शासन कर रहे थे। मगर उनके जीवन में एक खालीपन भी था। उन्हें अपनी विरासत सौंपने के लिए एक बेटे की दरकार थी। उन्होंने तीन शादियां कीं, पर बदकिस्मती से शुरुआती दोनों बीवियां उन्हें वारिस न दे सकीं। वक्त अपनी रफ्तार से बढ़ता रहा और फिर आई 31 अक्तूबर, 1960 की मध्य रात्रि। शाह मोहम्मद की तीसरी बीवी फराह दीबा ने तेहरान के एक अस्पताल में बेटे को जन्म दिया। नाम रखा गया रेजा पहलवी। उस दिन पूरे ईरान में जश्न का सैलाब उमड़ पड़ा। अस्पताल से लेकर शाही महल तक लोग झूम रहे थे, क्योंकि देश को उसका 'युवराज' और शाह मोहम्मद को उनका वारिस मिल चुका था। हालांकि, उनके जन्म के सत्रह वर्षों बाद ही इस्लामी क्रांति ने ईरानी सत्ता की तस्वीर बदल दी। सड़कों पर क्रांति की ऐसी आग भड़की कि शाही खानदान को रातों-रात अपना देश छोड़ना पड़ा। रेजा ने दूर टेक्सास में बैठकर देखा कि कैसे उनके पिता का विशाल साम्राज्य ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। वह फिर कभी अपने देश नहीं आ सके। लेकिन करीब चार दशकों बाद ईरान के भीतर उठ रहे विरोध के सुरों के बीच उनका नाम एक बार फिर सुर्खियों में है।

### संगीत, फुटबाल और लेखन में रुचि

रेजा पहलवी पढ़ने-लिखने और फुटबाल व टेनिस खेलने के शौकीन हैं। स्कूली शिक्षा के दौरान वह स्कूल की फुटबाल टीम के कप्तान भी थे। वह कारों, फोटोग्राफी और शास्त्रीय संगीत में भी काफी दिलचस्पी रखते हैं। इसके अलावा, रेजा ईरानी, मध्य पूर्वी और यूरोपीय व्यंजनों को बनाना पसंद करते हैं। उन्हें तैराकी और घुड़सवारी का भी शौक है। वह ईरानी संस्कृति, इतिहास, दर्शन और लोकतांत्रिक मूल्यों में गहरी रुचि रखते हैं। रेजा पारसी कवि रूमी के प्रबल प्रशंसक हैं और अपने भाषणों में उनकी पंक्तियां अक्सर उद्धृत करते हैं। उन्होंने तीन किताबें भी लिखी हैं-*गोजाश्तेह वा आयंदेह; विंड्स ऑफ चेंज: द फ्यूचर ऑफ डेमोक्रेसी इन ईरान तथा ईरान : लह्यूर डु चोइक्स।*

### परिवार और बचपन

रेजा अपने भाई-बहनों में सबसे बड़े हैं। उन्होंने अपने पिता को 1980 में खो दिया, और बाद में उनके दो छोटे भाई-बहनों (लैला और अली रेजा) की भी मृत्यु हो गई। वर्तमान में उनके भाई फरनाज ही जीवित हैं। पहलवी की प्रारंभिक शिक्षा तेहरान के नियावरन पैलेस में निजी शिक्षकों की देखरेख में हुई, जहां उन्हें सामान्य शिक्षा के साथ ईरानी इतिहास, संस्कृति और राजकीय शिष्टाचार सिखाया गया। 1978 में रेजा अमेरिका गए और टेक्सास के रीज एयर फोर्स बेस में यूनाइटेड स्टेट्स एयर फोर्स के तहत जेट फाइटर पायलट का प्रशिक्षण लिया। इसके बाद उन्होंने मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान की पढ़ाई शुरू की, पर पिता की गंभीर बीमारी के कारण पढ़ाई अधूरी छोड़कर परिवार के साथ काहिरा चले गए। बाद में उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया से डिस्टेंस एजुकेशन (कॉरेस्पॉन्डेंस) के माध्यम से स्नातक की डिग्री पूरी की। 1986 में, रेजा पहलवी ने यास्मीन एतेमाद-अमिनी से विवाह किया, जो पेशे से एक वकील हैं। उनकी तीन बेटियां नूर, इमान और फराह हैं।

### कई भाषाओं के जानकार

रेजा को बचपन में राजा बनने के लिए तैयार किया जा रहा था। निजी शिक्षक घर आते और उन्हें दुनिया भर की तहजीब सिखाते। पर उनकी दिलचस्पी जमीन से ज्यादा आसमान में थी। उन्हें लड़ाकू विमानों की गर्जना रोमांचित करती थी। यही वजह थी कि महज 12 साल की उम्र में ही उन्होंने अकेले विमान उड़ाकर सबको हैरत में डाल दिया था। तब हर जुबां पर यही बात थी कि यह बच्चा आसमान फतह करने और ईरान पर राज करने के लिए ही पैदा हुआ है। वह फारसी (पर्शियन), अंग्रेजी और फ्रेंच आदि भाषाओं में दक्ष हैं।

### जिमी कार्टर और रॉक म्यूजिक

*रेजा पहलवी खुद को भविष्य का शासक नहीं, बल्कि ईरानियों के बीच का ऐसा सेतु मानते हैं, जो अलग-अलग विचारधाराओं को जोड़ सके। वह अहिंसक बदलाव के पैरोकार हैं। ईरानी राजशाही की पुरुष-प्रधान परंपरा को तोड़ते हुए उन्होंने विवाह के बाद अपनी तीनों बेटियों को उत्तराधिकारी घोषित किया। उनके बारे में यह भी कहा जाता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर की ईरान यात्रा के दौरान, अपनी किशोरावस्था में उन्होंने शाही महल के भीतर बहुत तेज आवाज में रॉक म्यूजिक बजाया था।*

### युद्ध में लड़ने की अधूरी ख्वाहिश

1980 के दशक में जब ईरान-इराक युद्ध शुरू हुआ, तो रेजा पहलवी ने एक देशभक्त और प्रशिक्षित फाइटर पायलट के रूप में अपनी सेवाएं देने की पेशकश की थी। उन्होंने तत्कालीन ईरानी सरकार को पत्र लिखकर कहा था कि वह एक फाइटर पायलट के रूप में देश के लिए लड़ना चाहते हैं, लेकिन उनकी इस पेशकश को सुरक्षा और राजनीतिक कारणों से ठुकरा दिया गया था।

## आज का दिन

17 जनवरी, 1929

लोकप्रिय कार्टून किरदार पोपाय द सेलर पहली बार 'थिंबल थिएटर' नामक कॉमिक स्ट्रिप में नजर आया था। यह अपने पालक सेवन के प्रति प्रेम के लिए जाना जाता है।

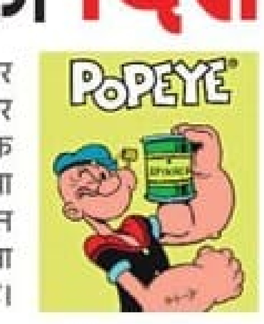


- **1734 :** ऑगस्टस तृतीय को पोलैंड का राजा घोषित किया गया था।
- **1942 :** अमेरिकी मुक्केबाज मुहम्मद अली का जन्म हुआ था।
- **1995 :** जापान के ओसाका-कोबे महानगर क्षेत्र में आए भीषण भूकंप से भारी तबाही हुई थी।
- **2008 :** अमेरिकी मूल के महान शतरंज खिलाड़ी बॉबी फिशर का निधन हुआ था।

## व्रत त्योहार

**आज :** माघ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी।
**कल :** मौनी अमावस्या, शिशिर ऋतु, सूर्य उत्तरायणे, दक्षिण गोले। **राहुकाल :** सायं 16.30 से 18.00 तक।

## कल का पंचांग

**विक्रमी** संवत 2082, 28 पौष मास शक 1947, माघ मास 05 प्रविष्टे, 28 रज्जब हिजरी 1447, माघ अमावस्या 25.21 तक उपरांत माघ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र 10.13 तक उपरांत उत्तराषाढ़ा नक्षत्र, हर्षण योग 21.10 तक उपरांत वज्र योग, चतुष्पाद करण 12.42 तक उपरांत नाग करण, चंद्रमा मकर राशि में 16.38 बजे।

■ सूर्योदय : 07.18
■ सूर्यास्त : 17.44
(भारतीय मानक समयानुसार)

amarujala.com/astrology

## राशिफल

■ पं. विनोद त्यागी

**मेष :** दिनमान अनुकूल रहेगा। पूर्वनियोजित कार्यों में सफलता मिल सकती है। अध्ययन में अरुचि रहेगी।

**वृष :** दिनमान सामान्य रहेगा। सरकारी क्षेत्र में परेशानी होगी। व्यवसाय में धन लाभ होगा। सेहत नरम रहेगी।

**मिथुन :** मानसिक प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यक्तिगत संबंध सहायक रहेंगे। नौकरी में स्थिति अनुकूल रहेगी।

**कर्क :** मनोत्साह बना रहेगा। व्यवहार कुशलता बनाए रखें। नौकरी में सम्मान बढ़ेगा। विरोधी परास्त होंगे।

**सिंह :** मानसिक तनाव बना रहेगा। नौकरी में अधिकारी अनुकूल रहेंगे। व्यवसाय में यथेष्ट लाभ हो सकता है।

**कन्या :** सकारात्मक सोच बनाए रखें। नौकरी में जिम्मेदारी बढ़ सकती है। व्यवसाय में लाभ होगा।

**तुला :** अनुकूल समाचार मिल सकता है। नौकरी में मान-सम्मान बना रहेगा। व्यवसाय में लाभ के अवसर मिलेंगे।

**वृश्चिक :** अनैतिक कार्य से बचें। स्वजनों से मतभेद पनप सकते हैं। व्यवसाय में लाभ कम हो सकता है।

**धनु :** नौकरी में वर्चस्व बना रहेगा। आर्थिक स्थिति सुखद रहेगी। जीवन साथी का सहयोग मिल सकता है।

**मकर :** अपने ही विचारों में उलझे रहेंगे। नौकरी में कार्य कुशलता बनी रहेगी। आर्थिक क्षेत्र में सावधानी बरतें।

**कुंभ :** लोकप्रियता बनी रहेगी। नौकरी में उन्नति के संकेत मिल सकते हैं। किसी इच्छा की पूर्ति हो सकती है।

**मीन :** राजनीतिक क्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा। सरकारी क्षेत्र से अर्थ प्राप्ति हो सकती है। व्यवसाय में लाभ होगा।

## जन्मदिन

**जावेद अख्तर, गीतकार**

इस वर्ष मानसिक रूप से अशांत रहेंगे। समाज में आपके प्रति भ्रामक धारणा बन सकती है। बनते कार्यों में निराशा होगी। वर्ष मध्य तक समय आपके प्रतिकूल रहेगा, तदोपरांत समय अनुकूल रहेगा। न्याय क्षेत्र में विजय मिलेगी। विरोधी शांत रहेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। परिवार में सौहार्द बढ़ेगा।

## सुडोकू

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 | | | 6 | | | | 4 |
| | 5 | | 7 | | 3 | 1 | | |
| 6 | | | | 1 | 2 | | 5 | |
| | 8 | | 6 | | | | | 9 |
| | | | | | | | | |
| 2 | | | | | 1 | | 8 | |
| | 3 | | 2 | 4 | | | | 1 |
| | | 9 | 1 | | 8 | | 6 | |
| 8 | | | | 3 | | | 7 | |

सुडोकू 81 वर्गों का ग्रिड है, जो 9 वर्गों के ब्लॉक में बंटा हुआ होता है। कुछ वर्गों के अंक लिखे हैं और खाली वर्गों में 1 से लेकर 9 तक के अंक लिखने होते हैं। कोई नंबर 1 पंक्ति, कॉलम या 9 वर्ग वाले छोटे ब्लॉक में दोबारा नहीं आ सकता है।

उत्तर

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 1 | 2 | 8 | 6 | 5 | 7 | 3 | 4 |
| 4 | 5 | 8 | 7 | 9 | 3 | 1 | 2 | 6 |
| 6 | 7 | 3 | 4 | 1 | 2 | 9 | 5 | 8 |
| 3 | 8 | 7 | 6 | 2 | 4 | 5 | 1 | 9 |
| 1 | 6 | 5 | 3 | 8 | 9 | 2 | 4 | 7 |
| 2 | 9 | 4 | 5 | 7 | 1 | 6 | 8 | 3 |
| 5 | 3 | 6 | 2 | 4 | 7 | 8 | 9 | 1 |
| 7 | 4 | 9 | 1 | 5 | 8 | 3 | 6 | 2 |
| 8 | 2 | 1 | 9 | 3 | 6 | 4 | 7 | 5 |

## डेली हेल्थ कैप्सूल

### नींद, तनाव और पाचन को सुधारता है तगर

*तगर को आयुर्वेद में नींद लाने, तनाव कम करने, पाचन सुधारने और दर्द से राहत देने के लिए उपयोग किया जाता है।*

**तगर** (सुगंधबाला) खास औषधीय गुणों वाला पौधा है, जिसकी जड़ों के चूर्ण का सेवन करने से कई स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज संभव है। इसमें कॉपर, जिंक, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, कैल्शियम और आयरन होता है। नियमित रूप से तगर के चूर्ण का सेवन करने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। इस चूर्ण में मौजूद निद्राकारक

गुण अनिद्रा को दूर करने में मदद करते हैं। इसमें ऐंठन-रोधी गुण होते हैं, जो मांसपेशियों की ऐंठन को कम करते हैं। तगर पाउडर का सेवन करने से मूत्र विकार में आराम मिलता है। इसकी लकड़ी में ऐसे यौगिक होते हैं, जो शरीर में एंटी-डायबिटिक प्रॉपर्टीज के रूप में काम करते हैं, जिससे डायबिटीज नियंत्रित रहता है। आप आयुर्वेदाचार्य की सलाह से इसका सेवन कर सकते हैं। तगर का चूर्ण एंटीबायोटिक की तरह काम करता है। इसका सेवन करने से बुखार और घाव को भरने में मदद मिलती है। यह चूर्ण दर्द निवारक होता है। तगर में मौजूद कुछ तत्व एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज की तरह काम करते हैं, जिससे जोड़ों के अंदर होने वाली सूजन और लालिमा को कम करने में मदद मिल सकती है।

**क्या कहते हैं विशेषज्ञ**

तगर का अधिक सेवन करने से पेट की समस्याएं हो सकती हैं। गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी के रोगियों को इससे नुकसान हो सकता है। इसलिए आयुर्वेद चिकित्सक की सलाह अनुसार ही सेवन करें। -डॉ. राजीव पुंडीर
वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक

हिन्दुस्तान 1936 सत्य • सार्थक • सदैव

# महाराष्ट्र के सबक

महाराष्ट्र में हुए शहरी निकाय चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत खास मायने रखती है। यह माना जा रहा था कि सीटें जीतने में भाजपा गठबंधन आगे रहेगा, पर उसे इस तरह की बड़ी जीत हासिल होगी, इसका अनुमान चुनावी पंडितों को भी नहीं था। महाराष्ट्र के 29 निकायों के लिए हुए चुनाव में से ज्यादातर में भाजपा के नेतृत्व में हासिल जीत से विपक्षी दलों को नुकसान होता दिख रहा है। विपक्षी दलों ने अपनी जरूरत देखकर अलग-अलग तरह से तालमेल बिठाने की कोशिश की थी। ऐसे बेमेल गठबंधनों से कहीं-कहीं तो जीत हासिल हो सकती है, पर बड़ी जीत हासिल करने के लिए गठबंधन में तार्किकता होनी चाहिए। लोगों को लगना चाहिए कि राजनीतिक दल जो गठजोड़ बना रहे हैं, वह उनके हित में है। आम तौर पर देखा गया है कि चुनाव से ठीक पहले किया गया गठबंधन अक्सर उल्टा पड़ जाता है। पवार परिवार के बीच अचानक हुआ तालमेल हो या ठाकरे परिवार के बीच लाभ देखकर बना समन्वय, दोनों की प्रशंसा नहीं की जा सकती। ऐसे संबंधों में अगर स्वाभाविकता होती या ऐसे संबंधों को बनाने के प्रयास चुनावी नहीं होते, तो लोग जरूर स्वीकार कर लेते।

महाराष्ट्र के निकाय चुनाव परिणाम सबक की तरह हैं। यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि अगर पूरा विपक्ष मिलकर मजबूती से लड़ता, तो सत्तारूढ़ गठबंधन को तगड़ी चुनौती दे सकता था। अपने देश में राज्य कोई भी हो, केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को कहीं भी हराने के लिए विपक्ष को मजबूत गठबंधन की जरूरत है। यहां तक कि तमिलनाडु में भी भाजपा गठबंधन को हराना तभी मुमकिन होता है, जब वहां उसके खिलाफ मजबूत गठबंधन खड़ा होता है। दूसरी बात यह भी है कि भाजपा आम तौर पर अन्य दलों से गठबंधन या तालमेल बिठाने में ज्यादा कुशल साबित होती है। दूसरी ओर, विपक्षी दलों के बीच जैसी एकता लोकसभा चुनाव के समय दिखी थी, वैसी बिहार में नहीं दिखी या न ही महाराष्ट्र में नहीं दिखी, तो परिणाम सामने हैं। भाजपा ज्यादा मजबूत होकर सामने आ गई है। अगर महाराष्ट्र में दावा किया जा रहा है कि स्थानीय निकायों में अगले पच्चीस साल अब भाजपा के हैं, तो गलत नहीं है। बेशक, भाजपा के गठबंधन महायुति में भी परस्पर अविश्वास रहा है, पर महायुति अपने मतभेदों को यथासमय दूर करते हुए खुद को बचाए रखता है। दूसरी ओर, विपक्षी दल अपने मतभेदों को दूर करने पर यथोचित ध्यान नहीं देते।

**महाराष्ट्र में भाजपा अन्य दलों की तुलना में चुनावी तालमेल बिठाने में ज्यादा कुशल साबित हुई है, जबकि विपक्षी दल मिलकर उसे टक्कर नहीं दे पाए हैं।**

उद्धव ठाकरे की शिवसेना के रणनीतिकारों को ध्यान रखना चाहिए कि शिवसेना ने अगर महाराष्ट्र के बड़े शहरों में राज किया था, तो उसमें भाजपा की भी बड़ी भूमिका थी। स्वाभाविक गठबंधन तो भाजपा और शिवसेना का था, पर शिवसेना न केवल भाजपा से अलग हो गई, बल्कि दो टुकड़ों में बंट गई। शिवसेना के पास अब न पहले वाला नेतृत्व है और न नीतियां। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का भी यही हाल है। कांग्रेस ने इस बार महाराष्ट्र में बहुत हद तक अलग रहकर चुनाव लड़ने का साहस दिखाया, पर साबित हो गया कि राज्य में उसके पास न्यूनतम सियासी जमीन बची है। अंततः महाराष्ट्र पर भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की पकड़ मजबूत हुई है और उसने साबित किया है कि नेता, नीति और प्रबंधन के दम पर चुनाव जीतना आसान है। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि भाजपा को हराया नहीं जा सकता। महाराष्ट्र में ही जहां विपक्षी दल मजबूती से लड़े हैं, वहां उन्हें जीत मिली है। राजनीति तभी संवरती है, जब राजनीतिक दल एक-दूसरे के अनुभवों से सीखकर आगे बढ़ते हैं।

## हिन्दुस्तान Hindustan | 75 साल पहले 17 जनवरी, 1951

### खाद्य-संकट

हमारे देश में अन्न की उपज उतनी नहीं है, जितनी कि हमें आवश्यकता है, यह बात अब निर्विवाद हो गई है। उपज बढ़ाने के प्रयत्न हमारे यहाँ पिछले कई वर्षों से हो रहे हैं, परन्तु उनमें यदि कोई सफलता होती भी है तो नए कारण ऐसे उत्पन्न हो जाते हैं, जिससे सफलता नगण्य हो जाती है तथा संकट पूर्वापेक्षा बढ़ जाता है। पिछले वर्ष प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, सूखा या भूकम्प के कारण 60 लाख टन अन्न का नुकसान हमें हुआ। इसका नतीजा हुआ कि गत वर्ष जहाँ वर्षारम्भ में हमारे पास 16 लाख टन अन्न उपलब्ध था, इस वर्ष केवल 7 लाख टन उपलब्ध है। विदेशों से आयात की स्थिति भी जैसी चाहिए, वैसी नहीं है।

यों इस वर्ष 30 लाख 70 हजार टन अन्न विदेशों से मंगाने का प्रबन्ध कर लिया गया है और 20 लाख टन रियायती दामों पर अमरीका से मिल जाने की बातचीत चल रही है, यह भी सच है कि जनवरी महीने में 3,18,000 टन अन्न आने की आशा है, जो तादाद पिछले दो-तीन महीनों से आ रहे मासिक आयात से अधिक है, तथापि तात्कालिक स्थिति और आयात की अनिश्चितता के कारण खाद्य के संबंध में एक तरह से संकट ही हमारे यहां उपस्थित है। सरकार विदेशों से अधिकाधिक अन्न प्राप्त करने और उसे लाने के लिए प्रयत्नशील है, किन्तु दो बाधाएं हैं। एक तो हमारी जरूरत के कारण अथवा नये विश्व-युद्ध की संभावना से संग्रह वृत्ति बढ़ जाने के कारण विदेशों ने अन्न के दाम बढ़ा दिये हैं, दूसरे जहाजी स्थिति ऐसी हो रही है कि खरीदे हुए नाव को वक्त पर तथा समुचित परिमाण में लाने के लिए जहाजों का प्रबन्ध करना कठिन हो रहा है। इसका यह दोहरा दुष्परिणाम स्वाभाविक है कि अन्न कम आये और जो आये वह महंगा पड़े।

इधर हमारी सरकार की आर्थिक स्थिति जैसी संगीन होती जा रही है, उसके कारण उसे अपनी तरफ से रुपया लगाकर लोगों पर उस महंगाई का असर न होने देना भी संभव नहीं रहा है, फलतः लोगों को- खासकर राशन से पानेवालों को अन्न महंगा और कम मिले तो आश्चर्य नहीं करना चाहिए। अपने देश में उपज बढ़ाने की पूरी कोशिश तो की ही जानी चाहिए, किन्तु तात्कालिक उपाय तो ऐसी दशा में यही हो सकता है कि जो संकट उपस्थित हुआ है उसे सब मिलजुलकर बर्दाश्त करें।

**बीएमसी, यानी बृहन्मुंबई महानगरपालिका में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढह गया है। मुंबई ही नहीं, महाराष्ट्र भर में शहरी निकाय के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन का दबदबा कायम हुआ है। आखिर उसकी इस बड़ी जीत और विपक्ष की शिकस्त की मूल वजहें क्या हैं? महाराष्ट्र के इस चुनाव परिणाम से क्या देश के अन्य हिस्सों की गठबंधन राजनीति पर कोई असर पड़ेगा?**

## आमने-सामने

# शासन के लिए भाजपा बनी स्वाभाविक पार्टी

यहां स्कैन करें

राकेश सिन्हा | पूर्व भाजपा सांसद

- महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों में भाजपा गठबंधन की जीत के स्थानीय कारण भी हैं और राष्ट्रीय भी।
- विपक्षी दल जातीय और सांप्रदायिक चेतना के आधार पर देश का राजनीतिक समीकरण बदलना चाहते हैं।

महाराष्ट्र निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत न अप्रत्याशित है, न आश्चर्यजनक। यहां के राजनीतिक समीकरण और जन-समर्थन, दोनों भाजपा के पक्ष में थे। पूरे देश में भाजपा की जीत की जो श्रृंखला चल रही है, यह उसी की अगली कड़ी है। विपक्ष न सिर्फ इसे रोक पाने में विफल साबित हो रहा है, बल्कि इसके लिए विफल बेमेल गठबंधन तक कर रहा है।

महाराष्ट्र निकाय चुनावों में भाजपा गठबंधन की जीत के स्थानीय कारण भी हैं और राष्ट्रीय भी। पहले स्थानीय कारणों की चर्चा। पहला, बाल ठाकरे की शिवसेना में लोगों के आकर्षण का केंद्र था-, मुस्लिम तुष्टिकरण का विरोध। उद्धव ठाकरे ने इसे पूरी तरह से बदल दिया है। दूसरा, देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ठोस एजेंडे के साथ इस आर्थिक राजधानी को आगे बढ़ा रही है, जबकि यह राज्य विगत वर्षों में कांग्रेस-शिवसेना के शासनकाल के दौरान भ्रष्टाचार व नीतिगत अपंगता के चक्रव्यूह में फंसा हुआ था। इतना ही नहीं, स्वयं फडणवीस की अपनी राजनीतिक दृष्टि है, जिसका प्रभाव सामान्य मुंबइकर पर पड़ा है। इसके उलट, विपक्ष के पास न कोई ठोस एजेंडा था और न पारदर्शी नेतृत्व।

वास्तव में, महाराष्ट्र ही नहीं, पूरे देश में भाजपा का जनाधार उत्थान पर है। आलोचक भाजपा को दक्षिण से दूर बताते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। पिछले महीने केरल के तिरुवनंतपुरम में भाजपा का मेयर चुना गया है। शहरी निकाय में भाजपा की बढ़त ने स्वयं वहां के वामपंथी दलों को आत्मचिंतन के लिए बाध्य कर दिया है। उधर, तमिलनाडु में द्रमुक को पहली बार महसूस हो रहा है कि उसे दशकों बाद किसी राष्ट्रीय दल से चुनौती मिल रही है।

भाजपा की जीत के तीन मुख्य राष्ट्रीय कारण हैं। पहला, लंबे समय से कांग्रेस और उसके सहयोगियों के शासनकाल में आर्थिक विकास की जो संरचना थी, उसने भारत को स्थायी रूप से तीसरी दुनिया का देश बनाकर रखा था। साल 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आर्थिक विकास को नई दृष्टि दी। उन्होंने न सिर्फ स्वावलबंन को आगे बढ़ाया, बल्कि आक्रामक आर्थिक विकास सुनिश्चित की। नतीजतन, आज हमारा देश दुनिया की शीर्ष चार आर्थिक ताकतों में एक है। इस विकास का अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर जो प्रभाव पड़ा, वह तो स्पष्ट है, पर इसका दूसरा पक्ष भी है। दरअसल, प्रधानमंत्री ने न्याय के साथ विकास की अवधारणा को जमीन पर उतारा, इसलिए आर्थिक विकास का लाभ मुट्ठी भर लोगों तक सिमटा नहीं है। सर्व-समावेशी नीति के आधार पर प्रधानमंत्री ने इस विकास के लाभ को किसानों, श्रमिकों, महिलाओं व ग्रामीण भारत के लोगों तक पहुंचाने का काम किया है। इससे देश की बहुसंख्यक जनता, जो राज्य की ओर दया-भाव से अपनी मांगें रखा करती थी, अब अधिकार-आधारित हिस्सेदारी पाने लगी है।

भाजपा की जीत का दूसरा राष्ट्रीय कारण अब तक की सरकारों के सामाजिक-सांस्कृतिक दर्शन से जुड़ा है, जो मुख्यतः यूरोप केंद्रित था। भारत की अपनी पहचान के प्रति न सत्ता के सिद्धांतकारों की रुचि थी और न ही इसके लिए वैकल्पिक विचारधारा को वे प्रोत्साहित करते थे। लंबे समय से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा ने इस वैकल्पिक सामाजिक-सांस्कृतिक दर्शन को उभारने का काम किया है। चाहे वह राम जन्मभूमि का आंदोलन हो, काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हो या फिर सोमनाथ मंदिर का उत्सव- सभी पक्षों को भाजपा ने सभ्यताई-सांस्कृतिक आईने में देखने का काम किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता संभालने के बाद सभ्यताई-सांस्कृतिक प्रश्नों पर राज्य की उदासीनता को तोड़ दिया। इसने जनमानस को भाजपा के साथ अभिन्न रूप से जोड़ दिया है।

तीसरा बड़ा कारण नेतृत्व की भूमिका है। दुनिया की राजनीति में सशक्त नेतृत्व और शक्तिशाली देश, इन दोनों का हमेशा निर्णायक हस्तक्षेप रहा है। स्वतंत्रता के बाद से भारत इस प्रयास में लगातार विफल रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने उन मिथकों को तोड़ दिया कि कोई विकासशील देश अंतरराष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका नहीं निभा सकता। देश के आर्थिक व सामरिक सशक्तीकरण ने दुनिया में भारत की एक अलग पहचान दी है। प्रधानमंत्री के प्रयास ने भारतीयों में नया आत्मविश्वास पैदा करने का काम किया है।

यह सही है कि लोकतंत्र में विपक्ष की अहम भूमिका होती है। विपक्ष और सत्ता पक्ष, दोनो समानांतर रेखाओं की तरह लोकंतत्र को समृद्ध करते हैं, लेकिन भारतीय राजनीति की विडंबना है कि परंपरागत विपक्ष, जिसका नेतृत्व कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय पार्टियां कर रही हैं, बदली हुई परिस्थितियों का मूल्यांकन करने में या तो असमर्थ है या उसमें करने की इच्छाशक्ति नहीं है। दो प्रमुख कमजोरियों के कारण विपक्षी दल भाजपा के सामने न्यूनतम प्रतिकार करने की क्षमता भी नहीं रख पा रहे हैं- पहला, पंथनिरपेक्षता के प्रश्न पर उनकी सोच वही है, जो औपनिवेशिक काल में साम्राज्यवादियों की हुआ करती थी। अल्पसंख्यकों के तुष्टिकरण और उनके वोट-बैंक पर उनकी अत्यधिक निर्भरता ने उनको आम हिंदू मतदाताओं से दूर कर दिया है। दूसरा, विपक्ष की अपील उसके अपने कारणों से दिनोंदिन सिमटती जा रही है। विपक्षी दल बार-बार जातीय और सांप्रदायिक चेतना के आधार पर देश का राजनीतिक समीकरण बदलना चाहते हैं। बदली हुई परिस्थितियों में जब आर्थिक चेतना और आर्थिक उत्थान सामान्य लोगों के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न बना हुआ है, तब जाति और संप्रदाय की भूमिका पानी के बुलबुले की तरह ही राजनीति में काम करती है।

असल में, परिवर्तन के इस दौर में राष्ट्रीय राजनीति भारत के लोकतंत्र को भी परिभाषित कर रही है। धीरे-धीरे ही सही, संकीर्णताओं की दीवारों को तोड़कर राम और रोटी आधारित सामाजिक-आर्थिक दर्शन के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ता जा रहा है। इसीलिए, हम कह सकते हैं कि भारतीय शासन के लिए भाजपा एक स्वाभाविक पार्टी के रूप मे स्थापित हो चुकी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

# चुनावी गठजोड़ तो हर हाल में बनते ही रहेंगे

यहां स्कैन करें

संजय कुमार | चुनाव विश्लेषक

- जो गठजोड़ चुनाव में सफल होता है, वह बना रहता है, जबकि हारने वाले में टूट की आशंका अधिक होती है।
- विचारधारा को नजरअंदाज करने के कारण चुनाव के पहले ऐसे गठबंधन बनते हैं, जो बाद में टिक नहीं पाते।

महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव नतीजों ने एक जटिल राजनीतिक परिदृश्य को जन्म दिया है। यहां हर कोई एक-दूसरे का सहयोगी था और विरोधी भी। बेशक, इन चुनावों में भाजपा-शिंदे सेना महायुति को बड़े पैमाने पर जीत मिली है, लेकिन शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) का चुनाव में मिलकर उतरना उल्लेखनीय था, जबकि ये दोनों दल दशकों से एक-दूसरे के कट्टर विरोधी रहे हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस ने भी, जो कभी महाविकास अघाड़ी में सहयोगी के रूप में उद्धव ठाकरे की शिवसेना की साझेदार थी, अलग रास्ता चुना और वंचित बहुजन अघाड़ी का हाथ थामने का फैसला किया। कुछ जगह पर तो उसके स्थानीय नेताओं ने भाजपा से भी समझौता कर लिया। अब जबकि नतीजों का एलान हो चुका है और ठाकरे बंधुओं को बड़ी हार मिली है, तो सवाल यह उठ रहा है कि इस तरह के चुनावी समीकरणों का क्या भविष्य है?

यह सही है कि चुनाव से पहले कई दल साथ आते हैं, लेकिन हर गठबंधन मतदान के बाद टूट जाए, ऐसा भी नहीं है। इतिहास बताता है कि जो गठजोड़ चुनाव में सफल होता है, वह बरकरार रहता है, जबकि जिसे हार नसीब होती है, उसमें टूट की आशंका अधिक होती है। ऐसा कई राज्यों में देखने को मिला है। इस लिहाज से देखें, तो ठाकरे बंधुओं की जोड़ी पर खतरा दिख रहा है। हालांकि, इन चुनावों में उद्धव ठाकरे का प्रदर्शन बेहतर रहा है, जबकि राज ठाकरे का कुछ कम। ऐसे में, हार का दोषारोपण ही उनमें अनबन पैदा कर सकता है।

क्या सिर्फ इसी वजह से गठबंधन बिगड़ते हैं? नहीं। यदि गठबंधन का आधार विचारधारा नहीं है, यानी वैचारिक आधार पर उसका गठन नहीं हुआ है, तो वह टूट सकता है। जब दो या दो से अधिक समान विचारधारा की पार्टियां एक साथ आती हैं, तो वह संबंध ज्यादा टिकाऊ होता है, क्योंकि हार-जीत के बावजूद वे वैचारिक रूप से जुड़ी रहती हैं। महाराष्ट्र में ऐसा नहीं दिखता। वहां विचारधारा को किनारे कर दिया गया। क्या बीस साल पहले किसी ने सोचा था कि शिवसेना और कांग्रेस का गठबंधन होगा? बालासाहेब ठाकरे ने तो हमेशा कांग्रेस-विरोध की राजनीति की थी, पर उद्धव ठाकरे ने उससे हाथ मिलाया। यह एक बेमेल साथ है, जिसमें विचारधारा की कोई भूमिका नहीं। इस साझेदारी की वजह सिर्फ एक है- आप प्रतिद्वंद्वी दल को हराने के लिए एक साथ आए हैं।

हालांकि, यह कोई नई परंपरा नहीं। भारतीय लोकतंत्र में हमने देखा है कि कुछ दल एक साथ आते हैं, ताकि प्रतिद्वंद्वी पार्टी को चुनाव में मात दी जा सके। इसमें चूंकि विचारधारा को नजरंदाज किया जाता है, इसलिए चुनाव के पहले ऐसे गठबंधन बनते तो हैं, पर चुनाव के बाद टिक नहीं पाते।

गठबंधन वह भी टिकाऊ होता है, जिसमें एक बड़ी पार्टी हो और शेष छोटे दल। इसमें राजनीतिक समीकरण बनाना आसान होता है। मगर जब किसी गठबंधन में दो बड़ी पार्टियां हों, तो सहमति बनाना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में, सीटों का बंटवारा ही नहीं, जीतने की सूरत में सरकार चलाना भी कठिन होता है।

गठबंधन की एक तस्वीर राष्ट्रीय राजनीति में भी दिखती है। इसमें कई दल लोकसभा चुनावों में एक साथ मैदान में तो उतरते हैं, पर विधानसभा में वे अलग-अलग रास्ता पकड़ते हैं। कई जगह तो वे 'दोस्ताना मुकाबला' करते हैं। इसे मैं 'ओवरसाइज कोलिशन' कहता हूं। इसमें प्रत्याशी कई हो जाते हैं, गठबंधन की शर्तों के कारण कई को मैदान में उतरने का मौका नहीं मिलता। ऐसे में, पहले बातचीत करके मसले का हल निकाला जाता है, पर सहमति न बनने पर 'दोस्ताना मैच' खेला जाता है। अभी-अभी बिहार विधानसभा चुनावों में हमने ऐसा देखा है।

कभी-कभी केंद्र में साथ रहने वाले दल राज्यों में अलग-अलग इसलिए भी हो जाते हैं, क्योंकि इसमें राष्ट्रीय पार्टियों की अलग अपेक्षाएं होती हैं और क्षेत्रीय पार्टियों की अलग। इसमें कम जनाधार वाली पार्टी यह नहीं चाहती कि उसे कमतर समझा जाए। हालांकि, छोटी पार्टियों को अनदेखा करने का नुकसान बड़े दल भी उठाते हैं, जैसे मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बड़ी पार्टी थी और 'आप' व 'सपा' छोटी। वे एक साथ न आ सकीं, जिसका नतीजा कांग्रेस की हार के रूप में निकला। हरियाणा में भी यही कहानी दोहराई गई। दिल्ली चुनाव भी इसका एक उदाहरण है, जहां आप जीत के मुगालते में रही और अन्य पार्टियों को महत्व नहीं दिया। बिहार में भी मुकेश सहनी की पार्टी से विपक्ष का गठबंधन आसान नहीं रहा, क्योंकि जनाधार की अपेक्षा उसकी मांग बड़ी थी।

इन तमाम उदाहरणों के बावजूद यह नहीं कहा जा सकता कि भविष्य में गठबंधन की राजनीति खत्म हो जाएगी। इसका एक कारण तो यही है कि एक-दो को छोड़ दें, तो राज्यों में कोई ऐसी पार्टी नहीं है, जो अकेले भाजपा को हरा सके। इसलिए उसके लिए लाजिमी है कि जीतने के लिए वह राज्य में सक्रिय अन्य दलों से गठबंधन करे।

भाजपा की बात करें, तो उसकी खूबी यह है कि वह बड़ी पार्टी होने के बावजूद छोटे-छोटे दलों को साथ में रखना जानती है। इसकी वजह यह है कि वह एक-एक वोट की कीमत पहचानती है। केंद्र में ही नहीं, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में भी, जहां भाजपा एक बड़ी ताकत है, उसने अनुप्रिया पटेल, ओम प्रकाश राजभर आदि की पार्टियों को साथ में रखा है। तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश तक में उसने गठबंधन किया है, जबकि यहां भाजपा छोटे दल की भूमिका में है। यहां वह खुद के विस्तार के लिए दूसरी पार्टियों के साथ है। तेलगांना में हमने इसका लाभ देखा है, जहां अब वह एक बड़ी पार्टी बन गई है। यानी, जीत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भाजपा गठबंधन करती है और उसका यह मॉडल बहुत सफल रहा है।

जहां तक विपक्ष का सवाल है, उसके लिए गठबंधन करना मजबूरी है। ये दल तभी भाजपा को हराने की स्थिति में होंगे, जब वे एक साथ आएंगे। इसलिए, मुझे लगता है कि अगले कुछ दशकों तक दोनों पक्ष गठबंधन करते रहेंगे, चाहे वह मेल का हो या बेमेल का।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

## मनसा वाचा कर्मणा

### शांत मनुष्य कौन

चित्त को विभिन्न वृत्तियों अर्थात् आकारों में परिणत होने से रोकना ही योग है। याद रखें, हम सरोवर की तली को नहीं देख सकते, क्योंकि उसकी तह छोटी-छोटी लहरों से तरंगायित रहती है। उस तली की झलक मिलना तभी संभव है, जब ये सारी लहरें शांत हो जाएं और पानी स्थिर हो जाए। यदि पानी गंदला हो या सारे समय उसमें हलचल होती रहे, तो वह तली कभी दिखाई न देगी।

मानव चित्त भी सरोवर के समान है और हमारा असल स्वरूप मानो उसकी तली है; प्रवृत्तियां उसमें उठने वाली लहरें हैं। मानव मन तीन प्रकार की अवस्थाओं में रहता है। एक है तम की यानी अंधकार की अवस्था, जैसा कि हम पशुओं और अत्यंत मूर्खों में पाते हैं। ऐसे मन की प्रवृत्ति केवल औरों को क्षति पहुंचाने में होती है। मन की इस अवस्था में मनुष्य को और कोई दूसरा विचार ही नहीं सूझता।

दूसरा है, रज अर्थात मन की क्रियाशील अवस्था, जिसमें केवल प्रभुत्व और भोग की इच्छा रहती है। उस समय यही भाव रहता है कि मैं शक्तिमान बनूंगा, दूसरों पर प्रभुत्व करूंगा। तीसरा है, सत्व अर्थात मन की गंभीर और शांत अवस्था। इस अवस्था में समस्त तरंगें शांत हो जाती हैं और मानव सरोवर का जल निर्मल हो जाता है। यह कोई जड़ावस्था नहीं है, यह तो तीव्र क्रियाशील अवस्था है।

शांत होना शक्ति की महत्तम अभिव्यक्ति है। क्रियाशील होना तो सहज है। बस, लगाम ढीली कर दो, तो घोड़े स्वयं तुम्हें भगा ले जाएंगे। यह तो कोई भी कर सकता है, पर शक्तिमान पुरुष वह है, जो इन तेज घोड़ों को थाम सके। किसमें अधिक शक्ति लगती है- लगाम ढीली करने में अथवा उसे थामे रखने में?

**स्वामी विवेकानंद**

केर स्टार्मर | प्रधानमंत्री, ब्रिटेन

**अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सहमति का उल्लंघन नहीं है। औरतों की तस्वीरें पब्लिक प्रॉपर्टी नहीं हैं। उनकी सुरक्षा पर कोई बहस नहीं हो सकती। इसके लिए कानून को और मजबूत करना हो, तो हम करेंगे।**

## अनुलोम-विलोम

### इस्लामिक नाटो

# मुस्लिम देशों का गठबंधन भारत के लिए गंभीर

क्या इस्लामिक नाटो की कोई संभावना है। नाटो के अनुच्छेद-5 की तर्ज पर पाक-सऊदी अरब के आपसी रक्षा गठबंधन में शामिल होने के लिए तुर्किये बातचीत कर रहा है, जो काफी आगे बढ़ चुकी है। अगर ऐसा हुआ, तो भारत के लिए यह चिंता की बात हो सकती है।

पाकिस्तान और सऊदी अरब ने सितंबर-2025 में 'स्ट्रैटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट' पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें किसी एक देश पर हमला दूसरे पर हमला माना जाएगा। यदि तुर्किये इसमें शामिल होता है, तो यह पश्चिम एशिया और उससे आगे के शक्ति-संतुलन में बड़ा बदलाव ला सकता है। वर्तमान में तुर्किये नाटो का सदस्य है और अमेरिका के बाद इसके पास दूसरी सबसे बड़ी सेना है। वह पाकिस्तान के साथ करीबी सैन्य संबंध रखता है। कश्मीर पर पाकिस्तान का समर्थन करने के अलावा, मई-2025 में भारत के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को 350 से अधिक बायरक्तार टीबी2, ड्रोन तथा ऑपरेटर प्रदान किए थे। इनसे पाकिस्तान ने भारतीय लक्ष्यों पर हमले किए।

हाल के वर्षों में तुर्किये-पाकिस्तान रक्षा सहयोग तेजी से बढ़ा है। तुर्किये पाक नौसेना के लिए एक बेड़ा (बाबुर-क्लास फ्रिगेट्स) का निर्माण कर रहा है। दो जहाज तुर्किये में बने और दो पाकिस्तान में निर्माणाधीन हैं। इसके अलावा, तुर्किये एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज पाक वायुसेना के 42 एफ-16 लड़ाकू विमानों का 'मिडलाइफ रिफिट' कर रही है, जिससे उनकी उम्र 12,000 घंटे तक बढ़ जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नाटो की महत्ता कम करने और क्षेत्र में अमेरिका-इजरायल हितों को प्राथमिकता देने से बदली स्थिति के कारण देश नए सुरक्षा-तंत्र बना रहे हैं।

तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने जवाब नहीं दिया और सऊदी अधिकारी उपलब्ध नहीं हुए, लेकिन अगर ऐसा होता है, तो इस्लामिक नाटो तुर्किये-सऊदी संबंधों में नई शुरुआत का संकेत देगा, जहां वर्षों की प्रतिद्वंद्विता के बाद अब आर्थिक और रक्षा सहयोग बढ़ रहा है। दोनों देश ईरान के प्रभाव, सीरिया में सुन्नी सरकार और फलस्तीन की स्थापना जैसे मुद्दों पर चिंतित हैं। तुर्किये के शामिल होने से यह गठबंधन परमाणु शक्ति और इस्लाम के पवित्र स्थलों के संरक्षक सऊदी अरब का मिलन होगा। भारत के लिए यह घटनाक्रम निगरानी और चिंता का विषय हो सकता है, क्योंकि तुर्किये पहले से ही पाकिस्तान का मजबूत समर्थक रहा है। 'इस्लामिक नाटो' जैसा गठबंधन क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए नई चुनौतियां पेश कर सकता है।

**मुकेश ठाकुर**, अधिवक्ता

# इसमें राजनीतिक और वैचारिक अड़चनें

दुनिया की राजनीति इस समय एक गहरे बदलाव के दौर से गुजर रही है। शीत युद्ध के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब धीरे-धीरे ढीली पड़ती दिख रही है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं क्षेत्रीय शक्तियां अपने-अपने स्तर पर नए सुरक्षा विकल्प तलाश रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में हाल के महीनों में जिस अवधारणा ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह है कथित इस्लामिक नाटो। सवाल यह उठता है कि क्या मुस्लिम देशों में इस तरह का गठबंधन हकीकत बन पाएगा या नहीं? अब तक हुई ऐसी कोशिशों को देखें, तो इसके परिणाम बहुत उत्साहजनक नहीं रहे हैं।

इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि मुस्लिम देशों के बीच मजबूत और एकजुट सैन्य संगठन बनाना आसान नहीं है। मुस्लिम देशों ने पहले भी इस तरह की कोशिशें की हैं, लेकिन वे कागजों से आगे नहीं बढ़ पाईं। सऊदी अरब की पहल पर बना आतंकवाद विरोधी इस्लामिक सैन्य गठबंधन हो या इस्लामिक सहयोग संगठन के भीतर संयुक्त सुरक्षा बल का प्रस्ताव- ये सभी योजनाएं आपसी मतभेदों और राजनीतिक असहमति के चलते ठंडे बस्ते में चली गईं। शिया और सुन्नी विभाजन, क्षेत्रीय नेतृत्व की प्रतिस्पर्द्धा और बाहरी शक्तियों से जुड़े हित इन प्रयासों की सबसे बड़ी बाधा रहे हैं।

इस्लामिक नाटो की अवधारणा फिलहाल विचार और चर्चा के स्तर पर ही है। दोहा जैसी बैठकों में इसे सिद्धांत रूप में स्वीकार जरूर किया गया है, लेकिन कोई ठोस समय-सीमा या स्पष्ट ढांचा सामने नहीं आया है। इस्लामिक देशों के आपसी मतभेद इतने गहरे हैं कि उन्हें एक मंच पर लाना ही बड़ी चुनौती है, एक प्रभावी सैन्य संगठन बनाना तो उससे भी कठिन काम है। मिस्र, जॉर्डन और कतर जैसे देश अभी भी अमेरिका के बड़े सहयोगी हैं। इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे देशों की राजनीति और प्राथमिकताएं पश्चिम एशिया से काफी अलग हैं। फिर भी सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बढ़ती सैन्य और रणनीतिक नजदीकी को हल्के में नहीं लिया जा सकता। भारत के लिए यह एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी। चेतावनी इसलिए कि भविष्य के लिए अभी से तैयार रहना होगा। अवसर इसलिए कि सक्रिय कूटनीति, मजबूत आर्थिक संबंधों और बहुपक्षीय संवाद के जरिये इन बदलावों को संतुलित किया जा सकता है। अंततः यह कहा जा सकता है कि 'इस्लामिक नाटो' फिलहाल एक उभरती हुई परिकल्पना है, न कि एक ठोस हकीकत। इसके रास्ते में कई राजनीतिक, वैचारिक और व्यावहारिक अड़चनें हैं।

**कांतिलाल मांडोत**, टिप्पणीकार

# कार में 10 सुरक्षा कवच

**भारत में कारों की सुरक्षा आधुनिक तकनीक के आने से बढ़ चुकी है। जैसे, कभी फिसलन भरी सड़क पर कार चलाना सूझबूझ की बात थी, तो अब इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल ने इसे आसान बना दिया है। छह एयरबैग की महंगी सुविधा बजट कारों में अब आम हो गई है। ये सब शौकिया सुविधाएं भर नहीं हैं, बल्कि सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी हैं। कारों में कौन से हैं जरूरी दस सुरक्षा फीचर और सुरक्षित कारों के बारे में पढ़ें आज**

बीते साल कार बिक्री में 15 फीसदी खरीदारों ने अपनी कारों में सेफ्टी फीचर्स पर ज्यादा ध्यान दिया। वहीं, जाटो डायनेमिक्स की एक रिपोर्ट के अनुसार जेनरेशन-जी खरीदार कार सुरक्षा की आधुनिक अडास सूट जैसी तकनीकों के दीवाने हैं। उपभोक्ताओं में यह बदलाव वाहनों की बढ़ती संख्या, पहले की तुलना में वाहनों की अपेक्षाकृत अधिक गति और निजी सुरक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण कहा जा सकता है। बीते कुछ समय से इस दिशा में सरकार की ओर से भी सफल प्रयास हुए हैं। मजबूत और सुरक्षा फीचर्स वाली कार होना हर हाल में समझदारी है। हालांकि, नई कारों में सुरक्षा के लिहाज से आपको कई तरह के फीचर्स मिलेंगे। उसके अनुसार ही दाम भी होंगे। कौन से हैं सबसे जरूरी सुरक्षा फीचर्स जानिए यहां, ताकि आपकी खरीदारी हो किफायती:

## कार सुरक्षा के फीचर्स

**सक्रिय सुरक्षा फीचर्स :** सक्रिय सुरक्षा फीचर्स कार को सुरक्षित रखते हैं और दुर्घटना की संभावना कम करते हैं। ये संभावित खतरों के लिए वाहन के एक या अधिक पहलुओं की लगातार निगरानी करते हैं। सामान्य सक्रिय सुरक्षा फीचर्स में शामिल हैं - एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, लेन डिपार्चर वार्निंग सिस्टम।

**पैसिव फीचर्स :** कुछ सुरक्षा फीचर्स दुर्घटना के दौरान काम के साबित होते हैं और बचाव के लिए बहुत कारगर होते हैं। इसीलिए इन्हें पैसिव फीचर्स कहा जा सकता है। ये टक्कर के प्रभाव को कम करके यात्रियों की रक्षा करते हैं। इन सुरक्षा फीचर्स में सीटबेल्ट, एयरबैग, आइसोफिक्स माउंट जैसी सुविधा शामिल हैं।

## 10 जरूरी सुरक्षा कवच

### एयरबैग्स

जहां पुरानी कारों में कोई एयरबैग नहीं होता था, वहीं आधुनिक कारों में अब फ्रंट, साइड और कर्टेन एयरबैग्स जैसे कई एयरबैग्स आते हैं। भारत में नए सुरक्षा मानकों के बाद, कई बजट और मिड-रेंज कारों में भी इन्हें शामिल किया जाने लगा है। कुछ महंगी कारों में नी-एयरबैग्स यानी घुटनों की सुरक्षा के लिए भी एयरबैग दिए जाते हैं। कार खरीदें, तो छह एयरबैग वाले मॉडल को सुरक्षा के लिहाज से बेहतर माना जाएगा। भारत में किआ सेल्टोस, सोनेट, टाटा की नेक्सन, पंच, हुंडई और मारुति की लगभग सभी छोटी कारों में छह एअरबैग मिल रहे हैं।

### एबीएस

एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम अचानक ब्रेक लगाने पर पहियों को लॉक होने से रोकता है, जिससे आपात स्थिति में ड्राइवर का वाहन पर बेहतर नियंत्रण रहता है। यह ईबीडी यानी इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकफोर्स डिस्ट्रीब्यूशन का ही एक आधुनिक रूप है। पहले की कारों में ईबीडी केवल आगे और पीछे के पहियों के बीच ब्रेक फोर्स बांटता था।

### सीट बेल्ट

दुर्घटना की स्थिति में यह फीचर किसी अनहोनी की आशंका को 50 फीसदी तक कम कर देता है। पीछे की सीट बेल्ट को लेकर अभी भी लोगों में कम जागरूकता है। एक अध्ययन कहता है कि केवल 7 फीसदी लोग पीछे की सीट की बेल्ट का उपयोग करते हैं। खरीदारों को प्री-टेंशनर्स और लोड लिमिटर्स वाली सीटबेल्ट देखनी चाहिए। ये कार सीटबेल्ट में रेस्ट्रेंट सिस्टम का हिस्सा होते हैं। इस तकनीक में यदि कार का रडार या कैमरा यह भांप लेता है कि टक्कर होने वाली है, तो यह सीटबेल्ट को पहले ही कस लेता है। इस तरह यह यात्री को सही स्थिति में ले आता है। इसके अलावा डायनेमिक सीटबेल्ट रिमाइंडर का चलन भी कारों में बढ़ रहा है। कुछ प्रीमियम कारों में अब ऐसी सीटबेल्ट आ रही हैं, जो टक्कर के समय एक छोटे एयरबैग की तरह फूल जाती हैं।

### इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल

विशेषज्ञों का मानना है कि इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी) के कारों में अनिवार्य होने से भारत में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में 30 फीसदी से ज्यादा की कमी आ सकती है। इसे इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल प्रोग्राम के तौर पर भी जाना जाता है। यह सिस्टम जरूरत पड़ने पर हर पहिये पर अपने आप स्थिति अनुसार अलग-अलग ब्रेक लगाता है, ताकि गाड़ी फिसलने न पाए। यह फीचर तब बहुत काम आता है, जब सड़क पर पानी, कीचड़ या बर्फ हो और गाड़ी के नियंत्रण से बाहर जाने का डर हो। वर्तमान में यह बीएनकैप के तहत किसी भी कार की बेहतर सेफ्टी रेटिंग के लिए एक अनिवार्य फीचर है।

### टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम

टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) ड्राइवर को तब सचेत करता है, जब टायरों में हवा का दबाव कम या ज्यादा होता है। यह फीचर वाहन की स्थिरता और ईंधन दक्षता के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। ये टायर की लाइफ के लिए भी जरूरी होता है। यह वाहन निर्माता कंपनियों द्वारा ही लगाया जाता है। हालांकि, इसे बाद में बाजार से भी खरीदा जा सकता है। बाजार में ब्रांड के अनुसार यह 500 से लेकर 5000 तक की रेंज में आ रहे हैं।

### ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग

यह सेंसर और कैमरों का उपयोग करके ड्राइवर को उन क्षेत्रों (ब्लाइंड स्पॉट) में वाहनों के प्रति सचेत करता है, जहां ड्राइवर की सीधी नजर नहीं पहुंच पाती। कारों में आमतौर पर इसे अडास सूट में शामिल किया जा रहा है। कुछ बजट कारों में इसे 'लेन वॉच कैमरा' के नाम से भी दिया जाता है, जहां मिरर के नीचे लगा कैमरा सीधे आपकी स्क्रीन पर बगल का दृश्य दिखाता है।

### पार्किंग कैमरा और सेंसर्स

ये फीचर्स ड्राइवर को तंग जगहों पर वाहन पार्क करने में मदद करते हैं। आजकल ज्यादातर कारों में रियर कैमरा और सेंसर आते हैं, जबकि कुछ में फ्रंट कैमरा भी मिलता है। ये दोनों ही फीचर्स बाजार में रेट्रो-फिट के लिए उपलब्ध हैं, जिन्हें आप किसी भी कार में अलग से लगवा सकते हैं। भारत में इन्हें लगवाने का खर्च एक बेसिक सेंसर किट के लिए लगभग 1,000 रुपये से शुरू होता है और एक अच्छे कैमरा व स्क्रीन सिस्टम के लिए 5,000 से 15,000 रुपये तक जा सकता है।

### ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग

यह सिस्टम वाहनों और पैदल यात्रियों से होने वाली संभावित टक्कर को भांप लेता है। यदि ड्राइवर समय पर प्रतिक्रिया नहीं देता है, तो यह अपने आप ब्रेक लगा देता है। यह फीचर आपातकालीन स्थितियों में अत्यंत उपयोगी साबित होता है, जहां तुरंत कार्रवाई की जरूरत होती है।

### मजबूत ढांचा

कार के ढांचे की मजबूती भी जरूरी है। मजबूत शीट मेटल, मजबूत पिलर और 'क्रम्पल जोन' वाली बॉडी टक्कर को सहन कर लेती है और अंदर बैठे यात्री सुरक्षित रहते हैं। ग्लोबल एनकैप और भारत एनकैप के आंकड़ों के आधार पर कहें, तो टाटा नेक्सन और महिंद्रा की कारें इस संदर्भ में लोकप्रिय हैं। हाल ही में मारुति सुजुकी न्यू डिजायर को 5 सेफ्टी रेटिंग मिली है।

### आइसोफिक्स माउंट्स

ये चाइल्ड सीट को सुरक्षित रूप से लगाने के लिए मानक एंकर हैं, जो दुर्घटना की स्थिति में बच्चों को सुरक्षित रखते हैं। -रिया शर्मा

### कम कीमतों वाली 5 सुरक्षित कारें

- **मारुति सुजुकी डिजायर :** 6.26 लाख रुपये (एक्स शोरूम) की शुरुआती कीमत वाली सब-कॉम्पैक्ट सेडान को भारत एनकैप में 5-स्टार रेटिंग मिली है। इसमें छह एयरबैग, ईबीडी, हिल-होल्ड असिस्ट, आइसोफिक्स चाइल्ड-सीट माउंट और सभी सीटबेल्ट के लिए रिमाइंडर जैसे सुरक्षा फीचर्स हैं।
- **टाटा ऑल्ट्रोज़ :** 6.30 लाख (एक्स-शोरूम) रुपये की शुरुआती कीमत वाली टाटा ऑल्ट्रोज टाटा मोटर्स के 'ALFA' आर्किटेक्चर पर बनी है और छह एयरबैग, ईएससी और सभी सीटों के लिए थ्री-पॉइंट सीटबेल्ट से लैस है।
- **महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ :** 8.15 लाख की शुरुआती कीमत वाली इस कार को बीएनकैप से 5-स्टार रेटिंग मिली है। छह एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, हिल-स्टार्ट असिस्ट और उच्च वेरिएंट में 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स मिलते हैं।
- **होंडा अमेज :** न्यू जेनरेशन होंडा अमेज की कीमत 7.47 लाख रुपये से शुरू होती है। छह एयरबैग, आइसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकर, ईएससी और सीट बेल्ट रिमाइंडर जैसे मानक फीचर मिलते हैं।
- **स्कोडा कायलाक :** स्कोडा कायलाक छह एयरबैग, ट्रैक्शन कंट्रोल, हिल-होल्ड असिस्ट और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग जैसे फीचर्स से लैस है। 7.59 लाख रुपये से शुरुआत हो रही है।

(मिंट)

# स्मार्टफोन की रिपब्लिक-डे सेल शुरू

**ई-कॉमर्स के विभिन्न मंचों पर जल्दी ही रिपब्लिक-डे सेल शुरू हो रही हैं। कुछ बजट और प्रीमियम स्मार्टफोन खरीदने का यह अच्छा मौका हो सकता है।**

गैजेट

### मोटोरोला एज 60 फ्यूजन

ई-कॉमर्स मंच फ्लिपकार्ट के माध्यम से मोटोरोला ने खास गणतंत्र दिवस के मौके पर अपनी सेल डील पेश की हैं, जिनमें कई महंगे मोटोरोला स्मार्टफोन बेहद किफायती दामों पर मिल रहे हैं। जैसे, मोटोरोला एज60 फ्यूजन फ्लिपकार्ट से 19,999 रुपये में खरीदा जा सकता है। आधिकारिक कीमत 22,999 रुपये है। अगर बजट 20 हजार रुपये तक का है, तो मोटो जी 57पावर, मोटो जी96 मॉडल, मोटो जी 67 पावर और मोटो जी35 5जी मॉडल भी आसानी से खरीद सकेंगे।

### वीवो, रिअलमी और ओपो में क्या है खास

वीवो स्मार्टफोन्स पर भी कीमतों में भारी छूट देखने को मिल रही है। इसका टी4एक्स 5जी मॉडल 14,249 रुपये में उपलब्ध है। वहीं, वीवो टी4 लाइट 5जी मॉडल 9,999 रुपये, वीवो टी4 5जी मॉडल 20,499 रुपये और वीवो टी4आर 5जी मॉडल 18,999 रुपये में फ्लिपकार्ट सेल में खरीद सकते हैं। ओपो के13एक्स (8जीबी) मॉडल 15 हजार के बजट में उपलब्ध है। वहीं, रिअलमी नारजो 80 लाइट 5जी अमेजन सेल में 11,498 रुपये में मिल रहा है।

### नथिंग, रिअलमी भी सूची में

इस सेल में नथिंग और रियलमी जैसे लोकप्रिय ब्रांड के फोन भी शामिल हैं। लगभग 34 हजार का नथिंग का 3ए-प्रो फ्लिपकार्ट सेल में आपको 26,999 रुपये में मिल रहा है। वहीं इस ब्रांड का सीएमएफ फोन 2प्रो 16,499 रुपये में उपलब्ध है।

15 हजार के बजट में रिअलमी पी4एक्स 5जी और रिअलमी पी3लाइट 5जी मॉडल आसानी से आ जाएंगे। ये सभी दाम लेख लिखे जाने तक के हैं। इनमें समय के साथ कुछ बदलाव भी हो सकता है। **फीचर डेस्क**

# पुराने लैपटॉप को तेज कर देंगी ये तरकीबें

**अगर आपका पुराना लैपटॉप धीमा हो गया है, तो उसे बदले बिना भी बेहतर बनाया जा सकता है। स्टोरेज, रैम और सिस्टम सेटिंग्स से जुड़े कुछ आसान कदम इसमें मदद कर सकते हैं।**

टिप्स

**जब** लैपटॉप नया होता है, तो उसकी देखभाल और इस्तेमाल पर खास ध्यान दिया जाता है। जैसे-जैसे वह पुराना होता है, न सिर्फ उसकी तकनीकी परफॉर्मेंस घटने लगती है, बल्कि हमारी ओर से भी थोड़ी लापरवाही बढ़ जाती है। इसका असर सीधा लैपटॉप की स्पीड और काम करने के तरीके पर पड़ता है। ऐसे में छोटे-छोटे सुधार ही लैपटॉप की रफ्तार में बड़ा फर्क ला सकते हैं। हालांकि यह नए लैपटॉप जितना तेज तो नहीं हो सकेगा, लेकिन आपके सामान्य इस्तेमाल के लिए काफी बेहतर बन सकता है-

### लैपटॉप की सफाई करें

रैम या एसएसडी डालते समय लैपटॉप के अंदर की धूल साफ करें, खासकर फैन के ब्लेड से। जाम फैन से लैपटॉप गरम होकर धीमा चलने लगता है।

### गैर-जरूरी प्रोग्राम हटाएं

समय के साथ कई ऐसे सॉफ्टवेयर और एप्स इंस्टॉल हो जाते हैं, जो अब इस्तेमाल नहीं होते। ये प्रोग्राम स्टोरेज घेरते हैं और कई बार बैकग्राउंड में चलते रहते हैं। इससे सिस्टम धीमा हो जाता है। इन्हें जरूर अनइंस्टॉल करते रहें, ताकि लैपटॉप तेज चले और स्टोरेज भी खाली रहे।

### हार्ड ड्राइव बदलें

पुराना हार्ड डिस्क ड्राइव है, तो उसे सॉलिड स्टेट ड्राइव से बदलने पर सिस्टम तेज काम करता है और फाइल्स जल्दी एक्सेस होती हैं।

### रैम अपग्रेड करें

यदि आपका लैपटॉप धीमा चल रहा है या कई एप्स खोलते समय हैंग होता है, तो रैम बढ़ाना असरदार तरीका है। इससे एप्स तेज खुलते हैं और फाइल कॉपी करने की स्पीड बढ़ती है। सीपीयू-जेड जैसे फ्री टूल से पता कर सकते हैं कि आपके लैपटॉप में कितनी रैम लगी है, उसका टाइप और स्पीड क्या है और क्या कोई खाली स्लॉट (रैम लगाने की जगह) है। अगर खाली स्लॉट है, तो उसमें नई रैम स्टिक डाल सकते हैं। स्लॉट भरे हुए हैं, तो पुराने रैम स्टिक को निकालकर उसी तरह की फिट रैम स्टिक डालें।

### हल्का और तेज ऑपरेटिंग सिस्टम अपनाएं

विंडोज धीमा लग रहा है, तो क्रोम ओएस फ्लेक्स जैसे हल्के ऑपरेटिंग सिस्टम का उपयोग करें। यह बेसिक वेब ब्राउजिंग, डॉक्यूमेंट्स व स्ट्रीमिंग के लिए उपयुक्त है। क्रोम ओएस फ्लेक्स को 4जी रैम और कम-से-कम 16जीबी फ्री स्टोरेज वाले सामान्य x86 लैपटॉप पर इंस्टॉल किया जा सकता है। इसमें एंड्रॉयड एप्स नहीं चलते और कुछ हार्डवेयर जैसे फिंगरप्रिंट रीडर काम नहीं करेंगे। इंस्टॉल से पहले डाटा बैकअप करना जरूरी है।

### बैटरी कमजोर हो तो

अगर लैपटॉप की बैटरी जल्दी खत्म होने लगी है और वह पीछे से निकलती है, तो इसे आसानी से ऑनलाइन या लोकल मार्केट से बदला जा सकता है। की-बोर्ड के नीचे वाली बैटरी के लिए पैनल खोलना पड़ सकता है। सर्विस सेंटर से बदलवाना सुरक्षित है। ऐसी बैटरियां भी ऑनलाइन मिल जाती हैं, खासकर लोकप्रिय मॉडल्स के लिए।

### ऑपरेटिंग सिस्टम फिर से इंस्टॉल करें

लैपटॉप बहुत धीरे चल रहा है, तो पहले जरूरी फाइलों का बैकअप लें और फिर विंडोज या मौजूदा ऑपरेटिंग सिस्टम दोबारा इंस्टॉल करें। नया इंस्टॉलेशन जंक फाइल्स और अनचाहे साफ्टवेयर हटाकर सिस्टम की स्पीड और परफॉर्मेंस को बेहतर करता है। इंस्टॉल पूरा होने के बाद केवल हल्के एप्स या वेब वाले प्रोग्राम्स ही इस्तेमाल करें, ताकि लैपटॉप फिर से धीमा न हो। **अमन सिंह**

# रोजनामचा

**पं. राघवेन्द्र शर्मा**
ज्योतिषाचार्य

**स्कैन करें**
भविष्यफल और व्रत-त्योहार जानने के लिए

**मेष :** आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी हेतु साक्षात्कार आदि कार्यों में सफल रहेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

**वृष :** आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

**मिथुन :** आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा।

**कर्क :** मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाए रखें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। मीठे खान-पान में रुचि बढ़ेगी।

**सिंह :** मन प्रसन्न रहेगा, परंतु आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

**कन्या :** आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परंतु मन परेशान भी हो सकता है। आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाए रखने का प्रयास करें। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

**तुला :** धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। भवन सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

**वृश्चिक :** आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परंतु मन परेशान हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। नौकरी में इच्छा विरुद्ध कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

**धनु :** मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। परिवार में सुख-शांति रहेगी। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिल सकता है। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

**मकर :** आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन में उथल-पुथल हो सकता है। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। माता-पिता का साथ मिलेगा। संपत्ति से धन की प्राप्ति होगी।

**कुंभ :** मन प्रसन्न रहेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार के लिए परिवार से दूर दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

**मीन :** मन परेशान हो सकता है। आत्मसंयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में भी संतुलित रहें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

## व्रत और त्योहार | पंचांग | पं. ऋभुकांत गोस्वामी

17 जनवरी, शनिवार, **शक संवत् :** 27 पौष (सौर)1947, **पंजाब पंचांग :** 04 माघ मास प्रविष्टे 2082 **इस्लाम :** 27 रज्जब,1447, **विक्रमी संवत् :** माघ कृष्ण चतुर्दशी तिथि रात्रि 12.04 मिनट तक पश्चात अमावस तिथि, मूल नक्षत्र प्रात: 08.12 मिनट तक पश्चात पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र, व्याघात योग रात्रि 09.18 मिनट तक, विष्टि (भद्रा) करण प्रात: 11.13 मिनट तक। चंद्रमा धनु राशि में (दिन रात)।

**सूर्य दक्षिणायन।** प्रात: 09 बजे से प्रात: 10.30 मिनट तक राहुकालम्। भद्रा प्रात: 11.13 मिनट तक।

## वास्तु सलाह | आचार्य मुकुल रस्तोगी

कृपया बताएं कि पुरुष ऐसी कौन-सी गलतियां करते हैं, जिसके कारण उनके पास धन नहीं टिकता। –साक्ष्य वर्मा, गोरखपुर

- यदि पुरुष पर्स में पुराने बिल रखते हैं, तो यह धन आने के रास्ते रोकता है।
- यदि कोई पुरुष खाना खाने के बाद उसी थाली में झूठे हाथ धोता है।
- यदि कोई पुरुष झूठे हाथ अपने सर पर फेरता है।
- यदि कोई पुरुष बिना धुले कपड़े दोबारा पहनता है। यह शुभफलदायी नहीं है।
- यदि कोई पुरुष पत्नी का अपमान सबके सामने करता है।
- रात में नोट गिनना भी शुभ नहीं होता। नोट दिन में ही गिनने चाहिए।

## वर्ग पहेली : 8212

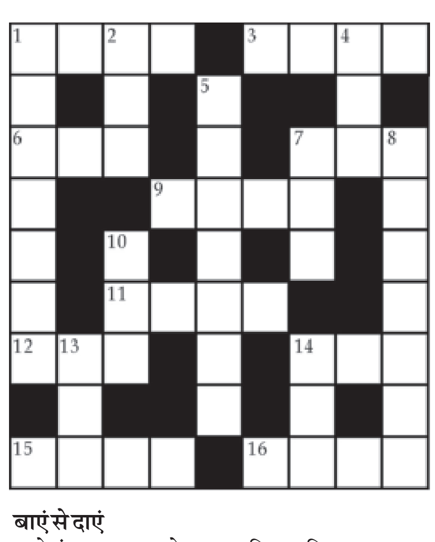

**बाएं से दाएं**
1. वेदांत का ज्ञान रखने वाला व्यक्ति; अधिकार रखने वाला; हकदार; सुपात्र; शासक (4)
3. भय लगना; हृदय स्पंदित होना (4)
6. जिसे ईश्वर में विश्वास न हो; धर्महीन (3)
7. बंदूक के आगे लगी बरछी; लोहे का बना तिपहला और नुकीला शस्त्र; घोर तथा दंडनीय (3)
9. जरूरी; जिसकी आवश्यकता हो (4)
11. किसी पदार्थ के अभाव का दुख सहना; बेचैन रहना; पीड़ित होना (4)
12. खटखटाना; घर के भीतर के लोगों को बुलाने के लिए बाहर किवाड़ पर हाथ मारने की क्रिया (3)
14. देवता के पदचिह्न वाला गहना; तमगा (3)
15. निश्चित समय पर होने वाला; नियमानुसार (4)
16. अप्रिय होना; खलना; बुरा लगना (4)

**ऊपर से नीचे**
1. अधिनायकतंत्र का समर्थन; निरंकुशता का पोषण (7)
2. करने वाला; कार्यवाहक; कारण; साधन (3)
4. पगड़ी में लगा पर (3)
5. जिसने आयु भर के लिए एक बार चंदा जमा करवाया हो; जीवन पर्यंत सदस्य (4,3)
7. भिन्न-भिन्न वर्णों या जातियों के संयोग से उत्पन्न; दोगला; मिश्रित (3)
8. बल तोड़ देना; हौसला पस्त करना (2,2,3)
10. हिंसक; हत्यारा; शत्रु; जान लेवा (3)
13. अच्छा; स्तर वाला (3)
14. जांच; परीक्षा; पहचान (3)

**हरीश चन्द्र सन्सी, विविधा विधा, दिल्ली**
(उत्तर अगले अंक में)

## वर्ग पहेली : 8211

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 स | ■ | 2 प | क्ष | 3 पा | त | क | 4 र | ना |
| र | ■ | थ | ■ | ना | ■ | ■ | ज | ■ |
| 5 ल | ह | रा | ना | ■ | 6 क | र | त | 7 ल |
| ता | ■ | ना | ■ | 8 पा | ट | ■ | ■ | ला |
| 9 पू | जा | ■ | 10 स | ■ | ना | ■ | 11 चो | ट |
| र्व | ■ | ■ | 12 दे | वा | ■ | 13 धे | ■ | च |
| 14 क | 15 म | जो | र | ■ | 16 रा | म | रा | म |
| ■ | धु | ■ | ■ | 17 का | ■ | का | ■ | क |
| 18 ब | र | बा | द | क | र | ना | ■ | ना |

## सुडोकू : 8194

*आसान

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | | 9 | | 2 | | | 7 |
| 7 | 6 | | 5 | 8 | 1 | | 2 | 3 |
| | | | | | | | | |
| | | 9 | 1 | | 3 | 4 | | |
| | 1 | | | | | | 8 | |
| | | 5 | 2 | | 8 | 3 | | |
| | | | | | | | | |
| 2 | 7 | | 8 | 9 | 5 | | 4 | 6 |
| 5 | | | 6 | | 4 | | | 9 |

**खेलने का तरीका :** दिमागी खेल और नंबरों की पहेली है यह। ऊपर नौ-नौ खानों के नौ खाने दिए गए हैं। आपको 1 से 9 की संख्याएं इस तरह लिखनी हैं कि खड़ी और पड़ी लाइनों के हरेक खाने में 1 से 9 की सभी संख्याएं आएं। साथ ही 3x3 के हरेक बक्से में भी 1 से 9 तक की संख्याएं हों। पहेली का हल हम कल देंगे।

## सुडोकू : 8193

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 9 | 7 | 5 | 3 | 4 | 1 | 6 | 2 |
| 2 | 6 | 1 | 7 | 9 | 8 | 3 | 4 | 5 |
| 4 | 3 | 5 | 1 | 2 | 6 | 8 | 7 | 9 |
| 3 | 4 | 8 | 2 | 1 | 9 | 7 | 5 | 6 |
| 5 | 1 | 9 | 8 | 6 | 7 | 2 | 3 | 4 |
| 7 | 2 | 6 | 4 | 5 | 3 | 9 | 1 | 8 |
| 6 | 7 | 3 | 9 | 4 | 2 | 5 | 8 | 1 |
| 1 | 8 | 2 | 6 | 7 | 5 | 4 | 9 | 3 |
| 9 | 5 | 4 | 3 | 8 | 1 | 6 | 2 | 7 |

# तैयारी: महंगाई को मापने के मौजूदा पैमाने की विदाई जल्द होगी

हि विशेष

■ रौशन किशोर

**नई दिल्ली।** दिसंबर 2025 के साथ भारत की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की वह शृंखला समाप्त हो गई, जो जनवरी 2011 से लागू थी। यह शृंखला पिछले लगभग 15 वर्षों से भारत में खुदरा महंगाई को मापने का आधार रही है।

दरअसल उपभोक्ता मूल्य सूचकांक एक सांख्यिकीय सूचकांक है जो यह बताता है कि आम उपभोक्ता की खरीदारी की टोकरी में शामिल वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में समय के साथ कितना बदलाव हुआ है। इसमें खाद्य पदार्थ, ईंधन, कपड़े, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मदें शामिल होती हैं। समय के साथ लोगों की खपत की आदतें बदल जाती हैं, लेकिन पुरानी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक शृंखला अभी भी 2011 के उपभोग पैटर्न पर आधारित थी। इस पुराने सूचकांक में डिजिटल सेवा, निजी शिक्षा और स्वास्थ्य, शहरी जीवनशैली से जुड़ी लागत का अधिभार अपेक्षाकृत कम था।

हाल के महीनों में दिख रही कम महंगाई दर और आम लोगों के वास्तविक खर्च के अनुभव के बीच अंतर दिखने लगा था। पुरानी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक शृंखला को विदा कहना कोई असामान्य बात नहीं है। यह एक स्वाभाविक और आवश्यक सांख्यिकीय सुधार है, जो बदलती अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बिठाने के लिए जरूरी है।

### उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की तस्वीर

मार्च 2011 से लेकर दिसंबर 2025 की अवधि में समाप्त तिमाहियों के आधार पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की खाद्य टोकरी की उप-श्रेणियों की में महंगाई की स्थिति का ब्योरा

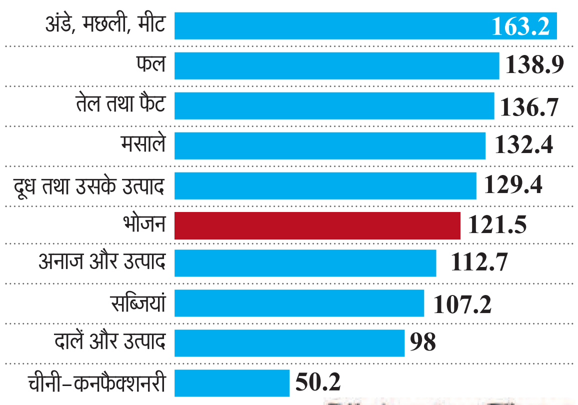


स्रोत :सीएमआईई Hindustan Times

### निवेशक और आम उपभोक्ता पर असर

**1. आम उपभोक्ता पर असर**

(क) महंगाई की परिभाषा बदली हुई महसूस होगी। नई शृंखला में जब वस्तुओं-सेवाओं के अधिभार बदले जाएंगे, तो संभव है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, किराया, ट्रांसपोर्ट और डिजिटल सेवाएं महंगाई में ज्यादा असर डालें।

ख) ब्याज दरों पर अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा। अगर नई सीपीआई में महंगाई ज़्यादा दिखती है तो आरबीआई ब्याज दरें ऊंची रख सकता है, कम दिखती है तो किस्तों में राहत मिल सकती है।

(ग) वेतन, पेंशन और महंगाई भत्ते पर असर होगा। सूचकांक का उपयोग महंगाई भत्ता, पेंशन समायोजन में होता है। कर्मचारियों को महंगाई भत्ते बढ़ोतरी महंगाई के अनुरूप मिलेगी।

**2. निवेशकों पर असर**

(क) बॉन्ड और फिक्स्ड इनकम निवेश पर असर होगा। महंगाई बढ़ी हुई दिखी तो बॉन्ड यील्ड ऊपर जा सकती है, पुराने बॉन्ड पर दबाव आएगा।

(ख) शेयर बाजार पर प्रभाव पड़ेगा। तेज महंगाई से ब्याज दरें ऊंची होंगी, रियल एस्टेट, ऑटो, कैपिटल गुड्स सेक्टर पर दबाव बढ़ेगा।

(ग) गोल्ड और रियल एसेट्स में प्रभाव दिखेगा। अगर नई शृंखला में वास्तविक महंगाई ज्यादा दिखती है तो सोना एक बेहतर हेज बनेगा।

(घ) रिटर्न की वास्तविक गणना बदलेगी। अब निवेशक सिर्फ मामूली रिटर्न नहीं बल्कि महंगाई समायोजित (वास्तविक रिटर्न) पर ज़्यादा ध्यान देंगे।

## बाजार 30s

### शेयर बाजार

| सेंसेक्स | | | निफ्टी | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 83,570 | +187.64 | | 25,694 | +28.75 | |
| **टॉप गेनर** | | | **टॉप गेनर** | | |
| कंपनी | बंद भाव | बदलाव% | कंपनी | बंद भाव | बदलाव% |
| इंफोसिस | 1689.40 | 5.65 | इंफोसिस | 1689.10 | 5.58 |
| टेक महिंद्रा | 1670.55 | 5.17 | टेक महिंद्रा | 1672.00 | 5.26 |
| **टॉप लूजर** | | | **टॉप लूजर** | | |
| इटरनल | 287.55 | -3.89 | इटरनल | 288.00 | -3.76 |
| एशियन पेंट | 2756.90 | -2.08 | जियो फाइनेंस | 227.95 | -3.15 |

### कमोडिटी

| | भाव | बदलाव |
|---|---|---|
| सोना | 1,46,200 | - 1,100 |
| चांदी | 2,92,600 | + 3,600 |

**करेंसी**
डॉलर/रुपया
90.78 -0.44

## रिलायंस के लाभ में मामूली बढ़ोतरी

**मुंबई।** विभिन्न कारोबार से जुड़ा रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मामूली बढ़कर 18,645 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने कहा कि खुदरा कारोबार में कमजोर रुख ने अन्य क्षेत्रों में हुए लाभ को बेअसर कर दिया। कंपनी के अनुसार, जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाए जाने के कारण खुदरा कारोबार में धीमी वृद्धि देखने को मिली।

## विदेशी मुद्रा भंडार 39.2 करोड़ डॉलर बढ़ा

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि नौ जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 39.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 687.19 अरब डॉलर पर रहा। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 9.81 अरब डॉलर घटकर 686.80 अरब डॉलर पर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.124 अरब डॉलर घटकर 550.866 अरब डॉलर रहीं।

## रुपया 44 पैसे टूटकर 90.78 प्रति डॉलर पर

**मुंबई।** रुपये में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और यह 44 पैसे टूटकर 90.78 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अस्थिर वैश्विक रुख और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती ने विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी को तेज कर दिया जबकि घरेलू निवेशकों ने निचले मूल्य पर शेयरों की खरीद की।

## रविवार एक फरवरी को शेयर बाजार खुले रहेंगे

**मुंबई।** बीएसई और एनएसई इस साल एक फरवरी को बजट के दिन रविवार होने के बावजूद कारोबार के लिए खुले रहेंगे। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस दिन वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बजट पेश होने के कारण एक फरवरी को सामान्य समय के हिसाब से 'लाइव' कारोबारी सत्र आयोजित किया जाएगा।

## ईएसआईसी में 1.17 लाख कंपनियां पंजीकृत

**नई दिल्ली।** पिछले साल शुरू की गई नियोक्ताओं/कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना (स्प्रि) के तहत कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने 1.17 लाख नए नियोक्ताओं और 1.03 करोड़ कर्मचारियों का पंजीकरण किया है। स्प्रि योजना एक जुलाई, 2025 से 31 जनवरी, 2026 तक की अवधि के लिए लागू है।

## जियो प्लेटफॉर्म्स के लाभ में 11.3% की वृद्धि

**नई दिल्ली।** जियो प्लेटफॉर्म्स का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 11.3 प्रतिशत बढ़कर 7,629 करोड़ रुपये रहा। ग्राहक आधार में बढ़ोतरी, प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व और डिजिटल सेवा के बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। जियो प्लेटफॉर्म्स में रिलायंस इंडस्ट्रीज का दूरसंचार और डिजिटल व्यवसाय शामिल है।

## डाक से माल निर्यात पर प्रोत्साहन योजना लागू

**नई दिल्ली।** केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने शुक्रवार को कहा कि आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल जैसी निर्यात प्रोत्साहन योजनाएं अब डाक के जरिये भेजे जाने वाले माल पर भी लागू होंगी। इन प्रोत्साहनों से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम निर्यातकों विशेष रूप से छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों के निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

### कर्मचारी संगठनों की तरफ से की जा रही है न्यूनतम पेंशन बढ़ाने को लेकर मांग

# न्यूनतम पेंशन वृद्धि का ऐलान बजट में किए जाने की संभावना

**नई दिल्ली, विशेष संवाददाता।** लंबे समय से हो रही न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग को लेकर जल्द ऐलान किया जा सकता है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जुड़े कर्मचारियों की न्यूनतम पेंशन बढ़ाने को लेकर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि सरकार बजट या फिर उसके बाद पेंशन बढ़ाने को लेकर निर्णय ले सकती है। हालांकि पेंशन में बढ़ोतरी कितनी होगी वह अभी स्पष्ट नहीं है।

ईपीएफओ से जुड़े कर्मचारियों को न्यूनतम पेंशन एक हजार रुपये प्रति माह देने का प्रावधान है। 11 वर्षों से पेंशन में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है, जिसको लेकर कर्मचारी संगठन लंबे समय से मांग करते आ रहे हैं। उनका कहना है कि तब से लेकर अब तक महंगाई बढ़ी है, जिसमें कर्मचारियों पर खर्च का बोझ बढ़ा है। सेवानिवृत्ति के बाद एक हजार रुपये की पेंशन किसी भी रूप से व्यवहारिक नहीं है।

छह जनवरी को भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) का एक प्रतिनिधि मंडल केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री से मिला था। केंद्रीय मंत्री ने उठाए गए मुद्दों पर उचित विचार करने का भरोसा दिया था। वहीं, दूसरे संगठन भी लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि न्यूनतम पेंशन को बढ़ाकर सात से 10 हजार रुपये के बीच करने की मांग कर रहे है।

**सर्वोच्च न्यायालय में भी चल रहा मुद्दा :** पेंशन से जुड़ा मुद्दा सर्वोच्च न्यायालय में भी चल रहा है। ऐसी स्थिति में स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि जल्द ही न्यूनतम पेंशन को बढ़ाए जाने को लेकर ऐलान किया जा सकता है।

### अस्सी लाख से अधिक सदस्यों को होगा लाभ

न्यूनतम पेंशन को बढ़ाती है तो वर्तमान में ईपीएफओ के करीब 80 लाख सदस्यों को लाभ होगा। इनमें से करीब 36.6 लाख सदस्य ऐसे भी हैं, जिन्हें सिर्फ न्यूनतम पेंशन एक हजार मिलती है। हालांकि भविष्य के हिसाब से देखा जाए तो यह संख्या करोड़ों में होगी।

### सुविधा सहायक तैनात करेगा ईपीएफओ

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जुड़ी सेवाओं का लाभ आसानी से सदस्यों तक पहुंच सके, इसके लिए सुविधा उपलब्धकर्ता यानी सहायक तैनात किए जाने की तैयारी की जा रही है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय एक निर्धारित शुल्क के साथ सुविधा उपलब्धकर्ता सदस्य के खातों को आपस में जोड़ने, खाते से धनराशि निकलने के लिए दावा करने और अन्य तरह की गलतियों को ठीक करने जैसी सेवा देने का अधिकार होगा। इच्छुक लोगों को सेवाओं के लिए आवेदन करने से लेकर अन्य जरूरी जानकारी का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिन्हें सुविधा उपलब्धकर्ता का नाम दिया जाएगा। यह सुविधा उपलब्धकर्ता अपने सेंटर पर ईपीएफओ से जुड़े सदस्यों को एक निश्चित शुल्क के बाद अपनी सेवा दे सकेंगे।

### सॉफ्टवेयर की खामियां दूर करने का काम जारी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एटीएम से पीएफ की राशि की निकासी की प्रणाली के सुचारू कार्यान्वयन के लिए सॉफ्टवेयर संबंधी खामियों को दूर करने का प्रयास कर रहा है। फिलहाल स्वचालित निपटान प्रक्रिया के तहत आवेदन देने के तीन दिन के भीतर धनराशि खाते में आती है। इस समय लेने वाली प्रक्रिया से बचने के लिए नई प्रणाली विकसित की जा रही है। इसका कारण हर साल पांच करोड़ से अधिक दावे निपटाए जाते हैं। इनमें से ज्यादातर ईपीएफ निकासी के लिए होते हैं। ईपीएफओ अपने सदस्यों को सीधे ईपीएफ खातों से पैसे निकालने की अनुमति नहीं दे सकता क्योंकि उसके पास कोई बैंकिंग लाइसेंस नहीं है।

# एचटी मीडिया को सेवा कर के मामले में कोर्ट से राहत

■ सुप्रीम कोर्ट बोला, विदेशी वक्ताओं को किए भुगतान पर सेवा कर मान्य नहीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट के लिए आमंत्रित किए गए अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं को दिए गए शुल्क पर लगाए गए सेवा कर की मांग को रद्द कर दिया। अदालत ने साफ कहा कि ऐसे भुगतान को 'इवेंट मैनेजमेंट सर्विस' के तहत कर योग्य नहीं माना जा सकता।

न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने एचटी मीडिया लिमिटेड की अपील को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया। राजस्व विभाग ने इन भुगतानों को 'इवेंट मैनेजमेंट सर्विस' मानते हुए करीब 60.56 लाख रुपये के सेवा कर की मांग की थी। फरवरी 2014 में आयुक्त ने ब्याज और जुर्माने के साथ इस मांग की पुष्टि भी कर दी थी।

यह फैसला 2017 में कस्टम्स, एक्साइज और सर्विस टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल द्वारा दिए गए उस आदेश को रद्द करता है, जिसमें एचटी मीडिया को विदेशी एजेंट्स को किए गए भुगतान पर सेवा कर चुकाने का जिम्मेदार ठहराया गया था।

यह विवाद 2009 से 2012 के बीच आयोजित हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट से जुड़ा है। इस कार्यक्रम में पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति अल गोर और अंतरिक्ष यात्री जेरी लिनेंजर जैसी हस्तियों को बुलाने के लिए एचटी मीडिया ने वॉशिंगटन स्पीकर्स ब्यूरो और हैरी वॉकर एजेंसी जैसी विशेष बुकिंग एजेंसियों से अनुबंध किए थे।

# क्रिप्टोकरंसी से जुड़ी कर नीति में स्पष्टता का इंतजार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत में बजट 2026 से पहले वर्चुअल डिजिटल असेट्स जैसे क्रिप्टोकरेंसी, एनएफटी और डिजिटल टोकन के सम्बंध में उद्योग की अपेक्षाएं बढ़ गई हैं।

पिछले कुछ वर्षों में भारत में क्रिप्टो का उपयोग काफी बढ़ा है और आज भारत दुनिया में उपयोगकर्ताओं की संख्या के हिसाब से अग्रणी स्थान रखता है। उद्योग की अपेक्षा है कि संवाद, नियामकीय स्पष्टता, टैक्स की पुनर्समीक्षा और एक सुव्यवस्थित कानूनी ढांचा भारत को विश्वस्तरीय क्रिप्टो विनियमन और निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा।

**वर्चुअल डिजिटल असेट्स :** वर्चुअल डिजिटल असेट्स डिजिटल रूप में मौजूद ऐसे एसेट होते हैं जिन्हें इंटरनेट पर इलेक्ट्रॉनिक तरीके से लेन-देन या निवेश के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इनमें प्रमुख रूप से क्रिप्टोकॉइन्स व एनएफटी शामिल हैं। ये पारंपरिक मुद्रा नहीं हैं और इन्हें भारत के आयकर कानून में विशेष रूप से वर्चुअल डिजिटल असेट्स के रूप में परिभाषित किया गया है।

### मौजूदा कर ढांचा

वित्त मंत्री ने एक अप्रैल 2022 से लागू कर ढांचे के तहत वीडीए से होने वाली आय पर 30% फ्लैट टैक्स लगाया है, चाहे वह निवेश लाभ हो या ट्रेडिंग लाभ। इसके अलावा, वीडीए चेंज पर 1% टीडीएस भी लागू है। इस ढांचे में नुकसान को किसी अन्य आय से समायोजित करने या आगे के वर्षों में कैरी फॉरवर्ड करने की अनुमति नहीं है।

# एकीकृत लोकपाल योजना जारी

**मुंबई, एजेंसी।** भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को संशोधित रिजर्व बैंक एकीकृत लोकपाल योजना, 2026 जारी की। इसका उद्देश्य बैंकों और अन्य विनियमित संस्थाओं के पीड़ित ग्राहकों द्वारा दर्ज की गई शिकायतों के समाधान की दक्षता में और सुधार करना है। यह योजना एक जुलाई, 2026 से लागू होगी।

संशोधित योजना पर जारी परिपत्र के अनुसार, चूंकि इस योजना का उद्देश्य शिकायतों का कम लागत में और त्वरित निवारण प्रदान करना है, इसलिए इसके तहत कार्यवाही संक्षिप्त प्रकृति की होगी और यह साक्ष्य के किसी भी नियम से बाध्य नहीं होगी।

रिजर्व बैंक इस योजना के तहत सौंपे गए कार्यों को पूरा करने के लिए अपने एक या अधिक अधिकारियों को आरबीआई लोकपाल और आरबीआई उप-लोकपाल के रूप में नियुक्त करेगा। ये नियुक्तियां सामान्यतः एक बार में तीन साल की अवधि के लिए की जाएंगी।

आरबीआई ने कहा कि वह इस योजना के तहत दर्ज शिकायतों को प्राप्त करने और उनकी जांच के लिए एक या अधिक स्थानों पर केंद्रीकृत रसीद एवं प्रसंस्करण केंद्र स्थापित करेगा। ग्राहक अपनी शिकायतें ऑनलाइन भी दर्ज करा सकते हैं।

शिकायतों पर विचार करते समय, आरबीआई लोकपाल/ उप-लोकपाल बैंकिंग कानून के सिद्धांतों, गतिविधियों और रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशा-निर्देशों व नियमों को ध्यान में रखेंगे। योजना की एक खास बात यह है कि आरबीआई लोकपाल के पास लाए जाने वाले विवाद की राशि पर कोई सीमा नहीं है। लोकपाल समझौते की सुविधा दे सकता है या निर्णय पारित कर सकता है।

### 30 लाख रुपये तक की क्षतिपूर्ति देने की शक्ति

शिकायतकर्ता को हुए किसी भी परिणामी नुकसान के लिए, आरबीआई लोकपाल के पास 30 लाख रुपये तक की क्षतिपूर्ति प्रदान करने की शक्ति होगी। इसके अतिरिक्त, शिकायतकर्ता के समय की बर्बादी, खर्च, उत्पीड़न या मानसिक पीड़ा के लिए लोकपाल तीन लाख रुपये तक का क्षतिपूर्ति दिला सकता है।

## 'भारत-ईयू में एफटीए महत्वपूर्ण समझौता'

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता सबसे महत्वपूर्ण समझौता साबित होगा।

इसके साथ ही गोयल ने कहा कि यह समझौता भारत और यूरोपीय संघ दोनों के लिए अच्छा और पारस्परिक रूप से लाभकारी साबित होगा।

## 5जी के 40 करोड़ से ज्यादा ग्राहक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत ने डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी सब्सक्राइबर बेस बन गया है। देश में 40 करोड़ से अधिक 5जी उपयोगकर्ता हैं और इसे अपनाने की रफ्तार के मामले में भारत विश्व के सबसे तेज देशों में शामिल है।

# चांदी में आई ₹3,600 की तेजी, सोने में गिरावट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को चांदी की कीमत लगातार छठे दिन रिकॉर्ड तेजी के साथ 3,600 रुपये उछलकर 2,92,600 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

स्टॉकिस्टों की लगातार लिवाली के बीच चांदी की कीमत में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। सोना अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर से नीचे आ गया और 1,100 रुपये घटकर 1,46,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रहा। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,47,300 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

कारोबारियों ने कहा कि कमजोर वैश्विक रुख के बावजूद लगातार औद्योगिक उठाव के कारण चांदी मजबूत बनी हुई। चांदी अब सिर्फ छह सत्रों में 20.16 प्रतिशत यानी 49,100 रुपये चढ़ चुकी है। आठ जनवरी को इसकी कीमत 2,43,500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। चांदी लगातार दूसरे साल सोने से आगे रही और अबतक इसने 22.4 प्रतिशत का लाभ दिया है।

# भारत विश्व का प्रमुख विकास इंजन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रमुख विकास इंजन बना हुआ है और उसकी आर्थिक स्थिति मजबूत व लचीली है।

आईएमएफ के अनुसार, भारत से जुड़े हालिया आर्थिक आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहे हैं, जिसके चलते इस महीने के अंत में भारत के आर्थिक विकास अनुमान को ऊपर की ओर संशोधित किया जा सकता है। आईएमएफ की प्रवक्ता और संचार विभाग की प्रमुख जुली कोजैक ने गुरुवार को भारत की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक वृद्धि को सहारा देने में लगातार अहम योगदान दे रहा है।

कोजैक ने बताया कि आईएमएफ की रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत आंकी गई थी।

### मजबूत घरेलू मांग मजबूती का आधार: आईएमएफ

आईएमएफ प्रवक्ता ने यह भी बताया कि कुल मिलाकर भारत को लेकर आईएमएफ का नजरिया सकारात्मक बना हुआ है। चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक हालात के बावजूद भारत ने लगातार वैश्विक वृद्धि को समर्थन दिया है। मजबूत घरेलू मांग भारत की आर्थिक मजबूती का सबसे बड़ा आधार बनी हुई है, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति और मजबूत कर सकता है।

• PUNCHKUIAN ROAD, Garwal Bhawan, (Near Jhandewalan, Gole Chkr.)
• GURUGRAM 306, City Center, Sector 29 (Near Hotel Pllazio)
• WAZIRPUR A-5, Near Richi Rich Banquet (Opp. Shalimar Bagh)
• NOIDA , Nirula's Sec-2, Near Metro Station, Sec-15, Noida, UP
• LAJPAT NAGAR, 49, Main Ring Road, Adj. Haldi Ram, Near Moolchand Crossing

भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
अंतरिक्ष उपयोग केंद्र
निर्माण एवं अनुरक्षण समूह
सैटेलाइट रोड, आंबावाड़ी विस्तार डाकघर
अहमदाबाद- 380015) भारत
फोन Phone: (079)26914953, 4918, 4913, 4901

इसरो isro

Government of India
Department of Space
Space Applications Centre
Construction & Maintenance Group
Satellite Road, Ambawadi Vistar P.O.,
Ahmedabad - 380 015
(INDIA)

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा के माध्यम से ऑनलाइन मद दर संविदा निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

| Sl. No. | कार्य का शीर्षक | निविदा के लिए निर्धारित अनुमानित लागत। (Rs.) | कार्य पूरा होने की अवधि | बयाना धन अमानत (Rs.) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | सैक अहमदाबाद के विक्रम हॉल के एसी प्रणाली के लिए मौजूदा अप्रयोज्य वाटर कूल्ड कंप्रेसर की एयर कूल्ड संघनित यूनिट से प्रतिस्थापना | 25.62 लाख | 04 माह | 51,240/- |
| 2 | दिल्ली भू स्टेशन, अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, नई दिल्ली में वाटर कूलर्स, स्प्लिट एसी और टावर एसी सिस्टम के लिए व्यापक रखरखाव और सर्विसिंग के लिए वार्षिक अनुबंध। | 5.30 लाख | 02 वर्ष | 10,600/- |
| | ई-निविदा सूचना सं. एवं दिनांक: (i) सैक/सीएमजी/एसीएमडी/18/2025-26 एवं दिनांक: 05.01.2026 (ii) सैक/सीएमजी/एसीएमडी/19/2025-26 एवं दिनांक: 05.01.2026 | | | |

| | |
|---|---|
| अवधि जिसके दौरान निविदा दस्तावेज डाउनलोड करना है। | 15.01.2026 (10.00 बजे) से 30.01.2026 (17.00 बजे) तक। |
| निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय | 04.02.2026 को 17.00 बजे तक। |

अधिक जानकारी के लिए देखें- www.isro.gov.in या www.sac.gov.in या www.tenderwizard.com/isro ।
नोट: उपरोक्त कार्यों के लिए भविष्य के सभी पत्राचार (शुद्धिपत्र) केवल ऊपर उल्लिखित वेबसाइटों पर प्रकाशित किए जाएंगे।
सीबीसी 49107/11/0020/2526 समूह प्रधान, सीएमजी

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार
का स्वायतशासी संस्थान
ग्रामभारती, अमरापुर, महुडी रोड, गाँधीनगर, गुजरात -382650
फोन: 02764 261134/35/36/37/38, वेब: www.nif.org.in

विज्ञापन सं. 01/2026

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत (एन.आई.एफ) द्वारा विभिन्न लेवल (मैनेजर्स, एसोसिएट्स, फेलोज) में नियुक्ति हेतु अत्यधिक उत्प्रेरित एवं पात्र पेशेवरों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।
नियुक्ति शुद्ध रूप से अस्थाई और आनुबंधिक आधार पर है। विस्तृत विज्ञापन https://nif.org.in/careers पर उपलब्ध है। ऑनलाइन प्रपत्र को जमा करने की अंतिम तिथि 10 फरवरी 2026 है।
हस्ता./-
सीबीसी 36118/12/0002/2526 निदेशक

सीसी नं. सीबीआई/7/2023
आरसी 16/एस/2022/2022
सीबीआई बनाम वंदना चौधरी

19.11.2025

उपस्थितिः श्री सौरभ सिंह, सीबीआई हेतु एल.डी. सब्सटीट्यूट पीपी
एचआईओ/एसआई नीलेश कुमार सिंह, सीबीआई एससी-I,
नई दिल्ली
व्यक्तिगत रूप में,
आरोपी वंदना चौधरी गैरहाजिर है।

रिकॉर्ड देखने से पता चलता है कि आरोपी वंदना चौधरी के खिलाफ जारी गैरजमानती वारंट पिछली दो सुनवाई की तारीखों पर बिना तामील किए वापस आ गए। दि. 21.10.2024 को, आरोपी वंदना चौधरी के एलडी काउंसिल वीसी के ज़रिए पेश हुए और बताया कि आरोपी की मौत हो गई है, लेकिन कोई मृत्यु प्रमाणपत्र दाखिल नहीं किया गया और उसके बाद, आरोपी की तरफ से कोई पेश नहीं हुआ। आरोपी वंदना चौधरी की मौत की बात को सत्यापित करने के लिए अनेक और तत्परता से कोशिशें की गईं, लेकिन इससे भी सत्यापित नहीं किया जा सका।

आरोपी वंदना चौधरी के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 82 के तहत प्रक्रिया जारी किया जाए और जहां आरोपी आमतौर पर रहती है, वहां छपने वाले एक दैनिक समाचार पत्र में भी घोषणा छपवाई जाए। प्रक्रिया की रिपोर्ट एनडीओएच पर दाखिल किया जाए। प्रोसेस सर्वर भी अपना बयान दर्ज कराने के लिए मूल समाचार पत्र के साथ एनडीओएच पर पेश होगा।

आगे की कार्रवाई के लिए दि. 20.01.2026 को रखा गया।

(मयंक गोयल)
एसीजेएम-02-कम-एसीजे
आरएडीसी/नई दिल्ली/19.11.2025
सीबीसी 32205/11/0100/2526

संपादकीय जागरण

शनिवार, 17 जनवरी, 2026 : माघ कृष्ण - 14 वि. 2082

सौभाग्य की खिड़की परिश्रम से खुलती है

# भाजपा की एक और जीत

**देश में** सबसे अधिक बजट वाले नगर निकाय बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी पर प्रभुत्व कायम करने वाली भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने महाराष्ट्र के अन्य अधिकांश निकायों के चुनावों में जीत हासिल कर राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। बीएमसी के चुनाव नतीजों पर अधिक ध्यान था, क्योंकि यहां पर ठाकरे परिवार की शिवसेना का 25 वर्षों से कब्जा था। शिवसेना-उद्धव ठाकरे का बीएमसी की सत्ता से बाहर होना एक बड़ा झटका है, क्योंकि इस निकाय का करीब 75 हजार करोड़ रुपये का बजट उसे देश की आर्थिक राजधानी में राजनीतिक शक्ति के साथ आर्थिक ताकत भी प्रदान करता था। उद्धव ठाकरे ने बीएमसी पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना से हाथ मिलाया, लेकिन यह मेल उस पर भारी पड़ा। इसका एक कारण यह रहा कि वह अपनी विचारधारा से भटकती दिखी। कभी भाजपा की स्वाभाविक सहयोगी रही शिवसेना ने पहले धुर विरोधी दलों कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से हाथ मिलाया, फिर निकाय चुनावों में मनसे से हाथ मिला लिया, जो मराठी मानुस के अपने उग्र एजेंडे के कारण उत्तर भारतीयों के प्रति बैर रखने वाली पार्टी है। इस बार तो राज ठाकरे ने तमिलनाडु भाजपा नेता अन्नामलाई के प्रति अपमानजनक बातें करके उत्तर भारतीयों समेत महाराष्ट्र के बाहर के सभी बाशिंदों को सशंकित कर दिया। यह उद्धव ठाकरे के पराभव का दूसरा कारण रहा। उद्धव यह भूल गए कि अब राज्य के बड़े शहरों में अन्य राज्यों के लोगों की बड़ी संख्या है। मुंबई तो देश भर के लोगों का घर है।

कहना कठिन है कि निकाय चुनावों के निराशाजनक नतीजों के बाद उद्धव ठाकरे मनसे का हाथ छोड़कर फिर से कांग्रेस के साथ खड़े होंगे या नहीं, लेकिन उनके लिए महाराष्ट्र की राजनीति में प्रासंगिक बने रहना किसी चुनौती से कम नहीं। चुनौती कांग्रेस के सामने भी है, क्योंकि निकाय चुनावों में अपेक्षित नतीजे न मिल पाने के कारण राष्ट्रीय दल के रूप में उसकी स्थिति और कमजोर दिखने लगी है। एक चुनौती शानदार जीत हासिल करने वाली भाजपा के सामने भी है और यह है बीएमसी के कामकाज को भ्रष्टाचार से मुक्त करने और मुंबई का सही तरीके से विकास करने की। बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल इसीलिए थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। मुंबई को खराब सड़कों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए।

# निराशाजनक स्थिति

**दिल्ली में** लगातार सामने आ रहे साइबर ठगी के मामलों के बीच ये निराशाजनक है कि इन मामलों की जांच कर रही दिल्ली पुलिस साइबर ठगों से कोसों दूर है। मामला दर्ज कर पुलिस जांच करती है तो वह ठगी में इस्तेमाल किए गए खातों तक पहुंचकर रुक जाती है। पुलिस सबसे पहले ये खाते फ्रीज करवाती है, ताकि इसमें जमा ठगी की रकम ठग द्वारा निकाली न जा सके। लेकिन इसका लाभ भी तभी होता है, जब सूचना पुलिस तक तेजी से पहुंच जाए। फिर इन खाताधारकों से पूछताछ होती है, जिनमें से अधिकतर लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें वास्तव में पता ही नहीं होता कि उनके खाते का ठगी में इस्तेमाल किया गया है। कुछ बिचौलिए गिरफ्तार भी किए जाते हैं, लेकिन फिर इससे आगे पुलिस हीं बढ़ पाती।

> दिल्ली पुलिस को साइबर ठगी को लेकर जागरूकता फैलाने का काम भी और प्रभावी तरीके से करना चाहिए, ताकि लोग ठगों के चंगुल में न फंसने पाएं

ये चिंता की बात है कि देश में तकनीकी रूप से सर्वाधिक सक्षम पुलिसबलों में से एक दिल्ली पुलिस अब तक ऐसी कोई जुगत नहीं लगा पाई है कि साइबर ठगों तक पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर सके। यदि साइबर ठग विदेश में बैठकर ठगी का रैकेट संचालित कर रहे हैं, तो दिल्ली पुलिस को भी उन तक पहुंचना होगा। तभी साइबर ठगी पर कुछ हद तक लगाम लग सकेगी। उधर, दिल्ली पुलिस को साइबर ठगी को लेकर जागरूकता फैलाने का काम भी और प्रभावी तरीके से करना चाहिए, ताकि लोग साइबर अपराधियों के चंगुल में न फंसने पाएं।

## कह के रहेंगे

माधव जोशी

## जागरण जनमत

कल का परिणाम

**क्या आइपैक मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख ममता बनर्जी के लिए झटका है?**

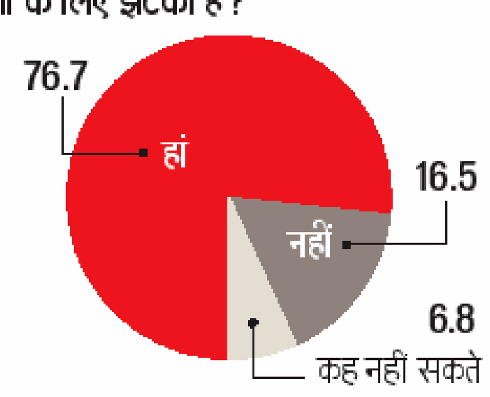


### आज का सवाल

क्या महाराष्ट्र निकाय चुनाव में उद्धव ठाकरे को राज ठाकरे से हाथ मिलाना भारी पड़ा?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है। सभी आंकड़े प्रतिशत में।

# अपने भविष्य को आकार देता भारत

पीयूष गोयल

**भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना और अब जर्मनी को पीछे छोड़ने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है**

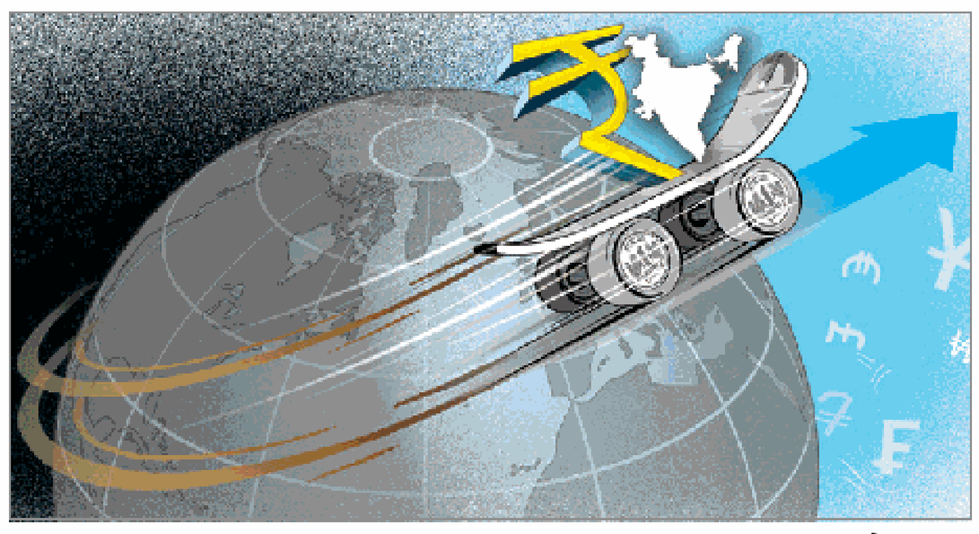

अवधेश राजपूत

वर्ष 2026 भारत के वाणिज्य और उद्योग परिदृश्य में नया विश्वास और आशावाद लेकर आया है। 2025 में उठाए गए निर्णायक कदम व्यापार और निवेश को तेजी से आगे बढ़ाने, छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए वैश्विक बाजार तक पहुंच बढ़ाने, रोजगार सृजन करने और प्रत्येक नागरिक के लिए ईज आफ लिविंग को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री मोदी जी के मिशन को और मजबूत करने वाले रहे। मोदी सरकार की एक प्रमुख पहल स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना रही है। आज भारत में दो लाख से अधिक सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स हैं। स्टार्टअप्स को समर्थन देने का उद्देश्य आर्थिक विकास को तेज करना, रोजगार के अवसर पैदा करना और प्रत्येक नागरिक, विशेष रूप से गरीबों के जीवन स्तर में सुधार करना है। आज भारत वैश्विक स्तर पर एक भरोसेमंद और विश्वसनीय व्यापार साझेदार के रूप में पहचाना जा रहा है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल निर्यात छह प्रतिशत बढ़कर रिकार्ड 825.25 अरब अमेरिकी डालर तक पहुंच गया। निर्यातकों को और समर्थन देने के लिए सरकार ने 25,060 करोड़ रुपये का निर्यात प्रोत्साहन मिशन घोषित किया है।

रिपीलिंग एंड एमेंडमेंट एक्ट, 2025 के तहत 71 पुराने और अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त किया गया है, जिनमें से कुछ वर्ष 1886 के थे। जन विश्वास पहल के अंतर्गत मोदी सरकार ने छोटे उल्लंघनों से जुड़े कई आपराधिक प्रविधानों को हटाया है। ये सुधार शासन को बेहतर बनाते हैं, कारोबार में आसानी बढ़ाते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि भारत की कानूनी व्यवस्था आधुनिक अर्थव्यवस्था के अनुरूप हो। पिछले वर्ष संसद के मानसून सत्र में शिपिंग और पोर्ट्स से जुड़े पांच ऐतिहासिक विधेयक पारित किए गए। इन कानूनों से दस्तावेजीकरण सरल हुआ है, विवाद निपटान आसान हुआ है और लाजिस्टिक्स लागत में उल्लेखनीय कमी आई है। वाणिज्य के मोर्चे पर विदेश व्यापार महानिदेशालय ने पारदर्शी और सहायक नीतियों के जरिये निर्यातकों का सक्रिय रूप से समर्थन किया है। इन पहलों से व्यापारियों, स्टार्टअप्स और छोटे उद्यमियों की उद्यमशीलता को नई उड़ान मिली है।

भारत की व्यापार और निवेश रणनीति का मूल मंत्र स्थानीय उद्यमियों विशेषकर छोटे व्यवसायों, स्टार्टअप्स, किसानों और कारीगरों को सशक्त बनाकर उन्हें वैश्विक सफलता दिलाना है। इसी के अंतर्गत भारत ने पिछले वर्ष तीन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए, जिनसे भारतीय उत्पादों को यूके, न्यूजीलैंड और ओमान जैसे विकसित बाजारों में ड्यूटी-फ्री पहुंच मिली। ये एफटीए भी सुधार प्रक्रिया का हिस्सा हैं। यूपीए सरकार के विपरीत मोदी सरकार ने विकसित देशों के साथ संतुलित और लाभकारी समझौतों को प्राथमिकता दी है। इन एफटीए से रोजगार सृजन तेज होगा, निवेश बढ़ेगा और छोटे व्यवसायों, छात्रों, महिलाओं, किसानों और युवाओं के लिए परिवर्तनकारी अवसर खुलेंगे। मुक्त व्यापार समझौतों के अतिरिक्त स्विट्जरलैंड, नार्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन वाले यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (एफ्टा) के साथ 2024 में किया गया एफटीए भी अब लागू हो चुका है। सभी एफटीए में भारत के कृषि और डेरी क्षेत्रों को सुरक्षित रखा गया है। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया जैसे बड़े वैश्विक डेरी निर्यातकों के साथ समझौतों में भी यह शामिल है। इन समझौतों से भारतीय निर्यात को त्वरित या शीघ्र टैरिफ समाप्ति का लाभ मिलता है, जबकि भारत में बाजार खोलना संतुलित और चरणबद्ध रखा गया है। न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में 20 अरब अमेरिकी डालर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की प्रतिबद्धता जताई है, जो भारत द्वारा एफ्टा देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते में अपनाए गए नवोन्मेषी निवेश-संबद्ध प्रविधानों को प्रतिबिंबित करता है। यह निवेश कृषि, डेरी, एमएसएमई, शिक्षा, खेल और युवा विकास में सहायक होगा, जिससे समावेशी और व्यापक विकास सुनिश्चित होगा।

2024-25 तक के पिछले 11 वित्तीय वर्षों में भारत ने 748 अरब अमेरिकी डालर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया, जो उससे पहले के 11 वर्षों में आए 308 अरब अमेरिकी डालर से लगभग ढाई गुना है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि मोदी सरकार को एक समय फ्रेजाइल फाइव कही जाने वाली अर्थव्यवस्था विरासत में मिली थी। भ्रष्टाचार-मुक्त शासन, साहसिक सुधारों और वित्तीय अनुशासन के जरिये उन्होंने भारत को व्यापार और निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाया। भारत ने 2025 का समापन एक बड़ी उपलब्धि के साथ किया, जापान को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना और अब जर्मनी को पीछे छोड़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना।

श्रमिकों के लाभ बढ़ाने के लिए मोदी सरकार ने ऐतिहासिक श्रम सुधार किए हैं, जिनके तहत 29 खंडित कानूनों को चार आधुनिक श्रम संहिताओं में समाहित किया गया है। इनका उद्देश्य उचित वेतन, समय पर भुगतान, सामाजिक सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करना है, साथ ही महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी बढ़ाना है। जीएसटी सुधारों से हर भारतीय नागरिक को लाभ हुआ है, जिससे एक स्वच्छ दो-स्लैब संरचना बनी है। इससे घरों, एमएसएमई, किसानों और श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर बोझ कम होगा। 2025 एक सेतु-निर्माण का वर्ष रहा। आगे और भी उत्साहजनक कदम आने वाले हैं। नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा के नेतृत्व में एक पैनल व्यापक सुधारों का अध्ययन कर रहा है, जो प्रधानमंत्री की 'रिफार्म एक्सप्रेस' को और तेज करेगा। भारत का लक्ष्य स्पष्ट है, प्रतिस्पर्धी व्यापार, नवोन्मेषी उद्योग और एक मजबूत, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के माध्यम से 'विकसित भारत' का निर्माण। भारत के निर्यातकों, निर्माताओं, किसानों और सेवा प्रदाताओं की सफलता ही राष्ट्र की सफलता है। भारत सिर्फ भविष्य की तैयारी नहीं कर रहा, वह उसे आकार दे रहा है। निर्णायक नेतृत्व, साहसिक सुधारों और स्पष्ट वैश्विक रणनीति के साथ भारत अपनी शर्तों पर एक मजबूत, आत्मनिर्भर और विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में दुनिया से जुड़ रहा है।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)

response@jagran.com

# सबक सिखाती अमेरिकी शिक्षा व्यवस्था

क्षमा शर्मा

**अमेरिकी समाज और छात्रों की मौजूदा स्थिति से हम भारतीयों की आंखें खुल जानी चाहिए**

एक आंकड़े के अनुसार अमेरिका के निजी विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों में 61 प्रतिशत से लेकर 83 प्रतिशत तक छात्र कर्ज लेते हैं। जो कालेज निजी और सरकारी मदद, दोनों से चलते हैं, वहां 54 से 61 प्रतिशत और सरकारी संस्थान जिन्हें पब्लिक इंस्टीट्यूशन कहा जाता है, वहां भी 33 से 49 प्रतिशत छात्रों को कर्ज लेना पड़ता है। अमेरिकी शिक्षा विभाग की प्रमुख एजेंसी नेशनल सेंटर फार एजुकेशन स्टैटिस्टिक्स के अनुसार कर्ज की यह राशि हर साल बढ़ती ही जाती है। आज यह राशि अरबों में जा पहुंची है। इस पर लगाने वाले ब्याज की दर भी बहुत ज्यादा होती है।

पिछले साल अमेरिका में हर छात्र के ऊपर 39,375 डालर का कर्ज था। वर्ष 2007 की तुलना में यह तीन गुना अधिक है। आम तौर पर वहां मध्य वर्ग के बच्चे कर्ज के बोझ से दबे रहते हैं। मैरीलैंड, जार्जिया, वर्जीनिया जैसे राज्यों के छात्र ज्यादा कर्ज लेते हैं। नौकरी के बाद वे लंबे समय तक कर्ज चुकाते रहते हैं। अधिकांश छात्र 35 से लेकर 49 साल की उम्र तक कर्ज चुकाते हैं। एक तरह से उम्र का बड़ा हिस्सा कर्ज चुकाने में ही निकल जाता है। इसी संदर्भ में हाल में विचारक एस. गुरुमूर्ति एक इंटरव्यू में बता रहे थे कि अधिकांश अमेरिकी बच्चे कर्ज लेकर पढ़ाई करते हैं। जबकि भारतीय लोग अपने परिवार को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करते हैं। वास्तव में हर भारतीय माता-पिता चाहता है कि उनका बच्चा खूब पढ़े-लिखे। इसके लिए वे अपने सभी संसाधन दांव पर लगा देते हैं। कई बार तो अपना खेत तक बेच देते हैं। कर्ज भी लेना पड़े तो उसकी जिम्मेदारी खुद ही उठाते हैं। कुछ साल पहले जिनेवा में काम करने वाले एक ऐसे अमेरिकी से मिली थी, जो पचास साल से अधिक था, लेकिन अभी तक शिक्षा के लिए कर्ज को चुका रहा था। उसका कहना था कि वह इतने पैसे नहीं कमाता कि परिवार का बोझ भी उठा सके और शिक्षा के लिए जो कर्ज लिया था, उसकी किस्त भी हर महीने भर सके। अमेरिका में आमतौर पर दस से लेकर तीस वर्ष तक कर्ज की किस्तें भरनी पड़ती हैं। वहां कहा जाता है कि एक बार कर्ज के चक्कर में फंसे तो जीवन भर उसी में फंसे रहते हैं। कर्ज चुकाने में अधिक वर्ष लगने का आशय अधिक ब्याज चुकाना भी है। कल्पना करना कठिन नहीं कि क्यों अमेरिका में बहुत से बच्चे स्कूली शिक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ देते हैं, क्योंकि उच्च शिक्षा के संसाधन जुटाना उनके वश का नहीं होता। इसलिए बहुत से युवा किसी न किसी काम में लग जाते हैं। जिस शिक्षा के बारे में कहा जाता है कि वह हर एक के लिए उपलब्ध होनी चाहिए, वास्तव में ऐसा है नहीं।

कर्ज के बोझ तले दबते अमेरिकी छात्र • प्रतीकात्मक

इन दिनों कृत्रिम मेधा यानी एआइ के आने के डर से अमेरिका में भी रोजगार के मौके लगातार कम हो रहे हैं। वहां बड़ी-बड़ी कंपनियां हजारों की संख्या में लोगों को नौकरी से निकाल रही हैं। इनमें से जो लोग अमेरिकी नागरिक नहीं हैं, वे रोजगार के लिए लगने वाले मेलों में अपना सीवी लेकर जा रहे हैं, तो उनसे पहला सवाल यही पूछा जा रहा है कि वे अमेरिकी नागरिक हैं या नहीं? न कहते ही उनका सीवी बिना देखे लौटा दिया जा रहा है। इनमें से अधिकांश वे लोग हैं, जो अमेरिका में ही पढ़े हैं। इनमें से बहुतों ने पढ़ने के लिए कर्ज भी लिया होगा। जब वहां रोजगार ही नहीं होगा, तो छात्र कर्ज की किस्तें कहां से चुकाएंगे? लगता है वहां जल्दी ही वह समय आएगा, जब बच्चे उच्च शिक्षा इसलिए लेना बंद कर देंगे, क्योंकि नौकरी की कोई गारंटी नहीं होगी। ऐसे में तब उन विश्वविद्यालयों का क्या होगा, जो मशहूर होने के नाम पर इतराते हैं और छात्रों से भारी-भरकम फीस वसूलते हैं। जब वहां छात्र पढ़ने ही नहीं आएंगे, तो वे कर्ज भी नहीं लेंगे। तब जाहिर है कि वे कंपनियां भी खत्म हो जाएंगी, जो कर्ज देती हैं।

अमेरिका के विपरीत भारतीय लोगों में परिवार के प्रति जो आस्था है, वह बेमिसाल है। यहां आज भी बहुत से परिवारों में तीन पीढ़ियां एक साथ रहती मिल जाएंगी। जबकि अमेरिका में यह संभव नहीं है। न केवल अमेरिका, बल्कि अनेक पश्चिमी देशों में यही हाल है। वहां अकेलेपन को एक गुलाबी तस्वीर की तरह प्रस्तुत किया जाता है। वहां बच्चे अकेले रहते हैं। बुढ़ापे में माता-पिता और दादा-दादी भी अकेले ही रहते हैं। पश्चिम में देखभाल को भी पैसे से जोड़कर केयर इकोनमी का नाम दिया गया है, लेकिन अपने यहां परिवार ही है, जो किसी आफत में सबसे पहले दौड़ता है। भारतीय माता-पिता अपनी सुविधा छोड़कर बच्चों के सुख पर ध्यान देते हैं। ऐसा नहीं है कि अमेरिका में परिवार के महत्व को पहचाना नहीं जाता। अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति अल गोर की पत्नी तो परिवार की वापसी का नारा 1993 से लगा रही हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने चुनावी अभियान में परिवार के महत्व को बारंबार रेखांकित किया था, लेकिन पश्चिम ने जिस परिवार को अपने हाथों से नष्ट किया है, वह उसकी वापसी का चाहे जितना नारा लगा ले, अब वापस नहीं आने वाला। अमेरिकी समाज और छात्रों की इस स्थिति से हम भारतीय सबक जरूर ले सकते हैं।

(लेखिका साहित्यकार हैं)

response@jagran.com

## ऊर्जा

### एक अकेला

कहावत है-अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता। बात सही है, पर अकेला सूर्य पूरे जगत को प्रकाशित करता है। चंद्रमा अनगिनत तारों के साथ भी वैसा प्रकाश नहीं कर पाता। मनुष्य इस संसार में आता और जाता अकेला ही है। अपने पैरों का भरोसा ही उसका सच्चा साथ देता है। बहादुर और महापुरुष किसी आश्रय की प्रतीक्षा नहीं करते। वे अपने कदमों से अकेले ही अपनी मंजिल तय करते हैं। संगी-साथी आरंभ में साथ रहते हैं, पर कई बार राह में पीछे छूट जाते हैं।

यदि आप उस स्थिति में खड़े हैं, जहां सभी ने आपका साथ छोड़ दिया हो, आपसे मुंह मोड़ लिया हो, आपसे नाता तोड़ लिया हो, तो निराश होने अथवा घबराने की आवश्यकता नहीं। आपसे पहले भी अनेक लोग अकेले चल चुके हैं और अपने पैरों पर जीवन-यात्रा तय कर चुके हैं। आप अकेले हैं-इस सत्य को स्वीकार कर लेना आपके लिए वरदान सिद्ध होगा। इसका सदुपयोग कीजिए। महान व्यक्ति जो चीज खोजते हैं, वह उन्हें अपने भीतर मिलती है, जबकि कमजोर लोग दूसरों का मुंह ताकते रहते हैं। अपने ऊपर निर्भर रहकर ही मनुष्य जीवन में सत्य का साक्षात्कार करता है और कुछ प्राप्त करता है। मनुष्य को दो प्रकार से शिक्षा मिलती है-एक दूसरों के कहने-सुनने अथवा अध्ययन से और दूसरी शिक्षा जीवन और जगत की खुली पुस्तक से अर्थात अपने अनुभवों से। इनमें दूसरी प्रकार की शिक्षा ही स्थायी होती है। पहली शिक्षा केवल ऊपरी सहायता प्रदान करती है। यही कारण है कि आज ऊंची-से-ऊंची बातें कही और पढ़ी तो जाती हैं, पर उनका वास्तविक लाभ बहुत कम लोगों को मिलता है। उनसे वही व्यक्ति लाभ उठा सकता है, जो स्वयं निर्माणशील बुद्धि का प्रयोग करता है। अतः चाहे व्यापार, शिक्षा हो या उद्योग-आविष्कार और उपार्जन के सभी क्षेत्रों में वही व्यक्ति आगे बढ़ सकता है, जो अकेलेपन को दुर्बलता नहीं, बल्कि शक्ति मानकर उसका प्रयोग करना जानता है।

मुकेश ऋषि

## पाठकनामा

pathaknama@nda .jagran.com

### निर्यात संकट नीतिगत चूक की देन

'नए बाजार तलाशने की चुनौती' शीर्षक से प्रकाशित जयंतीलाल भंडारी का आलेख अमेरिकी व्यापार नीतियों और भारतीय निर्यात से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाता है, लेकिन इसके समाधान के पक्ष पर जरूरत से ज्यादा आशावाद दिखाई देता है। यह सही है कि अमेरिका द्वारा ईरान और रूस से जुड़े व्यापार पर लगाए गए टैरिफ से भारतीय निर्यात को झटका लग सकता है, परंतु सवाल यह है कि क्या भारत पहले से ही इतनी अधिक निर्भरता अमेरिकी बाजार पर नहीं बना चुका था? जब भारत के कुल निर्यात का लगभग पांचवां हिस्सा एक ही देश पर टिका हो, तो यह केवल बाहरी दबाव की समस्या नहीं, बल्कि हमारी दीर्घकालिक व्यापार रणनीति की कमजोरी भी है। आलेख में नए बाजारों की तलाश और मुक्त व्यापार समझौतों को समाधान के रूप में प्रस्तुत किया गया है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि भारतीय छोटे और मध्यम निर्यातक इन समझौतों का वास्तविक लाभ नहीं उठा पा रहे हैं, क्योंकि उन्हें जटिल नियमों, उच्च लाजिस्टिक लागत और गुणवत्ता मानकों की बाधाओं का सामना करना पड़ता है। सरकार द्वारा घोषित बजटीय सहायता और मार्केट एक्सेस सपोर्ट योजनाएं सुनने में प्रभावशाली लगती हैं, लेकिन पूर्व अनुभव बताते हैं कि ऐसी योजनाओं का लाभ सीमित वर्ग तक ही सिमट कर रह जाता है। आलेख में निर्यात वृद्धि और विकास दर के आंकड़े दिए गए हैं, परंतु यह भी विचारणीय है कि क्या यह वृद्धि टिकाऊ है या केवल अस्थायी वैश्विक परिस्थितियों का परिणाम। असली चुनौती स्थायी निर्यात आधार तैयार करने की है, न कि संकट आने पर विकल्प ढूंढ़ने की। अतः आवश्यकता इस बात की है कि भारत प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी व्यापार नीति अपनाए। अमेरिकी टैरिफ को चुनौती मानने के बजाय, उसे अपनी नीतिगत कमजोरियों को सुधारने का अवसर समझना चाहिए।

स्नेहा ठाकुर, भारतीय जनसंचार संस्थान, जम्मू

### भारत बन रहा है स्टार्टअप हब

भारत आज विश्व में अपने आप को स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित करने में लगा हुआ है। भारत मौजूदा समय में विश्व के उन अग्रणी देशों में से एक है जहां के युवा स्टार्टअप को अपने बिजनेस का भाग मान चुके है। भारत में आज दो लाख से अधिक स्टार्टअप है। जो साबित करता है कि आने वाले समय में भारत अपनेआप को एक स्टार्टअप और तकनीक के मामले में विश्व को नेतृत्व करने की दक्षता रखता है। हम सभी को यह भी स्वीकार करना होगा कि विभिन्न प्रकार के स्टार्टअप शुरू करने मे सरकार की भी भूमिका काफी महत्वपूर्ण रही है। सरकार ने आम युवाओं में विश्वास भरा कि सरकार उनके स्टार्टअप के साथ पूरी तरह से साथ है। जिसका नतीजा रहा कि आज युवाओं ने स्टार्टअप के क्षेत्र में नए मुकाम और नए उपलब्धियां हासिल की है। भारतीय युवाओं ने दिखाया कि स्टार्टअप सिर्फ एक विकसित देश का ही बिजनेस पहलू नहीं है। बल्कि भारत में अगर युवाओं को मौका मिले तो भारत के युवा भी स्टार्टअप में अपनी अलग पहचान बना सकते हैं।

विजय किशोर तिवारी, नई दिल्ली

### अमेरिका की तानाशाही

लोकतांत्रिक देश अमेरिका जिस देश ने सब चीजों में अग्रणी होने का रुतबा प्राप्त किया आज उसी देश की विदेश नीति सबसे निचले स्तर पर दिखाई दे रही है। अमेरिका ने विदेश नीति को दरकिनार करके व्यपारिक निति को तानाशाही नीति में परवर्तित कर दिया है। जिसमें केवल एक ही धारणा बनाई जा रही है कि पूरी दुनिया को किस तरह मुट्ठी में कर लिया जाए। इसके लिए अमेरिका ने साम, दाम, दंड, भेद, की नीति को लागु किया है। अमेरिका ने वेनुजुएला के राष्ट्रपति को अपहरण करना, रूसी जहजों को अपने कब्जे में लेना, चीन जा रहे तेल जहाजों को रोकना है। इसके साथ ही ईरान में हो रहे आंदोलन को समर्थन करना, ग्रीनलैंड पर हमले करने की धमकी देना, टैरिफ को बेसुमार ढंग से लागु करना है। अमेरिका फर्स्ट की नीति की वजह से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप आज दुनिया के लिए चर्चा का विषय बन गए है। रूस, चीन, फ्रांस, पेरिस, जापान, जैसे विकसित देशों के खिलाफ दूसरे देशों को व्यपार नीति को बंद करने, उनसे व्यपार न करने, अपने सामान को पूरी दुनिया में ज्यादा टैरिफ पर बचने जैसे फैसले अमेरिकी सीनेट के लिए उनकी आर्थिक नीति के लिए ठीक नहीं होंगे। इससे दुनिया में मंहगाई और बढ़ेगी आम आदमी की चीजें दूर हो जाएंगी। दुनिया के कुछ देश इसका विकल्प तलाशेंगे। इससे आने वाले समय में बेरोजगारी और बढ़ेगी। पूरी दुनिया में इसका असर दिखेगा और अमेरिका को अमेरिका फर्स्ट की नीति को त्याग करना पड़ेगा।

राजन तिवारी, नई दिल्ली

## X पोस्ट

बीएमसी हाथ से निकलना उद्धव ठाकरे के लिए अकल्पनीय झटका है। यही उनकी शिवसेना की मुंबई में ताकत का मुख्य स्रोत था, जो कई राज्यों के बजट को टक्कर देता है। अब सत्ता और संरक्षण, दोनों समाप्त हो गए हैं। स्वाति चतुर्वेदी@bainjal

जो मुंबई हित की बात करेगा, वही मुंबई पर राज करेगा। भाषा और प्रांत के झगड़ों से आज की मुंबई बहुत आगे निकल चुकी है। संजय निरुपम@sanjaynirupam

हर एक टोल पर ये लगातार डिस्प्ले होना चाहिए कि उस सड़क की लागत कितनी है, उस सड़क का सालाना मेंटेनेंस खर्च कितना है और अभी तक कितना पैसा वसूला जा चुका है। डा. अनुज कुमार@dranuj_k

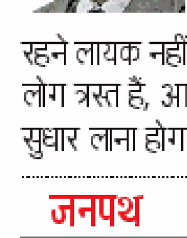

आर्थिक मोर्चे पर भारत अच्छा कर रहा है। जैसे जीडीपी वृद्धि सात-आठ प्रतिशत है। वित्तीय अनुशासन है। राजनीतिक स्थिरता है, लेकिन हमारी चुनौती कुछ और है। जैसे हमारे शहर रहने लायक नहीं हैं, न्याय व्यवस्था धीमी है, भ्रष्टाचार से लोग त्रस्त हैं, आरएंडडी का माहौल नहीं है। इन क्षेत्रों में सुधार लाना होगा। हर्ष गोयनका@hvgoenka

## जनपथ

'ब्रांड ठाकरे' पिट गया रही न बिल्कुल साख,
'हिंदु हृदय सम्राट' की हुई प्रतिष्ठा राख।
हुई प्रतिष्ठा राख मिले तो दोनों भाई,
पर भड़काऊ नीति कहीं भी काम न आई!
सोचें दोनों बंधु बैठ अब और क्या करें,
कैसे चले दुकान पिट गया 'ब्रांड ठाकरे'!!

- ओमप्रकाश तिवारी

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा जागरण प्रकाशन लि. के लिए डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित एवं 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित, संपादक (दिल्ली एनसीआर)-विष्णु प्रकाश त्रिपाठी
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय :0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No 50755/90 समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त। वर्ष 36 अंक 183

# सिर्फ उत्पादन नहीं, उत्पादकता में है गांव और किसान की समृद्धि

बजट 2026-27 बिगुल

- चीन और इजरायल जैसे देशों की तुलना में हमारी प्रति हेक्टेयर उपज दो ढाई गुना कम
- विविधीकरण के लिए आकर्षक प्रोत्साहन, सहकारिता और बाजार से जोड़ने पर हो ध्यान

अरविंद शर्मा • जागरण

**नई दिल्ली:** भारत की खेती केवल अन्न उत्पादन का साधन नहीं, बल्कि गांवों की अर्थव्यवस्था, सामाजिक ढांचे और राष्ट्रीय विकास की बुनियाद है। खेत मजबूत होंगे, तभी गांव संभलेंगे व सशक्त होंगे और देश की अर्थव्यवस्था टिकाऊ बन पाएगी। देश की लगभग दो-तिहाई आबादी आज भी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों पर निर्भर है। लेकिन यहां इनोवेशन की गति कम है। वस्तुतः गांव और किसान की खुशहाली जितना बजट पर निर्भर है उतना ही किसानों की मनोदशा पर भी। खेती को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने पर ही स्थिति तेजी से बदल सकती है, यह किसानों को समझना होगा और केंद्र से लेकर राज्य सरकारों को प्रोत्साहन के जरिये इसे बढ़ावा देना होगा।

खेती की सबसे बड़ी कमजोरी कम उत्पादकता दर है और इस दिशा में सरकारों की ओर से बहुत कम काम हो रहे हैं। कुल उत्पादन बढ़ने के बावजूद उत्पादकता में भारत आज भी चीन, इजरायल, अमेरिका, ब्राजील जैसे देशों से काफी पीछे है। औसतन दो से ढाई गुना कम उत्पादकता है। गेहूं, धान, दाल और तिलहन की उपज वैश्विक औसत से कम है। लगभग 86 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत हैं, जिनके पास सीमित जमीन है। ऐसे में किसानों की आय बढ़ाने का रास्ता सिर्फ दो हैं, पहला- प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ाना और दूसरा- उपज की बेहतर कीमत सुनिश्चित करना। लेकिन दोनों मोर्चों पर प्रगति सीमित है। उत्पादकता बढ़ने पर ही किसान अपनी जमीन पर पारंपरिक उपज की बजाय बाजार की मांग के अनुसार फसल बोएंगे।

### उम्मीद: 20 प्रतिशत तक बढ़ सकता है कृषि क्रेडिट लक्ष्य

प्री-बजट सलाहों-सुझावों से संकेत मिलता है कि सरकार वित्त वर्ष 2026-27 में कृषि क्षेत्र के लिए बड़े स्तर पर संसाधन बढ़ाने की दिशा में जा सकती है, ताकि उत्पादन, आय और ग्रामीण मांग को गति मिले। अहम संकेत कृषि ऋण लक्ष्य को लेकर हैं। चालू वित्त वर्ष में 32.5 लाख करोड़ रुपये के कृषि क्रेडिट लक्ष्य को अगले बजट में 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ाकर लगभग 36 लाख करोड़ रुपये किया जा सकता है। इस ऋण का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा शार्ट-टर्म फसल ऋण होता है, जो किसानों को सात प्रतिशत ब्याज दर पर मिलता है। समय पर भुगतान पर तीन प्रतिशत की अतिरिक्त ब्याज छूट से यह ऋण और सस्ता हो जाता है। इससे छोटे और सीमांत किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाने, बीज, उर्वरक और उपकरणों में निवेश का अवसर मिलेगा और ग्रामीण बाजार में मांग मजबूत होगी। मनरेगा के स्थान पर लाए गए नए कानून जी-रामजी के तहत सरकार ने पहले ही 1.51 लाख करोड़ रुपये के आवंटन का संकेत दिया है, जो पिछले वर्ष से करीब 70 प्रतिशत अधिक है।

विविधीकरण के लिए सरकार कृषि विधेयक लेकर आई थी लेकिन वह राजनीति की भेंट चढ़ गया। ऐसे में विविधीकरण के लिए प्रोत्साहन और उत्पादकता बढ़ाने पर जोर दिया जाना चाहिए।

एमएसपी पर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति के सदस्य डा. बिनोद आनंद का कहना है कि गांवों की समृद्धि के लिए किसानों को सहकारिता से जोड़ना जरूरी है। फसलों की मार्केटिंग नीति में बदलाव हो। को-आपरेटिव एक्सपोर्ट व कमोडिटी जोन बनाए जाने चाहिए, ताकि फसलों की खरीद, निर्यात और वैल्यू एडिशन की प्रक्रिया आसान हो सके। खाद्यान्न उत्पादन और निर्यात बढ़ा है, लेकिन उसका लाभ किसानों तक नहीं पहुंचा। खेती की लागत और बिक्री खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। सहकारिता से किसानों को उपज की वाजिब कीमत मिल सकेगी।

### सब्सिडी के बजाय दिए जाएं आकर्षक प्रोत्साहन

पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत सालाना छह हजार रुपये की सहायता से मदद जरूर मिल रही है। लेकिन वक्त की मांग है कि किसानों की अपनी आय इतनी बढ़े कि उन्हें इसकी जरूरत ही न रहे। यह काम बाजार की मांग के अनुसार वैज्ञानिक खेती से ही संभव है। बजट में अब किसी सब्सिडी की बजाय सीधे तौर पर आकर्षक प्रोत्साहन की जरूरत है। एग्रो केम फेडरेशन ऑफ इंडिया के महानिदेशक डा. कल्याण गोस्वामी भी मानते हैं कि किसान कल्याण के लिए उत्पादन सब्सिडी से आगे बढ़कर गुणवत्ता, निर्यात और तकनीक के एकीकरण पर ध्यान देना होगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमजोरी खेती तक सीमित नहीं है। कृषि रोजगार घट रहा है, लेकिन गैर-कृषि रोजगार उस रफ्तार से नहीं बढ़ा। लिहाजा बजट का ध्यान खेत के आसपास ही ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देने पर भी होना चाहिए।

### पिछला बजट की घोषणा का असर देखना अभी बाकी

पिछले बजट में कृषि क्षेत्र के लिए कई महत्वाकांक्षी मिशनों की घोषणा की गई थी। इनमें प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, उन्नत बीज मिशन, दाल आत्मनिर्भरता मिशन और फल-सब्जी उत्पादन को समर्थन देने वाली योजनाएं प्रमुख थीं। इनका उद्देश्य कम उत्पादकता वाले जिलों में खेती को लाभकारी बनाना, बेहतर बीज और अनुसंधान के जरिए पैदावार बढ़ाना तथा किसानों की आय में सुधार लाना था। अभी काम जारी है। धन-धान्य

योजना के लिए सौ पिछड़े जिलों की पहचान कर ली गई है और आगे की प्रक्रिया चल रही है।

## एक नजर में

### 2025 में फिनटेक सेक्टर ने 2.4 अरब डालर जुटाए

**नई दिल्ली:** कैलेंडर वर्ष 2025 के दौरान भारत के फिनटेक क्षेत्र ने कुल 2.4 अरब डालर की राशि जुटाई और इसमें वार्षिक आधार पर दो प्रतिशत की वृद्धि रही है। मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफार्म ट्रेक्शन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में इस क्षेत्र ने 2.3 अरब डालर की राशि जुटाई थी। रिपोर्ट के अनुसार, फंड जुटाने के मामले में अमेरिका और ब्रिटेन के बाद भारत वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर रहा है। पिछले वर्ष शुरुआती स्तर की कंपनियों ने 1.2 अरब डालर जुटाए हैं। (आइएएनएस)

### विदेशी मुद्रा भंडार में 39.2 करोड़ डालर की वृद्धि

**मुंबई:** देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते सप्ताह 39.2 करोड़ डालर की वृद्धि हुई है। आरबीआइ के अनुसार, नौ जनवरी को समाप्त सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 687.19 अरब डालर रहा है। आरबीआइ के अनुसार, बीते सप्ताह विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.124 अरब डालर घटकर 550.866 अरब डालर रह गई हैं। हालांकि, इस दौरान स्वर्ण भंडार 1.568 अरब डालर बढ़कर है और यह 112.83 अरब डालर पर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास जमा 1.3 करोड़ डालर घटा है। (प्रेट्र)

### सात कंपनियों को मिली आइपीओ लाने की मंजूरी

**नई दिल्ली:** सात कंपनियों को कैपिटल मार्केट रेग्युलेटर सेबी से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है। इन कंपनियों में रियल एस्टेट फर्म रुनवाल डेवलपर्स, इंजीनियरिंग समाधान प्रदाता लालबाबा इंजीनियरिंग, सोना व चांदी की बिक्री करने वाला प्लेटफार्म आग्मोंट एंटरप्राइजेज, विशेष रसायन निर्माता सुप्रीत केमिकल्स, इको-फ्रेंडली कागज निर्माता सिल्वरटोन इंडस्ट्रीज, लाजिस्टिक्स सेवाएं देने वाली सीजे डार्सल लाजिस्टिक्स और फर्टिलिटी सेवाप्रदाता गौडियम आइवीएफ एंड वूमन हेल्थ लिमिटेड शामिल हैं। यह कंपनियां संयुक्त रूप से 4,500 करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाएंगी। (प्रेट्र)

# एजेंटों के जरिये भी मिलेंगी ईपीएफओ की सेवाएं

## सदस्यों को बेहतर और त्वरित सेवा देने के लिए ईपीएफओ के प्रस्ताव को श्रम मंत्रालय ने दी हरी झंडी

संजय मिश्र • जागरण

- अब मंजूरी के लिए न्यासी बोर्ड की बैठक में रखा जाएगा प्रस्ताव
- सुविधाप्रदाता एजेंटों को ट्रेनिंग और लाइसेंस देगा ईपीएफओ

**नई दिल्ली:** कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने सदस्यों को उनके ईपीएफ खाते के स्थानांतरण, निकासी, एक से दूसरी नौकरी के बीच की सेवाओं के समायोजन जैसी सेवाओं को सहजता से उपलब्ध कराने के लिए अब सुविधाप्रदाताओं की तैनाती करेगा। केंद्रीय श्रम मंत्रालय इनकम टैक्स और जीएसटी सेवाओं की सुविधा देने वाले एजेंटों की तर्ज पर ईपीएफओ की सेवाओं के त्वरित समाधान के लिए इन सुविधाप्रदाताओं की जरूरत महसूस कर रहा है। इसके मद्देनजर ही पहली बार ईपीएफओ में लाइसेंसधारक सेवाप्रदाता एजेंट के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के प्रस्ताव को केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने हरी झंडी दे दी है। ईपीएफओ न्यासी बोर्ड की अगली बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

सुविधाप्रदाता एजेंटों को रखे जाने की यह पहल ईपीएफओ सेवाओं के सरलीकरण तथा सुधार के प्रयासों की अगली कड़ी का हिस्सा है। इस बारे में श्रम मंत्रालय के शीर्षस्थ आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि ईपीएफओ के सदस्य बड़ी संख्या में निकासी, स्थानांतरण से लेकर अग्रिम जैसी तमाम सेवाओं की प्रक्रियाओं- चाहे कागजी हो या आनलाइन, सहज नहीं होते हैं। इसकी वजह से सामान्य सेवाओं का लाभ लेने में उन्हें दिक्कत या विलंब होता है। पीएफओ सेवाप्रदाता इसमें समाधान एजेंट की भूमिका निभाएंगे। श्रम मंत्रालय ने सेवाप्रदाता एजेंट बनाने की जो रूपरेखा बनाई है, उसमें इनका चयन कर पहले पूरी ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके उपरांत चयनित सेवाप्रदाताओं को लाइसेंस जारी किए जाएंगे, जो देश भर के ईपीएफओ कार्यालयों में खाताधारकों को त्वरित सुविधा दिलाने में मदद करेंगे। सेवाप्रदाता एजेंटों को कोई वेतन नहीं मिलेगा, बल्कि ईपीएफ की अलग-अलग सेवाओं के लिए सरकार द्वारा मामूली सुविधा शुल्क तय किए जाएंगे। खाताधारक इन तय शुल्कों का भुगतान कर ईपीएफ सेवाओं का यथाशीघ्र लाभ ले सकते हैं। श्रम मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, ईपीएफओ की न्यासी बोर्ड की फरवरी में होने वाली बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए रखा जाएगा। न्यासी बोर्ड ही ईपीएफओ से जुड़े सभी नीतिगत मामलों तथा प्रस्तावों पर अंतिम निर्णय करती है।

### ईपीएफओ 2.0 के तहत कई सुधार लागू हुए

वैसे ईपीएफओ 2.0 के तहत हुए सुधारों के तहत खाताधारकों के लिए कई आनलाइन सेवाएं पहले ही लागू की जा चुकी हैं। इनसे पीएफ निकासी से लेकर खाता ट्रांसफर जैसी सुविधाएं काफी सहज हुई हैं। इसी कड़ी में अगला लक्ष्य ईपीएफ खाताधारकों को यूपीआइ के जरिये तत्काल रकम निकालने की सुविधा प्रदाना करना है। श्रम मंत्री मांडविया पहले ही इस वर्ष मार्च तक ईपीएफ खातों को यूपीआइ से जोड़ने की घोषणा कर चुके हैं। इसके बाद एटीएम सुविधा देने की पहल भी गति पकड़ेगी। माना जा रहा है कि अप्रैल से यह सुविधा दी जा सकती है। ईपीएफओ में सुधारों का नतीजा ही है कि दिसंबर 2025 तक करीब 65.75 लाख पीएफ खातों का सहज ट्रांसफर हो चुका है। जबकि इसी अवधि में 4.60 करोड़ दावों का निस्तारण किया गया और 70 लाख से अधिक पेंशनधारकों को निर्बाध रूप से मासिक पेंशन मिल रहा है।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

# कच्चे तेल में मजबूती से 44 पैसे लुढ़का रुपया

- अमेरिकी डालर के मुकाबले 90.78 पर बंद हुई भारतीय मुद्रा
- वैश्विक अस्थिरता और विदेशी निकासी का भी दिख रहा असर

**मुंबई, प्रेट्र:** कच्चे तेल में मजबूती और विदेशी फंडों की लगातार निकासी के कारण भारतीय रुपये में शुक्रवार को लगातार तीसरे सत्र में गिरावट दर्ज की गई और यह अमेरिकी डालर के मुकाबले 44 पैसे कमजोर होकर 90.78 पर बंद हुआ। जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजार में अस्थिरता और मजबूत अमेरिकी मुद्रा ने विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी को तेज कर दिया, जबकि घरेलू निवेशक आकर्षक मूल्य पर खरीदारी में जुटे हैं।

कारोबारियों का कहना है कि दिसंबर 2025 में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 25.04 अरब डालर रहा है, जो इसी वर्ष नवंबर में 24.53 अरब डालर और दिसंबर 2024 में 22 अरब डालर था। इससे रुपये पर दबाव दिखा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डालर के मुकाबले रुपया 90.37 के स्तर पर खुला और दिनभर के कारोबार में 90.89 के निचले स्तर तक पहुंचा। अंत में यह 44 पैसे गिरकर 90.78 पर बंद हुआ। मिरे एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी का कहना है कि अमेरिका में उम्मीद से बेहतर बेरोजगारी दावे और मैन्यूफैक्चरिंग डाटा के बाद डालर मजबूत हुआ है।

### एक फरवरी को खुलेंगे घरेलू शेयर बाजार

केंद्रीय बजट 2026-27 के चलते दोनों प्रमुख एक्सचेंज बीएसई और एनएसई एक फरवरी 2026 (रविवार) को खुले रहेंगे। दोनों एक्सचेंज ने शुक्रवार को बताया कि एक फरवरी को 9.15 से 3.30 बजे तक कारोबार होगा।

# भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी उपयोगकर्ता

- देश में 40 करोड़ से ज्यादा हुई 5जी यूजर्स की संख्या
- इस तकनीक को अपनाने में सबसे तेज देशों में भारत

**नई दिल्ली, एएनआइ:** केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी उपयोगकर्ता बन गया है और देश में 5जी यूजर्स की संख्या 40 करोड़ से अधिक है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में इस तकनीक को अपनाने में सबसे तेज देशों में से एक है। 5जी उपयोगकर्ता में चीन पहले स्थान पर है।

एक एक्स पोस्ट में सिंधिया ने कहा कि 2022 में लांचिंग के बाद अब 5जी सेवाएं पूरे देश में उपलब्ध हैं। इस समय 85 प्रतिशत जनसंख्या 5जी सेवाओं के कवरेज में है। मार्च 2025 तक दूरसंचार कंपनियों ने 4.69 लाख 5जी बेस ट्रांससीवर स्टेशनों की स्थापना कर दी थी। यह 5जी सेवाओं का सबसे तेज विस्तार है। लांच से अब तक करीब 25 करोड़ मोबाइल यूजर 5जी सेवाएं इस्तेमाल कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दूरदराज के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में भी सुधार हुआ है और ग्रामीण टेलीफोन कनेक्शन में 42.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मार्च 2014 में ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीफोन कनेक्शन की संख्या 37.77 करोड़ थी, जो सितंबर 2025 में 53.98 करोड़ हो गई है।

भारत ने इंटरनेट कनेक्शन के मामले में भी 100 करोड़ का मील का पत्थर पार कर लिया है, जो 100.29 करोड़ तक पहुंच गया है। मार्च 2014 की तुलना में इंटरनेट कनेक्शन की संख्या में 298.77 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

# खुदरा कारोबार में कमजोरी से स्थिर रहा रिलायंस का लाभ

**मुंबई, प्रेट्र:** रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शुक्रवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) के दौरान उसका शुद्ध लाभ 18,645 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा है। इसका प्रमुख कारण गैस उत्पादन में गिरावट और खुदरा कारोबार में कमजोरी रही है। अक्टूबर-दिसंबर 2024 के दौरान कंपनी को 18,540 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

जीएसटी दरों में समायोजन, उपभोक्ता उत्पाद कारोबार के विभाजन और त्योहारी खरीदारी के दो तिमाही में बंटने के कारण देश के सबसे बड़े समूह के खुदरा कारोबार की आय में धीमी वृद्धि रही है। इसने ऊर्जा और डिजिटल कारोबार के बेहतर लाभ को संतुलित किया है। बीती तिमाही के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का राजस्व बढ़कर 2.69 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो अक्टूबर-दिसंबर 2024 में 2.43 लाख करोड़ रुपये था। कंपनी का कर-पूर्व लाभ 6.1 प्रतिशत बढ़कर 48,003 करोड़ रुपये रहा है।

डिजिटल और दूरसंचार कारोबार करने वाले जियो प्लेटफार्म्स का बीती तिमाही में लाभ 11.2 प्रतिशत बढ़कर 7,629 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान प्रति ग्राहक औसत राजस्व (एआरपीयू) बढ़कर 213.7 रुपये हो गया है। बीती तिमाही के दौरान जियो प्लेटफार्म्स का सब्सक्राइबर्स आधार करीब 13 प्रतिशत बढ़कर 51.53 करोड़ हो गया है।

बीती तिमाही में तेल व गैस कारोबार का कर-पूर्व लाभ 13 प्रतिशत घटकर 4,857 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान उत्पादन करीब 10 प्रतिशत घटा है। रिटेल कारोबार का लाभ 2.7 प्रतिशत बढ़कर 3,551 करोड़ रुपये रहा है। तिमाही नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में सभी कारोबार लगातार वित्तीय और संचालन स्तर पर मजबूत प्रदर्शन कर रहे हैं।

**18,645** करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ रिलायंस को बीती तिमाही में

**2.69** लाख करोड़ रुपये रहा अक्टूबर-दिसंबर 2025 में कंपनी का कुल राजस्व

### नए लेबर कोड लागू करने से विप्रो का लाभ सात प्रतिशत घटा

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** आइटी सेवा कंपनी विप्रो ने शुक्रवार को कहा कि नए श्रम कोड लागू करने से अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही में उसका शुद्ध लाभ सात प्रतिशत घटकर 3,199 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 3,353.8 करोड़ रुपये था। नए लेबर कोडों के कार्यान्वयन के चलते कंपनी पर 302.8 करोड़ रुपये का वन-टाइम बोझ पड़ा है। बीती तिमाही में विप्रो की संचालन आय 5.5 प्रतिशत बढ़कर 23,555.8 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वर्ष 22,318.8 करोड़ रुपये थी। इससे पहले विप्रो की बड़ी प्रतिस्पर्धियों- टीसीएस, इन्फोसिस और एचसीएल टेक ने भी नए लेबर कोड के कारण क्रमशः 2,128 करोड़ रुपये, 1,289 करोड़ रुपये और 719 करोड़ रुपये के नुकसान की बात कही है।

**टेक महिंद्रा का शुद्ध लाभ 14 प्रतिशत बढ़ा:** टेक महिंद्रा ने शुक्रवार को बताया कि बीती तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 14.11 प्रतिशत बढ़कर 1,122 करोड़ रुपये रहा है। अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही के दौरान कंपनी को 983.2 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

# लगातार छठे दिन महंगी हुई चांदी

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** स्टाकिस्ट की लगातार खरीदारी के कारण चांदी की कीमतों में तेजी जारी है और इसमें छठे दिन बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

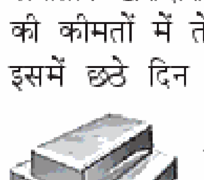

आल इंडिया सराफा एसोसिएशन के अनुसार, दिल्ली में शुक्रवार को चांदी की कीमत 3,600 रुपये बढ़कर 2,92,600 रुपये प्रति किलोग्राम के नए उच्च स्तर पर पहुंच गई।

हालांकि, सोना अपने उच्च स्तर से फिसला है और यह 1,100 रुपये घटकर 1,46,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। बीते छह सत्रों में चांदी की कीमत 49,100 रुपये या 20.16 प्रतिशत बढ़ चुकी है। वहीं, कैलेंडर वर्ष 2026 में यह 22.4 प्रतिशत बढ़ चुकी है। वैश्विक बाजारों में चांदी 2.08 डालर गिरकर 90.33 डालर प्रति औंस और सोना 12.46 डालर गिरकर 4,603.51 डालर प्रति औंस पर आ गया है।

राष्ट्रीय जागरण

# ईडी अफसरों के खिलाफ पुलिस जांच पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

**राज्य ब्यूरो, जागरण • रांची:** झारखंड में ईडी अफसरों के विरुद्ध दर्ज कराई गई मारपीट मामले की पुलिस जांच पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने माना कि प्रथम दृष्टया यह ईडी द्वारा की जा रही संवेदनशील जांच को बाधित करने का प्रयास भी हो सकता है। अदालत ने केंद्रीय गृह सचिव को भी पक्षकार बनाने का निर्देश देते हुए उन्हें रांची में स्थित ईडी कार्यालय की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीआइएसएफ, बीएसएफ या अन्य अर्द्धसैनिक बल की तैनाती करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई नौ फरवरी को होगी।

कोर्ट ने ईडी अफसरों पर मारपीट का आरोप लगाने वाले पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कैशियर संतोष कुमार को भी प्रतिवादी बनाते हुए जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। झारखंड के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में 22 करोड़ के गबन के आरोपित कैशियर संतोष ने रांची एयरपोर्ट थाने में ईडी के दो अफसरों के खिलाफ मारपीट की प्राथमिकी दर्ज कराई है। गुरुवार को रांची पुलिस जांच करने ईडी कार्यालय पहुंची थी।

### मनी लांड्रिंग मामले में दिल्ली व अन्य राज्यों में छापेमारी

**नई दिल्ली, एएनआइ:** ईडी ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थों से मनी लांड्रिंग मामले में दिल्ली, गोवा सहित सात राज्यों में 26 परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया। यह तलाशी मधुपन सुरेश शशिकला और अन्य से संबंधित है, जो ड्रग्स तस्करी व अपराध की आय को मनी लांड्रिंग करने से जुड़ी है। इस दौरान प्रतिबंधित पदार्थ समेत नकदी जब्त की गई।

### बंगाल में अमर्त्य सेन के घर से दस्तावेज एकत्र किए गए

**जासं, कोलकाता:** निर्वाचन अधिकारी बंगाल में मतदाता सूची के एसआइआर प्रक्रिया के तहत शुक्रवार को बीरभूम जिले के बोलपुर स्थित नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन के घर पर गए और उनके आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किए। सेन इस समय अमेरिका में हैं। गणना प्रपत्र में उम्र संबंधी विसंगतियों के कारण उन्हें नोटिस जारी किया गया था।

### आज का भविष्यफल

**17 जनवरी, 2026 शनिवार**

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: माघ मास कृष्ण पक्ष चतुर्दशी।
आज का राहुकाल: प्रातः 09 बजे से 10 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल: पूर्व
आज की भद्रा प्रात: 11 बजकर 13 मिनट तक।
विशेष: बुध मकर राशि में।

**कल 18 जनवरी, 2026 का पंचांग**

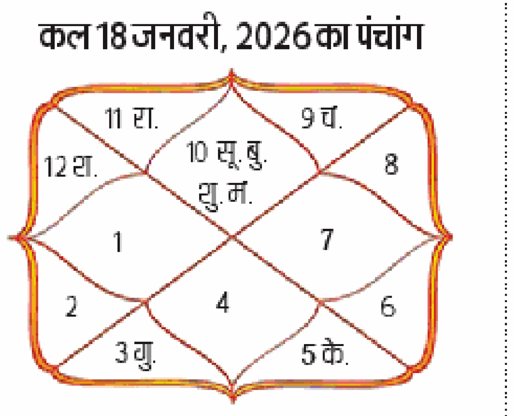


कल का दिशाशूल: पश्चिम
कल का पर्व एवं त्योहार: मौनी अमावस्या, स्नानदान की अमावस्या। विशेष: प्रयागराज में विशेष स्नान।
विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु माघ मास कृष्ण पक्ष की अमावस्या तत्पश्चात प्रतिपदा, पूर्वाआषाढ़ा नक्षत्र तत्पश्चात उत्तराआषाढ़ा नक्षत्र, हर्षण योग तत्पश्चात वज्र योग, धनु में चंद्रमा 16 घंटे 41 मिनट तक तत्पश्चात मकर में।

**मेष:** महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

**वृष:** आर्थिक योजना फलीभूत होगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ सकती है।

**मिथुन:** रोग या विरोधी मानसिक क्लेश दे सकता है। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

**कर्क:** मांगलिक या सांस्कृतिक कार्य की दिशा में चल रहा प्रयास किसी सीमा तक सफल होगा।

**सिंह:** किसी उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। आज का किया गया दान आपकी प्रगति में सहायक होगा।

**कन्या:** व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा।

**तुला:** चल या अचल संपत्ति के मामलों में सफलता मिलेगी। रिश्तों में निकटता आएगी।

**वृश्चिक:** पारिवारिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। धन, सम्मान में वृद्धि होगी।

**धनु:** बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। आस्था बढ़ेगी।

**मकर:** अहंकार पर नियंत्रण रखें। रिश्ते खराब हो सकते हैं। भाई-बहन या पड़ोसी से तनाव मिल सकता है।

**कुंभ:** जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। जीवन सुखमय होगा।

**मीन:** धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रिश्तों में निकटता आएगी।

### वर्ग पहेली-3222

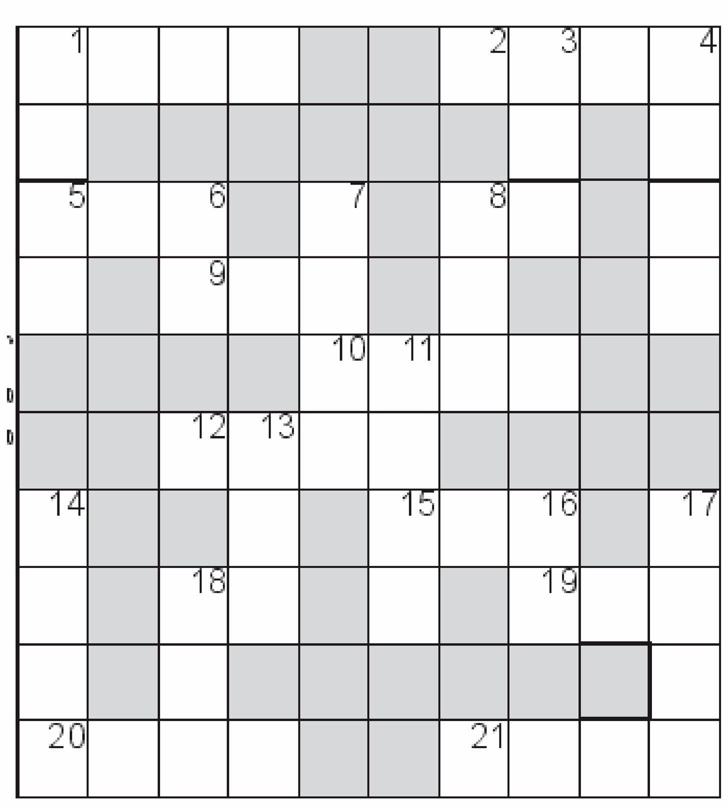


© Bird Features & Writing Agency

**बाएं से दाएं**
1. हार, शिकस्त (4)।
2. एक जैसा, सम (4)।
5. सचमुच (3)।
8. घंटा बजने का शब्द (2)।
9. खट्टापन (3)।
10. वहन करने योग्य (4)।
12. समावेश (4)। 15. यूनानी चिकित्साशास्त्री (3)।
18. अंधकार, अंधेरा (2)।
19. प्रतिलिपि, कापी (3)।
20. अंधकार को दूर करने वाला (4)। 21. मानना (4)।

**ऊपर से नीचे**
1. मतलब, ध्यान (4)।
3. एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक का उपनाम (3)।
4. चंद्रमा, ओशो का एक नाम (4)।
6. गन्ना (2)। 7. भेड़-बकरी चराने वाला (4)। 8. वृक्ष की डाली, शाखा (3)।
11. महादेव के उद्घोष में प्रयुक्त शब्द (2,2)।
13. मृत्यु शोक (3)।
14. सज्जनता, भलमनसाहत (4)।
16. जी, अंतःकरण (2)।
17. पीछे मुड़ना (4)।
18. प्रकार (3)।

### कल का हल

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वा | ता | व | र | ण | | | अ | का | ल |
| चा | | ज | | | | | | | प |
| ल | | न | या | प | न | | द | ख | ल |
| | | | च | | मं | यू | र | | पा |
| | | पा | ना | | | | वा | | ना |
| प | | व | | | | स | जा | | |
| र | | दा | य | रा | | ला | | | |
| म | न | न | | म | नो | ह | र | | का |
| वी | | | | | | | ह | | स |
| र | च | ना | | | च | र | म | रा | ना |

### जागरण सुडोकू-3222

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 9 | 1 | | 4 | | 6 | | 3 |
| | | | | 3 | | | 7 | |
| 2 | 3 | | 8 | | 6 | | 9 | |
| 1 | 7 | | 3 | | | 2 | | 6 |
| | 6 | | | 2 | 5 | | 8 | |
| 4 | | 2 | | 7 | | | | 9 |
| | 5 | | 1 | | 2 | | 3 | 7 |
| | | 3 | | 5 | | 8 | | |
| 9 | 2 | | 7 | | 3 | | 1 | 5 |

कल का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 6 | 1 | 2 | 5 | 7 | 9 | 3 | 4 |
| 9 | 5 | 2 | 4 | 3 | 6 | 1 | 8 | 7 |
| 4 | 7 | 3 | 8 | 9 | 1 | 2 | 5 | 6 |
| 3 | 1 | 4 | 6 | 7 | 2 | 8 | 9 | 5 |
| 2 | 9 | 7 | 5 | 8 | 4 | 3 | 6 | 1 |
| 5 | 8 | 6 | 3 | 1 | 9 | 4 | 7 | 2 |
| 1 | 3 | 8 | 7 | 2 | 5 | 6 | 4 | 9 |
| 7 | 4 | 9 | 1 | 6 | 3 | 5 | 2 | 8 |
| 6 | 2 | 5 | 9 | 4 | 8 | 7 | 1 | 3 |

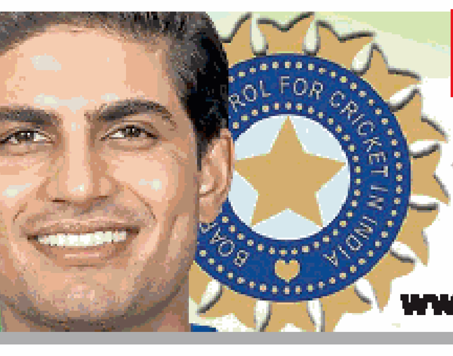

# कीवियों से टक्कर

# कभी जो ताकत थी, वही अब बनी कमजोर कड़ी

## रविवार को होने वाले तीसरे व निर्णायक वनडे मैच में स्पिन गेंदबाजी ही करेगी फैसला

**नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर :** भारत का मौसम और स्पिन गेंदबाजी भ्रमणकारी टीमों के लिए हमेशा से चिंता का कारण रही हैं। मगर न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया सीरीज में यही दोनों भारत की कमजोरी बन गए हैं। ठंड के मौसम से कीवी टीम सहज है और भारतीय स्पिन गेंदबाजों के लय में न होने से उनके बल्ले जमकर गरज रहे हैं। अब सीरीज निर्णायक मोड़ पर है और न्यूजीलैंड टीम का पूरा जोर स्पिनर गेंदबाजों पर ही है। इंदौर में शुक्रवार को भारतीय टीम ने आराम किया, लेकिन न्यूजीलैंड की टीम ने तीन घंटे अभ्यास में पसीना बहाया। इस दौरान अधिकांश समय स्पिन गेंदबाजी का ही सामना किया।

इंदौर के होलकर स्टेडियम में 18 जनवरी को तीसरा और अंतिम वनडे मैच खेला जाएगा। मैदान की बाउंड्री तुलनात्मक रूप से छोटी है और विकेट भी पारंपरिक रूप से बल्लेबाजों को सहयोग करता है। कीवी टीम को पता है कि जीत का रास्ता स्पिन का तिलिस्म तोड़कर ही निकलेगा। दूसरे वनडे में भारतीय गेंदबाज 284 रनों का सशक्त स्कोर का बचाव नहीं कर सके थे। कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा की गेंदों में उनकी ख्याति के अनुसार चमक नहीं दिखी है। कुलदीप ने 10 ओवर में 82 रन खर्च कर सिर्फ एक विकेट लिया वहीं जडेजा आठ ओवर में 44 रन देकर खाली हाथ रहे। मगर कुछ मैचों से इतने बड़े खिलाड़ियों को खारिज नहीं किया जा सकता। कुलदीप की फ्लाइट लेती गेंदों ने विपक्षी बल्लेबाजों को खास परेशान नहीं किया। स्पिनरों को ललचाने के बजाए बल्लेबाजों को क्रीज में बांधने पर जोर देना होगा क्योंकि छोटे मैदान में मिस-हिट भी बाउंड्री बन जाती है। नितिश कुमार रेड्डी की जगह आफ स्पिन करने वाले आयुष बडोनी को अवसर दिया जा सकता है। नितिश रेड्डी ने सिर्फ दो ओवर गेंदबाजी की और रन भी ज्यादा नहीं बनाए। फिलहाल बल्लेबाजी में बहुत ज्यादा चिंता नहीं है, लेकिन निचलाक्रम परेशानी का सबब बना है।

तमाम संभावनाओं के बीच न्यूजीलैंड टीम ने शुक्रवार को करीब तीन घंटा स्पिन गेंदों का ही अभ्यास किया। न्यूजीलैंड टीम में भारतीय मूल के दाएं हाथ के लेग ब्रेक गेंदबाज आदित्य अशोक ने काफी देर तक गेंदबाजी की। उनके अलावा जेडन लेनाक्स, माइकल ब्रेसवेल और ग्लेन फिलिप्स ने भी बल्लेबाजों को विभिन्न परिस्थितियों में शाट खेलने का अभ्यास कराया। स्पिन के प्रति गंभीरता ऐसी रही कि नेट गेंदबाज के रूप में सिर्फ स्पिनर ही बुलाए गए थे। ओपनर डेवोन कोन्वे भी शुरुआत से लेकर अंत तक क्रीज पर डटे रहे। इस दौरान किसी ने भी फील्डिंग का अभ्यास नहीं किया। अगर भारतीय टीम की बात करें तो उसके पास इस मैच में ज्यादा बदलाव करने की गुंजाइश नहीं है। वाशिंगटन सुंदर की जगह एक बदलाव किया जा सकता है। अगर भारतीय टीम राजकोट में जीत जाती तो बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करते हुए यशस्वी जायसवाल को यहां मौका दिया जा सकता था।

मां बगलामुखी मंदिर में पूजा के दौरान भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर। इस दौरान उनके साथ सितांशु कोटक भी उपस्थित रहे ● नईदुनिया

उज्जैन के महाकाल मंदिर में नंदीजी का जलाभिषेक करते केएल राहुल ● सौ. मंदिर समिति

### गंभीर ने किए महाकाल के दर्शन, बगलामुखी मंदिर में किया अनुष्ठान

**इंदौर:** भारतीय कोच गौतम गंभीर ने शुक्रवार को भगवान महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए। इसके बाद टीम के प्रमुख बल्लेबाज केएल राहुल भी दर्शन करने पहुंचे। उन्होंने नंदी हाल में जलाभिषेक तथा कोटितीर्थ कुंड के समीप स्थित हनुमानजी के दर्शन किए। दोनों इससे पहले भी कई बार दर्शन करने मंदिर आते रहे हैं। गौतम गंभीर बल्लेबाजी कोच सितांशु के साथ नलखेड़ा स्थित सिद्ध मां बगलामुखी मंदिर भी पहुंचे। उन्होंने पीले वस्त्र पहनकर गर्भगृह में पूजन-अर्चन व हवन भी किया। मंत्रोच्चार के बीच हुए अनुष्ठान में वे काफी समय तक तल्लीन नजर आए। माना जाता है कि मां बगलामुखी शत्रुओं पर विजय और बाधाओं के निवारण की अधिष्ठात्री देवी हैं। गौतम गंभीर इससे पहले भी टीम के मैच से पहले मंदिरों के दर्शन कर चुके हैं। कोलकाता में द. अफ्रीका के विरुद्ध टेस्ट मैच से पहले वह प्रसिद्ध कालीबाड़ी मंदिर पहुंचे थे। वहीं असम में कामाख्या देवी के दर्शन भी किए थे।

## बिश्नोई टी-20 टीम में, श्रेयस भी पहले तीन मैचों के लिए शामिल

**न्यूजीलैंड के विरुद्ध टी-20 सीरीज में तिलक की जगह श्रेयस और वाशिंगटन सुंदर की जगह रवि बिश्नोई को मिली जगह**

**जागरण न्यूज नेटवर्क ● नई दिल्ली :** लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को शुक्रवार को न्यूजीलैंड के विरुद्ध पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए चोटिल वाशिंगटन सुंदर की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया। वहीं अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भी शुरुआती तीन मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है क्योंकि तिलक वर्मा कमर में मांसपेशियों के कारण टीम से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड के विरुद्ध टी-20 सीरीज 21 नवंबर से नागपुर में शुरू होगी।

बीसीसीआइ ने शुक्रवार को बताया, वाशिंगटन सुंदर की जगह चयन समिति ने रवि बिश्नोई को टीम में शामिल किया गया है। बिश्नोई ने 42 टी-20 में 61 विकेट लिए हैं जिनमें से आखिरी मैच फरवरी 2025 में इंग्लैंड के विरुद्ध खेला था। बोर्ड ने कहा, वाशिंगटन सुंदर ने 11 जनवरी को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में न्यूजीलैंड के विरुद्ध पहले वनडे के दौरान गेंदबाजी करते समय पसली के क्षेत्र में तेज दर्द की शिकायत की थी जिसके बाद उनका स्कैन कराया गया। वाशिंगटन अब ठीक होने के लिए बीसीसीआइ के सेंटर आफ एक्सीलेंस जाएंगे।

भारतीय टीम : सूर्यकुमार (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, श्रेयस अय्यर (पहले तीन मैच), हार्दिक, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, रिंकू सिंह, बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप, कुलदीप यादव, वरुण, इशान और रवि बिश्नोई।

## बांग्लादेश के विरुद्ध भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार

**आज का मैच**
भारत vs बांग्लादेश
दोपहर 1:00 बजे | स्थान: बुलावायो
स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क/जियो हाटस्टार

**बुलावायो, प्रेट्र :** पहले मैच में अमेरिका के विरुद्ध आत्मविश्वास से भरी जीत हासिल करने के बाद भारतीय टीम शनिवार को आइसीसी अंडर-19 विश्व कप के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश की कड़ी चुनौती के बावजूद जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। पांच बार की चैंपियन भारत ने बारिश से प्रभावित मैच में अमेरिका को केवल 107 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत दर्ज करके अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी।

अमेरिका के विरुद्ध भारत के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल पटेल ने सात ओवरों में 16 रन देकर पांच विकेट लिए, जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। इसमे अलावा भारतीय बल्लेबाजी क्रम में भी कई स्टार खिलाड़ी शामिल हैं, जो बांग्लादेश से मैच अपने पक्ष में करने की योग्यता रखते हैं। जिसमें 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी, उप कप्तान विहान मल्होत्रा, आलराउंडर आरोन जार्ज और वेदांत त्रिवेदी और विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू शामिल हैं। हालांकि अजीजुल हाकिम तमीम की अगुआई वाली बांग्लादेश टीम को भी भारत की आयुष म्हात्रे के नेतृत्व वाली टीम के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकती है।

**हेनिल बोले, मुझे डेल स्टेन की आक्रामकता बहुत पसंद :** अमेरिका के विरुद्ध अंडर-19 विश्व कप के पहले मैच में 16 रन देकर पांच विकेट लेकर भारत की छह विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज हेनिल पटेल ने कहा कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन की मैदान पर आक्रामकता से प्रेरणा मिलती है। हेनिल का गुरुवार को अमेरिका के विरुद्ध किया गया प्रदर्शन पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप में किसी भारतीय गेंदबाज का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हेनिल ने आइसीसी डिजिटल से कहा कि स्टेन की गेंदबाजी इतनी अच्छी थी कि कोई भी बल्लेबाज उनके सामने खुलकर नहीं खेल पाता था। मैं भी बल्लेबाज को तीन से चार गेंदों के भीतर आउट करने के बारे में सोचता हूं। हेनिलल को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया था।

वेदांत त्रिवेदी ● आइसीसी

- दूसरे मैच में आज भारतीय टीम का सामना बांग्लादेश से
- पहले मैच में भारत ने अमेरिका को छह विकेट से हराया था

## खेल डायरी

### पहले दौर में जावोखिर सिंदारोव से भिड़ेंगे डी गुकेश

**विज्कआन जी (नीदरलैंड्स), प्रेट्र :** विश्व चैंपियन डी गुकेश 2025 की अपनी असफलताओं को पीछे छोड़कर शनिवार से शुरू होने वाले टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में नई शुरुआत करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जहां पहले दौर में उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव से होगा। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट विश्व के सबसे पुराने टूर्नामेंट में से एक है। इसकी शुरुआत 1938 से हुई थी और 2011 से इसका आयोजन टाटा स्टील के बैनर तले किया जा रहा है। भारतीय खिलाड़ियों को इस बार टूर्नामेंट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

डी गुकेश ● फाइल फोटो

गुकेश ने 2024 में चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। वह टाटा स्टील टूर्नामेंट में पिछली बार हमवतन आर प्रगनानंद से टाइब्रेक में हार कर दूसरे स्थान पर रहे थे।

### इंग्लैंड की मिश्रित दिव्यांग टीम भारत में खेलेगी

**जागरण न्यूज नेटवर्क ● नई दिल्ली:** इंग्लैंड की मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट टीम जनवरी माह के अंत में भारत से सीरीज खेलने के लिए आएगी। अलग-अलग तरह की दिव्यांगता वाले खिलाड़ियों से सजी यह टीम इंग्लैंड में अपने ही तरह की टीम से 2025 में पहली बार हुई अंतरराष्ट्रीय सीरीज में 6-1 से जीतने के बाद भारत आ रही है। इस टीम की अगुआई कैलम फ्लाइन करेंगे। 16 वर्षीय जैक वोसलू इस टीम सबसे युवा खिलाड़ी हैं। यह टीम भारत में जनवरी के अंत से लेकर फरवरी की शुरुआत तक पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी।

### चिन्नास्वामी में एआइ युक्त कैमरे लगाने का प्रस्ताव

**बेंगलुरु, प्रेट्र:** रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से आइपीएल मुकाबले छीने जाने से रोकने के लिए स्टेडियम में एआइ तकनीक से युक्त 300 से 350 कैमरे लगाने का प्रस्ताव दिया है और साथ ही उसने अनुमानित 4.50 करोड़ रुपये का पूरा खर्चा उठाने की भी पेशकश की है। आरसीबी ने यह प्रस्ताव कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ को एक आधिकारिक पत्र के जरिए से दिया है। पिछले साल आरसीबी के आइपीएल की ट्राफी जीतने के बाद हुए समारोह के दौरान स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 प्रशंसकों की मौत के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम में सभी क्रिकेट गतिविधियों को रोक दिया गया था। अगर स्टेडियम को आइपीएल 2026 के मुकाबलों की मेजबानी के अनुमति नहीं मिली तो आरसीबी अपने घरेलू मैच रायपुर और पुणे में कराने पर विचार कर रहा है।

## लक्ष्य की हार से भारतीय चुनौती समाप्त

**इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट**

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन शुक्रवार को इंडिया ओपन सुपर 750 में पुरुष सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन यी को चुनौती देने के बाद हार गए, जिससे टूर्नामेंट में घरेलू चुनौती भी समाप्त हो गई। लक्ष्य ने तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में कड़ी टक्कर दी लेकिन निर्णायक पलों में पीछे रह गए। उन्होंने आखिरी पलों में मिली बढ़त गंवा दी और दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी से 21-17 13-21 18-21 से हार गए।

मैच के बाद लक्ष्य सेन ने कहा, यह बेहद करीबी मुकाबला था। तीसरा गेम दबाव भरा था। आज परिस्थितियों के हिसाब से लिन बेहतर खेले। आज हवा का असर ज्यादा था, जिसके लिए मैं तैयार नहीं था। कल इतनी हवा नहीं थी और उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार बेहतर ढंग से खुद को ढाल लिया। नेट के पास मैं शटल उठाने में थोड़ा डगमगा गया और फ्रंट कोर्ट में मुझसे कई गलतियां हुईं।

इसके साथ ही लिन के विरुद्ध लक्ष्य की यह लगातार पांचवीं हार है। इससे पहले, पुरुष सिंगल्स में किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय व पुरुष डबल्स में सात्विक और चिराग गुरुवार को हार गए थे।

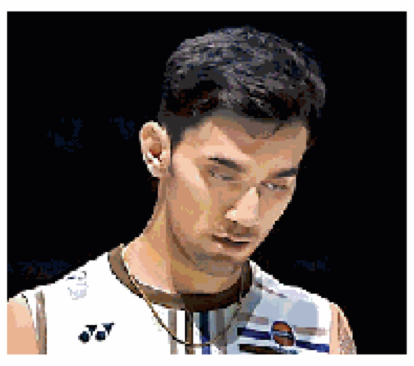

लक्ष्य सेन ● फाइल फोटो

### यहां विश्व चैंपियनशिप होते देखना मुश्किल : ब्लिचफेल्ट

नई दिल्ली : डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने एक बार फिर इंडिया ओपन की आलोचना करते हुए कहा कि यह देखना बहुत मुश्किल है कि यहां विश्व चैंपियनशिप कैसे हो सकती है। विश्व की नंबर 20 खिलाड़ी मिया ने टूर्नामेंट के पहले दिन स्थितियों की आलोचना की थी, जो अगस्त में होने वाली विश्व चैंपियनशिप को ध्यान में रखते हुए पहली बार इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। मिया ने पोस्ट में लिखा कि भारत में पिछले कुछ दिन कठिन रहे हैं। मैंने एक बार फिर खुद को 'सबसे बुरे' के लिए मानसिक रूप से तैयार किया था, लेकिन हमारे आसपास की स्थितियां बेहद गैर पेशेवर हैं। दुर्भाग्य से यहां चैंपियनशिप होते देखना मुश्किल है।

## विश्व कप भागीदारी का विवाद सुलझाने बांग्लादेश जाएंगे आइसीसी के अधिकारी

**आज ढाका पहुंचेगा आइसीसी का दल, भारत में अगले माह टी-20 विश्व कप में बांग्लादेश के हिस्सा लेने के मामले पर होगी चर्चा**

**दुबई, प्रेट्र :** भारत में अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर गतिरोध को खत्म करने के लिए आइसीसी का दो सदस्यीय दल शनिवार को ढाका जाएगा। आइसीसी पहले ही संकेत दे चुकी है कि बांग्लादेश के मैच भारत से शिफ्ट करना संभव नहीं है। आइसीसी का दल सुरक्षा को लेकर बांग्लादेश की आशंकाओं को दूर करने की कोशिश करेगा। बांग्लादेश लगातार अनुरोध कर रहा है कि सुरक्षा कारणों से कोलकाता और मुंबई में होने वाले उसके मैच भारत के बाहर आयोजित कराए जाएं।

बीसीसीआइ के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान का कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ आइपीएल करार रद किए जाने के बाद से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने यह मांग उठाई है। सूत्रों के अनुसार, आइसीसी और बांग्लादेश के बीच बातचीत चल रही है। उम्मीद है कि बांग्लादेश सरकार के अधिकारी भी बातचीत में शामिल होंगे। दरअसल, बीसीबी ने मुंबई में खेलने को लेकर चिंता जताई है। सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश के मैच दक्षिण भारत के किसी शहर में कराए जाने पर विचार किया जा सकता है।

### खिलाड़ियों का बहिष्कार खत्म, बीपीएल फिर शुरू

**ढाका, प्रेट्र :** बांग्लादेश के नाराज क्रिकेटरों ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेटरों के कल्याण संघ के बीच सहमति बनने के बाद खेल के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए बहिष्कार खत्म कर दिया जिससे शुक्रवार से बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के मैच फिर से शुरू हो गए। गुरुवार को सीनियर खिलाड़ियों ने बीसीबी निदेशक नजमुल इस्लाम के विरोध में बगावत कर दी थी और बीपीएल के दो मैच स्थगित हो गए थे।

## आरसीबी की जीत की हैटट्रिक

**गुजरात जायंट्स को 32 रन से हराया, राधा ने जड़ा अर्धशतक, श्रेयंका ने झटके पांच विकेट**

**नवी मुंबई, प्रेट्र:** महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शुक्रवार को राधा यादव और रिचा घोष की दमदार पारी के बाद श्रेयंका की शानदार गेंदबाजी के दम पर रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात जायंट्स को 32 रन से हरा दिया। राधा ने 47 गेंदों में 66 और रिचा घोष ने 28 गेंदों में 44 रन बनाकर टीम को सात विकेट पर 182 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद श्रेयंका ने पांच विकेट लेकर गुजरात जायंट्स की टीम को 18.5 ओवर में ही 150 रन पर समेट दिया।

आरसीबी ने पारी की आक्रामक शुरुआत की। ग्रेस हैरिस ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह की गेंदों पर चार चौके लगाकर पहले ओवर में 23 रन बनाए। आखिर में नादिन डि क्लर्क ने 12 गेंदों में 26 रन की उपयोगी पारी खेली। जवाब में गुजरात जायंट्स की टीम में भारती फुलमाली (39), बेथ मूनी (27) और तनुजा कंवर (21) के अलावा अन्य बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सकीं। आरसीबी के लिए श्रेयंका के (5/23) के अलावा, लुरेन बैल ने भी तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया।

## विश्वराज के विशाल शतक से फाइनल में पहुंचा सौराष्ट्र

विश्वराज जडेजा ● प्रेट्र

**विजय हजारे ट्राफी**

**सेमीफाइनल में पंजाब को नौ विकेट से हराया, विश्वराज जडेजा ने बनाए 165 रन**

**बेंगलुरु, प्रेट्र :** विजय हजारे ट्राफी के दूसरे सेमीफाइनल में शुक्रवार को सौराष्ट्र ने विश्वराज जडेजा की शानदार नाबाद 165 रनों की पारी की मदद से पंजाब को नौ विकेट से हराकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। अब रविवार को सौराष्ट्र और विदर्भ के बीच खिताबी मुकाबला होगा।

सौराष्ट्र के गेंदबाजों ने पंजाब को 291 रनों के कम स्कोर पर रोककर शानदार काम किया, जिसके बाद जडेजा ने अपनी 127 गेंदों की पारी में 18 चौके और तीन छक्के जड़कर विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और अपनी टीम को एकतरफा जीत दिलाई। उन्हें अपने प्रारंभिक जोड़ीदार हरविक देसाई (64) से भीर काफी मदद मिली। इन दोनों बल्लेबाजों ने सिर्फ 23 ओवर में 172 रन जोड़े। इसके बाद प्रेरक मांकड़ (52 नाबाद) की मदद से सौराष्ट्र ने सिर्फ 39.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। जडेजा और मांकड़ ने दूसरे विकेट के लिए अटूट साझेदारी में 121 रन जोड़े। पंजाब के बल्लेबाजों के अपनी पारी के दौरान प्रतिबंधित क्षेत्रों में दौड़ लगाने से सौराष्ट्र को पांच पेनाल्टी रन भी मिले। जडेजा और देसाई ने मिलकर सातवें ओवर में तेज गेंदबाज कृष भगत के ओवर में 23 रन बनाए। विश्वराज ने धीर की गेंद पर चौका लगाकर सौराष्ट्र की जीत पक्की की। इससे पहले पंजाब ने अच्छी शुरुआत के बावजूद कम स्कोर पर पारी खत्म की। हरनूर सिंह और कप्तान प्रभसिमरन सिंह ने पहले विकेट के लिए 60 रन जोड़े। इसके बाद प्रभसिमरन और अनमोलप्रीत के बीच 109 रन बने। प्रभसिमरन के भी आउट होने के बाद अनमोलप्रीत ने लगातार रन बनाने जारी रखे और 103 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। पंजाब ने 275 रन पर पांच विकेट से अगले सिर्फ 16 रन पर गंवा दिए।

## अलकराज-सबालेंका ट्राफी के सबसे बड़े दावेदार : ग्रेस हेडन

नितिन नागर ● जागरण

**आस्ट्रेलियन ओपन की होस्ट और मैथ्यू हेडन की बेटी ग्रेस हेडन ने कहा, कोर्ट पर नाओमी की वापसी देखने के लिए उत्सुक हूं**

**नई दिल्ली :** आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर मैथ्यू हेडन की बेटी और मशहूर टीवी एंकर ग्रेस हेडन का मानना है कि इस बार वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम आस्ट्रेलियन ओपन में इस बार कार्लोस अलकाराज और एरिना सबालेंका पिछले साल खिताब से चूक गए थे, लेकिन इस बार ये दोनों यहां ट्राफी उठाने के सबसे बड़े दावेदार होंगे।

सबालेंका को पिछले साल फाइनल में मेडीसन कीज ने हराया था, जबकि अलकराज क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए थे। ग्रेस हेडन इस बार आस्ट्रेलियन ओपन को होस्ट कर रही हैं, जिसे लेकर वह काफी उत्सुक हैं। आस्ट्रेलियन ओपन का प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा।

ग्रेस हेडन ने 'दैनिक जागरण' से विशेष बातचीत में कहा, जहां तक महिला सिंगल्स का सवाल है तो मेरा मानना है कि सबालेंका के जीतने की संभावना इस बार सबसे ज्यादा है। पिछले साल वह अमेरिकी खिलाड़ी मेडिसन कीज से हार गई थीं तो वह मेलबर्न पर खुद को साबित करने के लिए बेताब होंगी। सबालेंका ने हाल ही में ब्रिसबेन इंटरनेशनल का खिताब जीता है और वह शानदार फार्म में हैं। इसके अलावा उन्होंने निक किर्गियोस के साथ 'बैटल आफ सेक्सेस' में भी खेला था तो इस बार सभी की निगाहें सबालेंका पर होंगी। वहीं अलकराज के लिए आस्ट्रेलियन ओपन इतना खास नहीं रहा है, लेकिन पिछले साल जिस तरह का प्रदर्शन उन्होंने किया, उससे लगता है कि वह इस बार मेलबर्न पार्क में इतिहास रचने के लिए उतरेंगे। वह चार बार यहां खेले और क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ सके। सभी जानते हैं कि अलकराज क्या करने में सक्षम हैं और मेरा मानना है कि वह इस समय अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेल रहे हैं। इसलिए उन्हें रोकना काफी मुश्किल होगा।

ग्रेस से पूछा गया कि वह आस्ट्रेलियन ओपन में किसी खिलाड़ी को कवर करने को लेकर सबसे ज्यादा उत्साहित हैं तो उन्होंने कहा कि मैं नाओमी ओसाका को कवर करना चाहूंगी। वह लंबे समय बाद आस्ट्रेलियन ओपन में वापसी कर रही हैं और उनके पास काफी अनुभव है। वह कोर्ट पर काफी रोमांच लेकर आती हैं। पिछले साल यूएस ओपन में उन्होंने अपनी क्लास दिखाई और इस बार मेलबर्न में मैं उनसे मिलने को लेकर काफी उत्साहित हूं। मेरा निजी रूप से मानना है कि वह शानदार फार्म में हैं और आस्ट्रेलियन ओपन में दूसरी खिलाड़ियों के लिए कड़ी चुनौती पेश करेंगी।

ग्रेस ने आस्ट्रेलिया की दिग्गज महिला खिलाड़ी एश बार्टी को अपनी सबसे पसंदीदा खिलाड़ी बताया। उन्होंने कहा कि वह न सिर्फ टेनिस, बल्कि गोल्फ व अन्य खेलों में भी अपनी कौशल दिखा चुकी हैं। वह शानदार महिला हैं और मैं उनसे काफी प्रेरित हूं।

## छह साल बाद मेलबर्न में उतरे रोजर फेडरर

**मेलबर्न, एएनआइ:** पूर्व दिग्गज टेनिस खिलाड़ी स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर 2020 के बाद पहली बार शुक्रवार को कैस्पर रूड के साथ अभ्यास सत्र के लिए राड लेवर एरिना में लौटे। फेडरर ने 2022 में पेशेवर टेनिस से संन्यास की घोषणा की थी। अब वह आस्ट्रेलियन ओपन 2026 के उद्घाटन समारोह के दौरान एक प्रदर्शनी मैच खेलने के लिए फिर से एक्शन में होंगे। उन्होंने अपने करियर में रूड का सामना सिर्फ एक बार किया है।

44 वर्षीय फेडरर ने अपने 20 ग्रैंडस्लैम खिताबों में से छह आस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट में जीते हैं। फेडरर ने आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में प्रतिस्पर्धा की थी, जब वह सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविक से हार गए थे। आस्ट्रेलियन ओपन का उद्घाटन समारोह शनिवार को होगा।

कैस्पर रूड के विरुद्ध बैकहेंड रिटर्न शाट लगाते रोजर फेडरर ● एएफपी

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

चिंतन

# लोक कल्याण की राजनीति और कुशल प्रबंधन की जीत

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों के नतीजे केवल स्थानीय सत्ता संतुलन का संकेत नहीं हैं, बल्कि वे राज्य और राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को भी स्पष्ट करते हैं। खासतौर पर मुंबई में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत ने यह संदेश दिया है कि लोक कल्याणकारी नीतियों के साथ-साथ सशक्त आंतरिक प्रबंधन और संगठनात्मक अनुशासन आज की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। यह जीत भाजपा के लिए केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि उसकी रणनीति, नेतृत्व और जनविश्वास की पुष्टि है। लोगों ने पीएम नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व पर मुहर लगा दी है। महाराष्ट्र में कुल 29 नगर निगमों के चुनावों में से 23 कॉरपोरेशनों में भाजपा-महायुति को स्पष्ट बहुमत मिला है। वहीं, मुंबई के बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में भाजपा+शिवसेना (शिंदे) अलायंस कुल 227 सीटों में से 118 सीटें मिलती दिख रही हैं। बिहार के बाद महाराष्ट्र की जनता ने भी स्पष्ट संदेश दिया है कि एनडीए और भाजपा का नेतृत्व ही देश को सही दिशा दे रहा है। इस जीत ने दिखा दिया कि भाजपा की नीतियों, कार्यशैली और निर्णायक नेतृत्व पर देश की जनता का अटूट विश्वास है। लोगों को जनकल्याण और विकास ही चाहिए। अब वे परिवारवाद और खाली बयानबाजी करने वालों के झांसे में नहीं आने वाले। इस जीत ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस के कद को भी बढ़ा दिया है। यह परिणाम कांग्रेस, उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और शरद पवार के लिए एक ओर खतरे की घंटी है, वहीं पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव के नतीजों ने पवार पावर को लेकर स्पष्ट राजनीतिक संदेश दिया है। जिस पवार ब्रांड को कभी सत्ता के इन शहरी केंद्रों में अजेय माना जाता था, वह अब अकेले जीत की गारंटी नहीं रह गया है। इस बार यहां शरद पवार और अजीत पवार की अगुआई वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के रणनीतिक तालमेल के बावजूद वोटरों ने तगड़ा झटका दे दिया है। दूसरी तरफ, करीब 20 साल बाद करीब आए राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की जोड़ी भी कुछ खास दम नहीं दिखा पाई। चुनाव नतीजों ने साफ कर दिया कि ठाकरे बंधुओं की जोड़ी जनता को भरोसे में नहीं ले सकी, यानी यह प्रयोग राजनीतिक तौर पर असफल रहा। भाजपा और उसके सहयोगियों का आगे रहना इस बात का प्रमाण है कि पार्टी ने शहरी मतदाताओं की नब्ज को अच्छी तरह समझा। मुंबई, नागपुर और पुणे जैसे बड़े महानगरों में भारी बढ़त ने यह दिखा दिया कि भाजपा की पकड़ केवल ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि महानगरीय मतदाता भी उसकी नीतियों से संतुष्ट नजर आ रहे हैं। इन शहरों में बुनियादी सुविधाओं, बुनियादी ढांचे, डिजिटल सेवाओं और प्रशासनिक सुधारों ने मतदाताओं पर सकारात्मक प्रभाव डाला। बता दें कि महाराष्ट्र नगर निगम में 1997 से 2022 तक शिवसेना का वर्चस्व रहा और उसके 12 मेयर रहे। अब चार साल बाद चुनाव हो रहे हैं और भाजपा पहली बार मुंबई में अपना मेयर बनाने जा रही है। एशिया की सबसे बड़ी मुंबई नगरपालिका का 74000 करोड़ का बजट देश के कई राज्यों के बजट से भी ज्यादा है। कुल मिलाकर, महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आज की राजनीति में लोक कल्याण, सुशासन और कुशल संगठनात्मक प्रबंधन सबसे बड़े हथियार हैं। भाजपा की जीत केवल विरोधियों की कमजोरी का परिणाम नहीं, बल्कि अपनी रणनीतिक मजबूती और जनविश्वास की देन है।

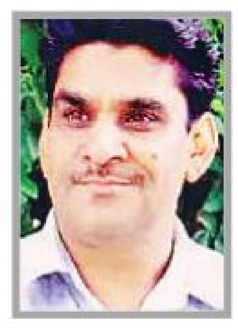

ईरान बनाम अमेरिका

डॉ. घनश्याम बादल

# विनाशक युद्ध की आहट और दुनिया

ईरान आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल एक देश की आंतरिक अशांति नहीं है, बल्कि वैश्विक राजनीति का वह विस्फोटक मोड़ है, जहां से छद्म लोकतंत्र और मजहबी कट्टरता के टकराव से उठी एक चिंगारी पूरी दुनिया को झुलसा सकती है। आज उनके अयातुल्लाह काम नहीं, शासन के ख़िलाफ़ तेहरान समेत ईरान के कई शहरों और कस्बों की सड़कों पर उमड़ता विद्रोही जन सैलाब, उबलता जनाक्रोश, सरकार की दमनकारी नीतियां और इसके समानांतर हर हाल में दुनिया का दरोगा बनने की हठधर्मी पर अड़े अमेरिका की सैन्य चेतावनियां, उस त्रिकोण का निर्माण कर रहे हैं, जिसके केंद्र में विनाशकारी युद्ध की आशंका लगातार गहराती जा रही है।

ईरान आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल एक देश की आंतरिक अशांति नहीं है, बल्कि वैश्विक राजनीति का वह विस्फोटक मोड़ है, जहां से छद्म लोकतंत्र और मजहबी कट्टरता के टकराव से उठी एक चिंगारी पूरी दुनिया को झुलसा सकती है। आज उनके अयातुल्लाह काम नहीं, शासन के ख़िलाफ़ तेहरान समेत ईरान के कई शहरों और कस्बों की सड़कों पर उमड़ता विद्रोही जन सैलाब, उबलता जनाक्रोश, सरकार की दमनकारी नीतियां और इसके समानांतर हर हाल में दुनिया का दरोगा बनने की हठधर्मी पर अड़े अमेरिका की सैन्य चेतावनियां, उस त्रिकोण का निर्माण कर रहे हैं, जिसके केंद्र में विनाशकारी युद्ध की आशंका लगातार गहराती जा रही है।

ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन अब केवल आर्थिक शिकायतों तक सीमित नहीं हैं। महंगाई, बेरोज़गारी और गिरती जीवन-स्तर की पीड़ा ने जिस असंतोष को जन्म दिया है, ईरान में जिस गति से महंगाई बढ़ी है, उससे वहां के लोगों का जीना मुहाल हो गया है। ईरानी मुद्रा रियाल डॉलर के मुकाबले रसातल में जा चुकी है। अब तो विद्रोहियों के समर्थन में उमड़ता हुआ जन सैलाब सीधे-सीधे शासन व्यवस्था की वैधता पर सवाल बन चुका है। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद यह पहली बार है, जब ईरान का धर्मतंत्र जनता के इतने बड़े हिस्से से वैचारिक रूप से कटता हुआ दिखाई देता है। महिलाओं, युवाओं, छात्रों और शहरी मध्यम वर्ग की भागीदारी ने इन प्रदर्शनों को साधारण विरोध से कहीं आगे पहुंचा दिया है और एक तरह से सीरिया जैसे हालातों की तरफ बढ़ता दिखाई दे रहा है। जहां सरकार विरोधी विद्रोही हिंसा एवं आगजनी पर उतरे हुए हैं तथा सरकार के तख्त पलट के पक्ष में खड़े दिखाई देते हैं। वहीं सरकार की प्रतिक्रिया भी उतनी ही कठोर से कठोरता होती जा रही है। इंटरनेट ब्लैकआउट, सामूहिक गिरफ्तारियां, सुरक्षा बलों की गोलीबारी और मृत्युदंड ये सब संकेत देते हैं कि ईरान में खामनेई सत्ता पर किसी भी कीमत पर नियंत्रण छोड़ने को तैयार नहीं हैं।

हालांकि ईरानी नेतृत्व इसे विदेशी साजिश करार देता है, लेकिन यह तर्क अब घरेलू स्तर पर भी असर खोता जा रहा है। सवाल यह नहीं कि विरोध क्यों हो रहे हैं, सवाल यह है कि क्या मौजूदा व्यवस्था उन्हें लंबे समय तक दबा पाएगी? आंतरिक उथल-पुथल के बीच अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर ख़तरनाक ऊंचाई पर पहुंच गया है। अमेरिका मानवाधिकार उल्लंघनों और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को आधार बनाकर लगातार दबाव बना रहा है। प्रतिबंधों का नया दौर, सैन्य चेतावनियां और मध्य-पूर्व में अमेरिकी नौसैनिक तैनाती इस बात का संकेत हैं कि वाशिंगटन 'देखो और इंतजार करो' की नीति से आगे बढ़ने का विकल्प खुला रखे हुए है। हालांकि, यह समझना ज़रूरी है कि अमेरिका भी पूर्ण युद्ध नहीं चाहता। इसकी वज़ह वाशिंगटन की उदारता या शांतिप्रियता नहीं, अपितु यूक्रेन युद्ध, इज़राइल-गाज़ा संघर्ष और घरेलू राजनीतिक दबावों के बीच एक और

बड़े युद्ध का बोझ उठाना वाशिंगटन के लिए आसान नहीं होगा। यही कारण है कि अमेरिका की रणनीति फिलहाल सीमित सैन्य कार्रवाई, आर्थिक दबाव और कूटनीतिक धमकियों तक सिमटी दिखती है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध अक्सर योजनाओं से नहीं, दुर्घटनाओं से शुरू होते हैं। यह तो तय है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच सीधा युद्ध होता है, तो उसके प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेंगे। ईरान के लिए इसका अर्थ होगा-तेल रिफाइनरियों, सैन्य ठिकानों और परमाणु संयंत्रों पर हमले, अर्थव्यवस्था का लगभग ठप हो जाना और संभवतः गृहयुद्ध जैसी स्थिति। बेशक सबसे भारी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ेगी, जिनके लिए शांति पहले ही दुर्लभ हो चुकी है। अमेरिका के लिए यह युद्ध सैन्य रूप से भले ही नियंत्रित रहे, लेकिन राजनीतिक और रणनीतिक रूप से महंगा साबित होगा।

मध्य-पूर्व में फैले अमेरिकी सैन्य अड्डे प्रतिशोध के निशाने पर होंगे। घरेलू स्तर पर युद्ध-विरोधी माहौल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की 'नैतिक नेतृत्व' वाली छवि को और भी ज़्यादा झटका लगेगा। इससे भी अहम बात यह है कि अमेरिका का ध्यान एशिया-प्रशांत क्षेत्र से हटेगा, जो उसके दीर्घकालिक रणनीतिक हितों के विपरीत है। वैश्विक स्तर पर इसका सबसे तात्कालिक असर ऊर्जा बाजारों पर पड़ेगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य में जरा-सी अस्थिरता भी तेल की कीमतों को 120–150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा सकती है। इसका सीधा अर्थ है -वैश्विक महंगाई, आर्थिक मंदी और विकासशील देशों पर असहनीय दबाव। यूरोप, जो पहले ही ऊर्जा संकट से जूझ रहा है, सबसे अधिक प्रभावित होगा। इस परिदृश्य में चीन और रूस की भूमिका भी समझना ज़रूरी है। दोनों ही देश ईरान के संकट को अपने-अपने रणनीतिक लाभ के रूप में देख रहे हैं। चीन अमेरिका को मध्य-पूर्व में उलझा देखना चाहता है ताकि एशिया में उसकी पकड़ ढीली पड़े। रूस के लिए यह पश्चिमी एकता को कमजोर करने और ऊर्जा कीमतों से लाभ उठाने का अवसर है, लेकिन चीन या रूस कोई भी ईरान के लिए अमेरिका से सीधा युद्ध लड़ने को तैयार नहीं है।

ईरान उनके लिए साझेदार कम, रणनीतिक साधन अधिक है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का सबब है। तेल आयात पर निर्भर भारतीय अर्थव्यवस्था पर महंगाई का सीधा असर पड़ेगा। रुपये पर दबाव बढ़ेगा, शेयर बाजारों में अस्थिरता आएगी और खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों भारतीयों की सुरक्षा एक गंभीर प्रश्न बन जाएगी। साथ ही, ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह और अफगानिस्तान संपर्क जैसी रणनीतिक परियोजनाएं भी प्रभावित होंगी। हालांकि, संकट के बीच अवसर भी छिपे होते हैं। भारत की संतुलित और स्वायत्त विदेश नीति उसे एक संभावित मध्यस्थ की भूमिका में ला सकती है, लेकिन इसके लिए शर्त यह है कि भारत किसी भी खेमे में खड़ा होने की जल्दबाज़ी न करे।

अस्तु,, ईरान का संकट केवल एक देश की संप्रभुता एवं संकट की कहानी नहीं, उस वैश्विक व्यवस्था का आईना है, जहां दमन, असमानता और शक्ति-राजनीति मिलकर अस्थिरता को जन्म देती हैं। युद्ध शायद अभी टल सकता है, लेकिन उसके बीज बोए जा चुके हैं। सवाल यह नहीं कि दुनिया इस आग को देख रही है या नहीं, सवाल यह है कि क्या वह इसे फैलने से रोकने के लिए समय रहते कुछ करेगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विश्व पुस्तक मेला

श्वेता गोयल

# रील्स के दौर में रीयल किताबें ही हैं शब्दों का सच्चा संसार

नई दिल्ली के हृदय स्थल भारत मंडपम में इन दिनों हवाओं में एक अलग ही सुंगध घुली हुई है। यह सुगंध किसी इत्र की नहीं, बल्कि पुरानी और नई किताबों के पन्नों, स्याही के अक्षरों और मानवीय मेधा के असीमित विस्तार की है। 10 से 18 जनवरी तक चलने वाला 53वां नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला केवल एक व्यावसायिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारतीय मेधा और वैश्विक संस्कृति के मिलन का एक विराट अनुष्ठान है। पुस्तकें वह सेतु हैं, जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं और सभ्यताओं की स्मृतियों को जीवंत रखती हैं। डिजिटल क्रांति के इस प्रचंड वेग के बीच, जहां स्क्रीन की कृत्रिम रोशनी हमारी आंखों को थकान दे रही है, वहां कागज के पन्नों पर अंकित शब्द एक शीतल छांव की तरह प्रतीत होते हैं। इस वर्ष के मेले की आत्मा 'भारतीय सैन्य इतिहासः शौर्य और ज्ञान @75' की थीम में रची-बसी है। यह विषय केवल युद्धों का लेखा-जोखा नहीं है बल्कि उस साहस और बुद्धिमत्ता का वंदन है, जिसने स्वतंत्र भारत की सीमाओं को सुरक्षित रखा है। हॉल नंबर 5 में निर्मित थीम पवेलियन एक ऐसा गलियारा है, जो आगंतुकों को काल-यात्रा पर ले जाता है। यहां अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस की प्रतिकृतियों के बीच जब पाठक 21 परमवीर चक्र विजेताओं की गाथाओं से रूबरू होते हैं तो साहित्य और राष्ट्रभक्ति का एक अनूठा संगम निर्मित होता है। सैन्य इतिहास पर प्रदर्शित पांच सौ से अधिक पुस्तकें यह सिद्ध करती हैं कि तलवार की धार और कलम की शक्ति एक-दूसरे की पूरक हैं। शौर्य जब शब्दों में ढलता है तो वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बन जाता है। मेले का यह संस्करण कई मायनों में ऐतिहासिक है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) और आईटीपीओ के सहयोग से आयोजित इस मेले में पहली बार प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। यह निर्णय इस बात का परिचायक है कि ज्ञान पर किसी का एकाधिकार नहीं होना चाहिए और जिज्ञासा की राह में अर्थ की बाधा नहीं आनी चाहिए। 'किताबों की दुनिया में कदम रखने के लिए अब जेब नहीं, बस जिज्ञासा चाहिए' का यह मंत्र भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 35 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रकाशकों की उपस्थिति इस मेले को एक वैश्विक मंच प्रदान करती है, जहां कतर 'गेस्ट ऑफ ऑनर' और स्पेन 'फोकस कंट्री' के रूप में अपनी सांस्कृतिक विरासत साझा कर रहे हैं। आज के दौर में एक विमर्श अक्सर सुनाई देता है कि 'जेन-जी' यानी नई पीढ़ी किताबों से दूर होकर स्मार्टफोन्स की दुनिया में खो गई है, किंतु भारत मंडपम के गलियारों में उमड़ती युवाओं की भीड़ इस धारणा को सिरे से खारिज करती है।

तकनीक के शोर में पले-बढ़े ये युवा पिक्सल्स के बजाय पन्नों में अपना भविष्य तलाशते दिख रहे हैं। कतर पवेलियन में हवा में तैरते अक्षरों की जादुई दुनिया को निहारते हुए या रस्साकसी और खो-खो जैसे पारंपरिक खेलों की पुस्तकों में अपनी जड़ों को खोजते हुए ये युवा यह प्रमाणित कर रहे हैं कि डिजिटल चमक क्षणिक हो सकती है लेकिन शब्दों की गहराई शाश्वत है। युवाओं का यात्रा वृत्तांतों, क्लासिक साहित्य और अपराध गाथाओं के प्रति यह आकर्षण दर्शाता है कि मानवीय संवेदनाएं आज भी एक अच्छी कहानी की तलाश में रहती हैं। शिक्षा मंत्री ने डिजिटल समय में ज्ञान को सुलभ और समावेशी बनाने की जिस प्राथमिकता का उल्लेख किया, वह 'राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय' के रूप में साकार होती दिख रही है। 23 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध छह हजार से अधिक मुफ्त ई-पुस्तकें यह सुनिश्चित करती हैं कि भाषा अब ज्ञान के मार्ग में अवरोध नहीं बल्कि एक सेतु बने। टेक्स्ट-टू-स्पीच जैसी सुविधाओं के साथ यह समावेशी प्रयास उन लोगों तक भी साहित्य पहुंचा रहा है, जो शारीरिक सीमाओं के कारण अब तक इससे वंचित थे। यह तकनीकी प्रगति और पठन संस्कृति का वह संतुलन है, जिसकी आज के युग को सर्वाधिक आवश्यकता है। मेले का एक और भावुक पक्ष 'अनसुने नायकों' को दी गई श्रद्धांजलि है। 'द सागा ऑफ कुडोपलीः द अनसंग स्टोरी ऑफ 1857' जैसी पुस्तकों का विमोचन यह संदेश देता है कि इतिहास केवल राजाओं और महलों का नहीं होता बल्कि उन साधारण लोगों का भी होता है, जिन्होंने असाधारण बलिदान दिए। किताबों के पन्ने पलटते बुजुर्गों की मुस्कुराहट और युवाओं की आंखों में उमड़ती जिज्ञासा यह साफ कर देती है कि पठन संस्कृति का यह महाकुंभ आने वाले समय में एक शिक्षित और जागरूक समाज की आधारशिला बनेगा। यह मेला एक आह्वान है पुस्तकों की ओर लौटने का, विचारों को विस्तार देने का और शब्दों की इस अनंत यात्रा का हिस्सा बनने का।

(लेखिका शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

## समय के साथ 'धर्म और अध्यात्म' के अर्थ बदलते जा रहे हैं

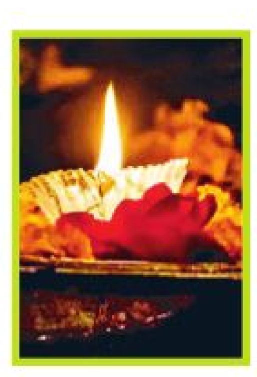

संकलित

दर्शन

संप्रति कितने ही धर्मात्मा इसका श्रेय लेते हैं कि चूंकि वे किसी धर्म को मानते हैं लिहाजा आध्यात्मिक भी हैं। जबकि यह सही नहीं है। धर्म और अध्यात्म जैसे गूढ़ शब्दों का मर्म विरले ही समझ पाए हैं। वैसे हम सभी किसी न किसी धर्म को मानने वाले हैं। हमारा धर्म जन्म से पूर्व ही निर्धारित हो जाता है। उन्हीं संस्कारों के साथ हम पलते-बढ़ते हैं। हममें से कई अध्यात्म के पथ पर चलने को उत्सुक होते हैं, किंतु देखने में आता है कि धार्मिकता और आध्यात्मिकता के बीच महीन अंतर जान पाने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। दरअसल अपने ईश्वर प्रेम के चरम लक्ष्य की प्राप्ति ही मनुष्य को आध्यात्मिकता की ओर ले जा सकती है-फिर धर्म मार्ग कोई भी हो। हम स्वयं अनेक धार्मिक विधि-विधानों से जीवनपर्यंत बंधे रहते हैं, जो वास्तव में बाहरी क्रियाएं हैं। ज्ञानीजन मानते हैं कि धर्म धैर्यपूर्वक इंद्रियों को वश में कर अपने और प्रियजनों को सुरक्षित, विद्यावान और समृद्ध बनाने की युक्ति है, जो अकारण ही समाज को संप्रदायों में बांट लेने का कारण बन पड़ती है। जबकि अध्यात्म परस्पर मेल का साधन है, जिसका ध्येय दिव्य प्रेम को प्राप्त करना है, जो मनुष्य को उच्चतम अवस्था में ले जा सके। दुर्भाग्यवश समय के साथ धर्म और अध्यात्म के अर्थ अपनी सुविधानुसार बदलते जा रहे हैं। दोनों अपनी मूल अभिव्यक्ति खोने लगे हैं। धर्म को मानने वाले कुछ लोग, जिन पर समाज विश्वास करता है, जब स्वयं दिशाहीन होते जा रहे हैं, तब वे कैसे आमजन को अध्यात्म का गूढ़ अर्थ समझा सकने में सक्षम हो सकते हैं?

## भरे गिलास से, मंदिर की परिक्रमा

संकलित

प्रेरणा

एक महिला रोज मंदिर जाती थी एक दिन उस महिला ने पुजारी से कहा अब मैं मंदिर नही आया करूँगी इस पर पुजारी ने पूछा क्यो? तब महिला बोलीः मैं देखती हूं लोग मंदिर परिसर में अपने फोन से अपने व्यापार की बात करते हैं कुछ ने तो मंदिर को ही गपसप करने का स्थान चुन रखा है, कुछ पूजा कम पाखंड ज्यादा करते हैं। इस पर पुजारी कुछ देर तक चुप रहे फिर कहाः सही है! परंतु अपना अंतिम निर्णय लेने से पहले आप मेरे कहने से कुछ कर सकती है। महिला बोलीः आप बताइए क्या करना है। पुजारी ने कहाः एक गिलास पानी से भरकर लीजिए और 2 बार मंदिर परिसर के अंदर परिक्रमा लगाइए शर्त ये है कि गिलास का पानी गिरना नही चाहिए। महिला बोलीः में ऐसा कर सकती हूँ फिर थोड़ी ही देर में उस महिला ने ऐसा कर दिखाया। उसके बाद मंदिर के पुजारी ने महिला से 3 सवाल पूछेः

1) क्या आपने किसी को फोन पर बात करते देखा? 2) क्या आपने किसी को मंदिर मे गपसप करते देखा? 3) क्या किसी को पाखंड करते देखा?

महिला बोलीः नही मैंने कुछ भी नही देखा। फिर पुजारी बोलेः जब आप परिक्रमा लगा रही थी तो आपका पूरा ध्यान गिलास पर था कि इस में से पानी न गिर जाए इसलिए आपको कुछ दिखाई नही दिया। अब जब भी आप मंदिर आए तो सिर्फ अपना ध्यान परम पिता परमात्मा में ही लगाना फिर आपको कुछ दिखाई ही नही देगा। सिर्फ भगवान ही सर्ववृत दिखाई देगा, जब ऐसा होगा तो स्वयं ही कल्पना कर लीजिएगा।

## बागुरुम्बा डांसर

पारंपरिक कपड़ों में बागुरुम्बा डांसर, बोडो समुदाय के बटरफ्लाई डांस के अब तक के सबसे बड़े परफॉर्मेंस के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश के लिए गोहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में रिहर्सल कर रहे हैं। शनिवार को पीएम मोदी मुख्य इवेंट देखने वाले हैं।

## आज की पाती

### स्वतंत्रता का अनुचित प्रयोग

कुछ कथित उच्च शिक्षित, जाहिल, गंवार लोग जब सार्वजनिक रूप से (विशेषकर सोशल मीडिया पर) सड़कछाप व्यवहार करने लगते हैं तो ऐसे मूर्ख लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उसी क्षण खत्म हो जाती है। कला और विचार प्रकट करने की आजादी के नाम पर किसी को भी देश, समाज में अश्लीलता फैलाने के उपद्रव को दुनिया का कोई भी सभ्य-सुसंस्कृत संविधान कभी कोई स्वतन्त्रता प्रदान नहीं करता। ऐसे सर्वथा अवांछित, अप्रिय, समाज विरोधी कार्य करने वालों का प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन करने वाले सभी आधुनिक मनोरोगी भी उतने ही बड़े अपराधी माने जाने चाहिए। सिर्फ मजाक के नाम पर ही नहीं, कई बार गंभीर मुद्रा में प्रदर्शन करते हुए भी कुछ पॉडकास्ट पर दुर्जन लोग गंदी, अश्लील, अभद्र, अशोभनीय बातें करते हैं। आजादी का अनुचित लाभ नहीं उठाना चाहिए। - **रमेश यदु**, रायगढ़

## ट्रेंड

### गठबंधन की प्रचंड जीत

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की प्रचंड जीत यह बताती है कि जनता का विश्वास सिर्फ एनडीए की विकास नीति पर है। यह ऐतिहासिक सफलता, महायुति सरकार द्वारा प्रदेश में किए गए विकास और जनकल्याण के कार्यों पर जनता की मुहर है।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

### स्टार्टअप इंडिया का दशक

स्टार्टअप इंडिया ने एक दशक पूरा कर लिया है और यह भारत के विकास गाथा में एक महत्वपूर्ण अध्याय का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित इस पहल ने डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को सशक्त बनाया है, 21 लाख रोजगार सृजित किए हैं।

- नितिन गडकरी, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

### विकास की राजनीति

महाराष्ट्र की सभी 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि राज्य की जनता ने स्थिर नेतृत्व, सुशासन और विकास की राजनीति पर अपना भरोसा जताया है।

-धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

### ज़ुल्म और अत्याचार

भाजपा अपने संगी-साथियों को फायदा पहुंचाने के चक्कर में काशी की दाल मंडी में हर घर-दुकानदार को दल रही है। ये ज़ुल्म और अत्याचार जनता अब और नहीं सहेगी। सत्ता भी भाजपाइयों को सिर्फ पैसे कमाने के लिए ही चाहिए।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

## करंट अफेयर

# ताकतवर देशों को सुधार के लिए आगे रहना चाहिए : संरा

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि दुनिया के सबसे ताकतवर देशों को सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए सबसे आगे रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग आज विशेषाधिकारों से चिपके रहने की कोशिश करेंगे, उन्हें कल इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। संरा महासचिव गुतारेस ने बृहस्पतिवार को 193 सदस्यीय महासभा में 2026 के लिए अपनी प्राथमिकताओं पर अपने भाषण में कहा, ''ऐसी संस्थाओं में सुधार होना चाहिए जो आज की दुनिया को दर्शाती हों। 1945 के समस्या समाधान के तरीकों से 2026 की समस्याओं का हल नहीं निकलेगा। अगर ढांचे हमारे समय, हमारी दुनिया, हमारी वास्तविकताओं को नहीं दिखाते हैं तो वे अपनी पहचान खो देंगे।'' उन्होंने समकालिक वास्तविकताओं को दिखाने के लिए वैश्विक संस्था में सुधार का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं का वैश्विक जीडीपी में हिस्सा हर दिन थोड़ा-थोड़ा कम हो रहा है, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाओं का आकार, ताकत और असर बढ़ रहा है। गुतारेस ने कहा, जो लोग आज विशेषाधिकारों से चिपके रहने की कोशिश करते हैं, उन्हें कल इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

## ऑफ बीट

# आसमानी बिजली के अलग-अलग रूप

सदियों से आसमानी बिजली लोगों का ध्यान खींचती रही है। यह (आसमानी बिजली) मिथक, धर्म और लोकप्रिय संस्कृति में बसी हुई है। बिजली तब उत्पन्न होती है जब बादलों में विद्युत आवेश का निर्माण होता है। यह कुछ हद तक वैसा ही है जैसे जब आप अपने बालों को कंघी करते हैं या ट्रैम्पोलिन पर कूदते हैं तो बाल खड़े हो जाते हैं, लेकिन बादलों में विद्युत आवेश के निर्माण की प्रक्रिया बहुत अधिक तीव्र होती है। बादलों में यह आवेश तब बनता है जब ठोस और तरल जलकण आपस में टकराते हैं, जो गर्म हवा ऊपर उठने और ठंडी हवा नीचे गिरने (संवहन) के कारण होता है। जब आवेश अत्यधिक बढ़ जाता है, तो बिजली हवा के माध्यम से प्रवाहित होती है, जिसे हम चमक के रूप में देखते हैं। हम बिजली की चमक तुरंत देख लेते हैं, लेकिन गरज की आवाज बाद में आती है। आवाज़ को एक किलोमीटर की दूरी तय करने में लगभग तीन सेकंड लगते हैं। चमक और गरज के बीच का समय देखकर बिजली की दूरी का अनुमान लगाया जा सकता है। वैसे, बिजली सिर्फ पृथ्वी पर ही नहीं पाई जाती; वैज्ञानिकों ने हाल ही में मंगल ग्रह पर भी इसे देखा है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-42422221 पर या सीधे मेल से **aapkepatra.haribhoomi@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

भाजपा महासचिव चुघ ने विपक्ष को घेरा

# हार का ठीकरा दूसरों के सिर पर फोड़ना बंद करे इंडी गठबंधन

महाराष्ट्र निकाय चुनाव परिणाम पर बोले नेतागण

## महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन के शानदार प्रदर्शन पर यह बात कही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/मुंबई

भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन के शानदार प्रदर्शन पर कहा कि भारत की जनता बहुत समझदार है। देश का कोई भी हिस्सा हो, जनता हर जगह कांग्रेस और इंडी गठबंधन को सजा दे रही है। राहुल जी, आईना साफ मत करिए। आईना साफ करने से मुंह पर लगे कालिख के निशान मिट नहीं सकते। आप हार का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि आपके काले कारनामों पर देश और महाराष्ट्र की जनता वोट की चोट से सजा दे रही है।ये विजय यात्रा 26 मई, 2014 से चल रही है। चुघ ने कहा कि आने वाले बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पांडिचेरी चुनाव में हर जगह जनता का आशीर्वाद भाजपा को ही मिलेगा।

### पाकिस्तान की धुन पर नाचने वाली पार्टी हारी

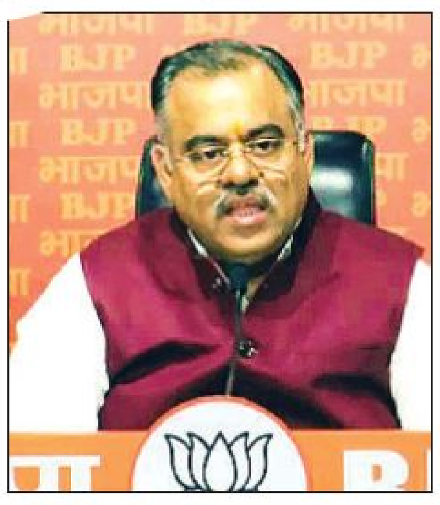
तरुण चुघ

चुघ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस देश में विदेशी टूलकिट की तरह काम करती है। पाकिस्तान की धुन पर नाचने वाली पार्टी की हार हुई है। हार का ठीकरा फोड़ने की कांग्रेस की आदत है। मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए नई ऊंचाई को छू रहा है। आज महाराष्ट्र की जनता ने विकसित भारत के संकल्प को आशीर्वाद दिया है। कांग्रेस पर चुघ ने कहा कि पाक सेना की ट्यून पर नागिन डांस करने वाली पार्टियों को जनता जवाब दे रही है।

### लोग काम देखकर दे रहे वोटः पाटिल

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल ने

कहा कि लोग देख रहे हैं कि हमने क्या किया है? हम सिर्फ चुनावी भाषण पर निर्भर नहीं करते। लोग हमारे पुराने काम देखकर ही हम पर विश्वास कर रहे हैं। हमने कोरोना महामारी के दौरान भी काफी काम किया था।अगर ठाकरे भाई भी साथ आए हैं या कांग्रेस और एनसीपी हाथ मिला लें, ये लोगों के हित में नहीं है। लोग समझते हैं कि ये लोग सिर्फ अपने फायदे के लिए साथ आ रहे हैं।

शिवसेना नेता शाइना का तंज

### ठाकरे भाई अब वर्क फ्रॉम होम करें

शिवसेना नेता शाइना एनसी ने महायुति की महाराष्ट्र नगर निकाय चुनावों में बड़ी जीत का भरोसा जताया है। शाइना ने उद्धव ठाकरे को अपना स्क्रिप्ट राइटर बदलना चाहिए और कोई नया बहाना ढूंढना चाहिए। हार-जीत का फैसला जनता करती है। संदेश यह है कि जो लोग जमीन पर काम करते हैं, उन्हें मौका मिलता है। जो घर से काम करते हैं, उन्हें घर पर ही रहना पड़ता है। ठाकरे भाइयों को वर्क फ्रॉम होम करना चाहिए और घर पर रहना चाहिए।

#### 25 साल से कुछ नहीं किया

महायुति के प्रदर्शन पर शाइना ने कहा कि 25 सालों में उन्होंने कुछ नहीं किया। लेकिन हमारे उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दो चरणों में गड्ढों की समस्या हल की। उन्होंने 26 भ्रष्ट ठेकेदारों को जेल भेजा। पिछली सरकार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी नहीं दे पाई। हमने समय पर 7 प्रदान किए। विकास के मामले में हमने 5000 इलेक्ट्रिक बसें, 435 किमी मेट्रो कनेक्टिविटी और पर्यावरण-अनुकूल पहल की हैं। उन्होंने कहा कि बीएमसी चुनावों के लिए गठबंधन बनाने वाले अवसरवादी हैं।

सांसद मोहन ने राज ठाकरे को घेरा

### चुनाव में छाई 'रसमलाई', राज ठाकरे ने अन्नामलाई को कही थी यह बात

बेंगलुरु सेंट्रल से लोकसभा सांसद पीसी मोहन ने एक्स पर 'रसमलाई' की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, कुछ रसमलाई

मंगवाई। यह ट्वीट राज ठाकरे पर सीधा कटाक्ष था, जिन्होंने पिछले सप्ताह की शुरुआत में भाजपा सांसद के अन्नामलाई के साथ जुबानी जंग शुरू की थी।राज ने अन्नामलाई पर निशाना साधते हुए उन्हें 'रसमलाई' कहकर उनका मजाक उड़ाया। उनके अधिकार पर सवाल उठाए।

राउत ने गड़बड़ी का लगाया आरोप

### हजारों वोटरों के नाम गायब

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बीएमसी चुनावों को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने

पर गड़बड़ी, ईवीएम में खराबी और आचार संहिता के उल्लंघन का दावा किया। राउत ने कहा कि मुंबई में दिख रहा वोटिंग पैटर्न एक गंभीर मामला है। उन इलाकों में वोटर लिस्ट से हजारों मतदाताओं के नाम गायब थे, जहां शिवसेना (यूबीटी), मनसे और कांग्रेस को मजबूत समर्थन मिलता है।

### लोकतांत्रिक संस्थाएं तभी सशक्त और प्रासंगिक होंगी, जब वे पारदर्शी, समावेशी, उत्तरदायी होंः लोक सभा अध्यक्ष

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों का 28वाँ सम्मेलन शुक्रवार को लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक जन-केंद्रित बनाने की नवीकृत प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुआ। 2 दिनी सम्मेलन के समापन सत्र में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने समापन संबोधन दिया। बिरला ने 29वें सीएसपीओसी की अध्यक्षता यूनाइटेड किंगडम के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष सर लिंडसे होयल को सौंपी तथा लंदन में होने वाले अगले सीएसपीओसी की सफलता के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं तभी सशक्त और प्रासंगिक बनी रह सकती हैं जब वे पारदर्शी, समावेशी, उत्तरदायी और जनता के प्रति जवाबदेह हों। पारदर्शिता निर्णय-प्रक्रिया में खुलेपन को सुनिश्चित कर जनता के विश्वास को बढ़ाती है, जबकि समावेशन यह सुनिश्चित करता है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में प्रत्येक आवाज़, विशेषकर समाज के हाशिये पर खड़े लोगों की सुनी जाए। ये सिद्धांत मिलकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की वैधता को बनाए रखते हैं और नागरिक तथा राज्य के बीच स्थायी संबंध को सुदृढ़ करते हैं।

सीएसपीओसी की स्थापना के पीछे 56 वर्ष पूर्व की परिकल्पना को याद करते हुए बिरला ने कहा सम्मेलन राष्ट्रमंडल की लोकतांत्रिक विधायिकाओं के बीच सतत संवाद सुनिश्चित करने तथा संसदीय कार्यकुशलता और उत्तरदायित्व को बढ़ाने के नए उपायों की खोज के उद्देश्य से स्थापित किया गया था। बिरला ने कहा कि संसदों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग, सोशल मीडिया के प्रभाव, चुनावों से परे नागरिक सहभागिता, तथा सांसदों और संसदीय कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण जैसे विषयों पर हुई चर्चाएँ विशेष रूप से विचारोत्तेजक रहीं। उन्होंने कहा कि इन विमर्शों से पीठासीन अधिकारियों को उस महत्वपूर्ण दौर में अपनी विकसित होती भूमिकाओं और दायित्वों के बारे में अधिक स्पष्टता मिली, जहाँ लोकतांत्रिक परंपराएँ तीव्र तकनीकी परिवर्तन से विकसित हो रही हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने नए 'सीड एक्ट' की दी जानकारी

# नकली बीजों पर होगी सख्त कार्रवाई, परंपरागत बीज प्रणाली बनी रहेगी सुरक्षितः शिवराज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि नए सीड एक्ट से नकली बीज की समस्या से किसानों को मिलेगी पूरी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह विधेयक किसानों की सुरक्षा, बीज की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाला ऐतिहासिक कदम है। नई दिल्ली में पत्रकार वार्ता में चौहान ने नए सीड एक्ट की विशेषताओं और उसके किसानों पर होने वाले प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मीडिया के सवालों के जवाब में केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि अब देश में बीज की ट्रेसिबिलिटी की व्यवस्था स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया, 'हमने कोशिश की है कि ऐसा सिस्टम बने, जिसमें यह पूरा पता चल सके कि बीज कहां उत्पादित हुआ, किस डीलर ने दिया और किसने बेचा।' हर बीज पर क्यूआर कोड होगा, जिसे स्कैन करते ही किसान यह जान सकेगा कि वह बीज कहां से आया है। इससे घटिया या नकली बीज न केवल रोके जा सकेंगे बल्कि यदि वे बाजार में आएंगे भी तो जिम्मेदार व्यक्ति पर शीघ्र कार्रवाई संभव होगी। कृषि मंत्री ने बताया कि जैसे ही ट्रेसिबिलिटी लागू होगी, नकली या खराब बीज की पहचान तुरंत हो जाएगी। उन्होंने कहा, 'खराब बीज आएंगे ही नहीं, और अगर आएंगे तो पकड़े जाएंगे। जिसने खराब बीज दिया, उसे दंड दिया जाएगा।' इससे किसानों को भ्रमित करने वाली कंपनियों और डीलरों की मनमानी पर लगाम लगेगी।

कहा, अब घटिया बीज बेचने वालों पर 30 लाख रुपए तक जुर्माना

ट्रेसिबिलिटी लागू होते ही नकली या खराब बीज की पहचान होगी

### बीज कंपनियों का रजिस्ट्रेशन होगा अनिवार्य

चौहान ने कहा कि अब हर सीड कंपनी का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा, जिससे यह साफ रहेगा कि कौन सी कंपनी अधिकृत है। उन्होंने कहा, 'पंजीकृत कंपनियों की जानकारी उपलब्ध रहेगी और कोई भी अनधिकृत विक्रेता बीज नहीं बेच पाएगा।' इससे बाजार में फर्जी कंपनियां खत्म होंगी और किसानों को सही स्रोत का बीज मिलेगा।

### परंपरागत बीजों पर कोई पाबंदी नहीं

चौहान ने इस भ्रम को दूर किया कि नया कानून किसानों के परंपरागत बीजों पर रोक लगाएगा। किसान अपने बीज बो सकते हैं, दूसरे किसान को बीज दे सकते हैं। स्थानीय स्तर पर जो परंपरागत बीज विनिमय की परंपरा है, वो जारी रहेगी। इसमें कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में बोनी के समय किसान आपस में बीज लेते–देते हैं और फिर सवा गुना वापस कर देते हैं।

### किसानों को धोखा देने वाली कंपनियों पर होगी सख्त कार्रवाई

शिवराज सिंह ने कहा कि बीजों की गुणवत्ता पर अब किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री चौहान ने कहा, 'अभी तक 500 रुपये तक का जुर्माना था, अब प्रस्ताव है कि 30 लाख रुपये तक जुर्माना हो और अगर कोई जानबूझकर अपराध करता है तो सजा का भी प्रावधान है।' उन्होंने कहा कि सब कंपनियां खराब नहीं हैं, लेकिन जो किसान को धोखा देंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि सीड एक्ट में तीनों स्तर पर प्रावधान किए गए हैं- सार्वजनिक क्षेत्र (आईसीएआर, कृषि विश्वविद्यालय, केवीके), देसी कंपनियां जो उच्च गुणवत्ता के बीज बनाती हैं, विदेशी बीजों के लिए उचित मूल्यांकन व्यवस्था। उन्होंने कहा, 'विदेश से आने वाले बीज पूरी तरह जांच और मूल्यांकन के बाद ही स्वीकृत होंगे। हमारे सार्वजनिक और देसी निजी क्षेत्र को मजबूत बनाया जाएगा ताकि किसानों तक अच्छे बीज पहुंचें।'

## राष्ट्रमंडल देशों के संसद अध्यक्षों के सम्मान में उपराष्ट्रपति ने दिया भोज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित संविधान सदन में राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकर्स एवं पीठासीन अधिकारियों के सम्मान में एक औपचारिक भोज का आयोजन किया। यह आयोजन 14 से 16 जनवरी तक आयोजित 28वें राष्ट्रमंडल स्पीकर्स एवं पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के अवसर पर किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि संविधान सदन भारत की साढ़े सात दशकों से अधिक समय से सशक्त और जीवंत संसदीय लोकतंत्र की परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन राष्ट्रमंडल लोकतंत्रों को जोड़ने वाली सामूहिक सद्भावना और साझा उद्देश्य की भावना को दर्शाता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि विविध मतों के बीच शालीनता और गरिमा के साथ संवाद, बहस और चर्चा को सुगम बनाना पीठासीन अधिकारियों की साझा और प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उल्लेख किया कि यद्यपि राष्ट्रमंडल देश भौगोलिक स्थिति, संस्कृति और ऐतिहासिक अनुभवों में भिन्न हैं, फिर भी वे समान संसदीय मूल्यों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता से जुड़े हुए हैं।

पीठासीन अधिकारियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि वे विधायिकाओं की गरिमा और जनता की आवाज़ के अंतिम संरक्षक होते हैं, जिन पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सदन की मर्यादा के बीच संतुलन बनाए रखने की जिम्मेदारी होती है।

भारत की लोकतांत्रिक विरासत का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने भारत को 'लोकतंत्र की जननी' बताते हुए कहा कि भारत राष्ट्रमंडल को केवल एक ऐतिहासिक मंच नहीं, बल्कि समान भागीदारों के बीच सहयोग का एक सशक्त और भविष्य उन्मुख मंच मानता है। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच संस्थागत अनुभव, श्रेष्ठ प्रथाओं और ज्ञान के आदान-प्रदान के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं, जिससे विधायिकाओं की पारदर्शिता, समावेशिता और मजबूती बढ़ती है।

उन्होंने 'सहभोजन' की भारतीय परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि सामूहिक भोजन समानता, भाईचारे और आपसी आत्मीयता का प्रतीक है। इस अवसर पर संस्कृत प्रार्थना 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का आह्वान करते हुए उन्होंने राष्ट्रमंडल देशों की जनता के कल्याण के लिए साझा प्रयासों की प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्रीगण, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, अंतर-संसदीय संघ की अध्यक्ष डॉ. तुलिया ऐकसन, राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के अध्यक्ष डॉ. क्रिस्टोफर कलिला, राज्यसभा एवं लोकसभा के महासचिव तथा विभिन्न राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकर्स और पीठासीन अधिकारी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन के अंत में उपराष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि आपसी विचार-विमर्श से राष्ट्रमंडल देशों के बीच संसदीय सहयोग, आपसी समझ और संबंध और अधिक सुदृढ़ होंगे तथा अतिथियों की भारत यात्रा स्मरणीय और सफल रहेगी।

## गणतंत्र दिवस पर ईयू का नौसैन्य दस्ता सेनाओं के साथ करेगा मार्च

शुक्रवार को राजधानी में हुए संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बोले रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को साउथ ब्लॉक में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर आयोजित किए जाने वाले 77 वें गणतंत्र दिवस समारोह से जुड़ी हुई जानकारी दी। जिसमें उन्होंने कहा कि इस वर्ष परेड समारोह की मुख्य थीम वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर केंद्रित रहेगी। जिसकी खास बात यह होगी कि इसकी प्रस्तुति न केवल देश के इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन के लिए तैयार किए गए निमंत्रण पत्रों पर लोगो के रूप में देखने को मिलेगी। बल्कि आयोजन दिवस पर कर्तव्य पथ पर मुख्य मंच पर फूलों की सजावट के साथ भी इसे बेहद खूबसूरती के साथ दर्शाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम की थीम को लेकर अगले सप्ताह 19 से 26 जनवरी तक देशभर में क्विज, निबंध और गायन प्रतियोगिताएं भी होंगी। जबकि केंद्रीय अर्धसैन्य बलों (सीएपीएफ) द्वारा 32 राज्यों के 127 शहरों में कुल करीब 235 जगहों पर बैंड प्रस्तुति दी जाएगी। जिनमें पश्चिम-बंगाल में मुख्य रूप से राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिम चंद्र के जन्म स्थान को भी शामिल किया गया है। ज्ञात हो कि इस विषय पर हरिभूमि ने सबसे पहले पिछले साल दिसंबर महीने में ही अपने दिल्ली समेत अन्य संस्करणों में कुछ खबरों को प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया था।

### ईयू का नौसैन्य दस्ता होगा शामिल

उन्होंने बताया कि इस वर्ष समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जहां यूरोपीय परिषद और आयोग के अध्यक्ष शिरकत करेंगे। वहीं, यूरोपीय संघ (ईयू) की नौसेना का एक दस्ता भी कर्तव्य पथ पर भारतीय सशस्त्र सेनाओं के साथ कदमताल करता हुआ नजर आएगा। हालांकि आकार में यह बहुत अधिक बड़ा नहीं होगा।

### नदियों के नाम पर होंगी दीर्घाएं

रक्षा सचिव ने कहा कि परेड समारोह देखने के लिए आने वाले दर्शकों के बैठने के लिए बनाई गई दीर्घाओं के नाम इस बार भारत की प्रमुख नदियों के नाम पर रखे गए हैं। जिनमें कुछ पुराने चित्र लगाए जाएंगे। जिन पर राष्ट्रगीत की कुछ पंक्तियां अंकित रहेंगी। वहीं, मुख्य मंच पर फूलों की आकृति के साथ वंदे मातरम के रचयिता को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। समारोह के समापन पर यानी परेड के अंत में वंदे मातरम की थीम वाले बैनर के साथ गुब्बारे हवा में छोड़े जाएंगे।

### 90 मिनट की होगी परेड

सिंह ने कहा कि परेड की अवधि में कोई खास बदलाव नहीं किया गया है। बल्कि ये पहले की तरह 90 मिनट की ही होगी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का खुले तौर पर इस आयोजन में जिक्र नहीं किया गया है। क्योंकि हम देश के रणनीतिक या अभियान संबंधी तत्व को परेड से पीछे रखना चाहते थे। हां, समारोह में हमारे मुख्य हथियारों, सैन्य सामग्री और अन्य युद्धक प्लेटफार्म का देश-दुनिया के लोगों को साक्षात नजारा जरूर देखने को मिलेगा। आयोजन स्थल पर कुल करीब 77 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है। जबकि अभी तक इसे लेकर 32 हजार टिकटों की बिक्री हो चुकी है। ऑपरेशन सिंदूर में प्रयोग किए गए ब्रह्मोस, नाग मिसाइल से लेकर आकाश एयर डिफेंस सिस्टम और सेना की नवगठित भैरो बटालियन, लद्दाख स्काउट्स (बैटल ऐरे फॉर्मेट में होगा सेना का दस्ता) भी आयोजन का हिस्सा बनेंगे।

अभय बोले- केंद्र ने मणिकर्णिका घाट पर विध्वंस कर शंकर और अहिल्याबाई का अपमान किया

# मोदी-योगी सरकार पुरानी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत ध्वस्त कर रही

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने वाराणसी (काशी) के मणिकर्णिका घाट पर मंदिरों और प्रतिमाओं को ध्वस्त किए जाने पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा है कि विकास के नाम पर विरासत का विनाश किया जा रहा है। पार्टी का कहना है कि हिंदुत्व का दिखावा करने वाली केंद्र की मोदी और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार हजारों साल पुरानी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को ध्वस्त कर रही है।

नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक अभय दुबे ने कहा कि विकास और सुंदरीकरण के नाम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी (काशी) के हजारों साल पुराने मंदिरों को तोड़ा जा रहा है और घाटों को तबाह किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता अजय राय ने मणिकर्णिका घाट के सौंदर्यीकरण के नाम पर बुलडोजर चलवाए जाने पर निशाना साधते हुए कहा कि 2023 में प्रधानमंत्री द्वारा घाट का सुंदरीकरण करने के लिए शिलान्यास किया गया था, लेकिन सौंदर्यीकरण के नाम पर घाट को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर द्वारा जीर्णोद्धार किए गए इस घाट पर उनकी मूर्तियों, सैकड़ों साल पुराने मंदिरों और शिवलिंग को ध्वस्त करने के साथ-साथ जिस स्थान पर माता पार्वती की मणि गिरी, उस जगह को भी तोड़ दिया गया है।

मणिकर्णिका घाट की महत्ता का जिक्र करते हुए अजय राय ने कहा कि दुनिया भर में यह घाट मोक्ष प्राप्ति का प्रमुख केंद्र है। हिंदू समाज के लोग अपनी अंतिम इच्छा में यहीं पर दाह-संस्कार चाहते हैं। उन्होंने बताया कि इस घाट की आग कभी नहीं बुझती है और ऐसी मान्यता है कि यहां अंतिम संस्कार होने पर आत्मा को मोक्ष मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि हर साल पंचकोशी यात्रा का आरंभ मणिकर्णिका घाट से होता है और करोड़ों श्रद्धालु इस घाट पर बने कुंड में स्नान करके यात्रा का संकल्प लेते हैं।

अजय राय ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के नाम पर हजारों साल पुराने मंदिर तोड़े जाने और अक्षय वटवृक्ष को काटकर खत्म किए जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुक्तेश्वर महादेव के मंदिर, कसौटी वाले पत्थर से बने दुर्लभ लक्ष्मीनारायण मंदिर व शनि भगवान के मंदिर को तोड़ दिया गया और कॉरिडोर के नाम पर वहां एक आधुनिक मॉल बना दिया गया। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाहवाही लूटते हैं, लेकिन असल में विरासत को तबाह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे हिंदू समाज की गहरी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

कांग्रेस नेता ने याद दिलाया कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए भी नरेंद्र मोदी ने के कार्यकाल में कई मंदिर तोड़े गए थे, जिसका विरोध करते हुए विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल ने कहा था कि कांग्रेस ने कभी भी मंदिरों को ध्वस्त नहीं किया और धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं किया।

अजय राय ने गंगा नदी की दुर्दशा को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि गंगा में चलाए जा रहे क्रूज से मल-मूत्र पवित्र नदी में गिराया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उस क्रूज का नाम स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखा है, लेकिन उस क्रूज से गंगा को अपवित्र करना उनका अपमान है। उन्होंने बनारस की दालमंडी में सैकड़ों साल पुराने थोक बाजार को ध्वस्त करने और पुनर्वास की कोई व्यवस्था न होने को लेकर भी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इससे लाखों लोग बेरोजगार और छोटे व्यापारी बर्बाद हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ हिंदुत्व का दिखावा करती है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नास्तिक है।

वहीं अभय दुबे ने कहा कि काशी वह अलौकिक भूमि है जिसे स्वयं भगवान शंकर ने सृजित किया, लेकिन भाजपा सरकार ने यहां इतना बड़ा विध्वंस किया जितनी कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने मणिकर्णिका घाट पर विध्वंस कर भगवान शंकर और अहिल्याबाई होल्कर का अपमान किया है। उन्होंने सरकार द्वारा बजरंगबली को जारी नोटिस सामने रखते हुए इसे शर्मनाक बताया।

कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि मणिकर्णिका घाट पर चल रहा कार्य तत्काल रोका जाए। काशी के धर्माचार्यों से बातचीत कर आगे का कार्य किया जाए। दालमंडी को बुलडोज होने से बचाया जाए और वहां के व्यापारियों-निवासियों के पुनर्वास की पूरी व्यवस्था की जाए।

**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

धारा 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राज कुमार पुत्रः ईश्वर दास पताः डब्ल्यूजेड–280/सी–1, श्री नगर कॉलोनी, दिल्ली** ने case **FIR No. 703/2016 U/s 498A/406/34 IPC, थानाः सुभाष प्लेस, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राज कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राज कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 703/2016 U/s 498A/406/34 IPC, थानाः सुभाष प्लेस, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राज कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 28.02.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री ऐश्वर्या शर्मा
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी (महिला कोट–1)
उत्तर पश्चिम, रूम नं. 106, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/532/NE/2026 (Court Matter)

**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

धारा 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल पुत्रः बलबीर सिंह पताः मकान नं. 5, ब्लॉक एच–2, कवर सिंह नगर, नांगलोइ, दिल्ली** ने case **FIR No. 452/2016 U/s 33/38 Delhi Excise Act, थानाः निहाल विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 452/2016 U/s 33/38 Delhi Excise Act, थानाः निहाल विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राहुल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 18.02.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री कोमल गर्ग
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
पश्चिम, रूम नं. 292
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/548/OD/2026 (Court Matter)

## रुपया 50 पैसे टूटकर 90.84 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। रुपये में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और यह 50 पैसे टूटकर 90.84 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकसी से घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अस्थिर वैश्विक रुख और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती ने विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी को तेज कर दिया जबकि घरेलू निवेशकों ने निचले मूल्य पर शेयरों की खरीद की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.37 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 90.89 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर पहुंच गया।

## भारत के दम पर दक्षिण एशिया बना वृद्धि का सबसे चमकदार केंद्रः डब्ल्यूईएफ रिपोर्ट

- वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में मामूली सुधार हुआ है लेकिन अनिश्चितताएं बरकरार हैं।

नई दिल्ली। हाल में वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में मामूली सुधार के बावजूद अधिकतर शीर्ष अर्थशास्त्री इस साल वैश्विक अर्थव्यवस्था के कमजोर पड़ने की आशंका जता रहे हैं लेकिन भारत के दम पर दक्षिण एशिया वृद्धि का सबसे चमकदार केंद्र बना हुआ है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही। डब्ल्यूईएफ की दावोस वार्षिक बैठक शुरू होने से पहले जारी 'मुख्य अर्थशास्त्रियों का परिदृश्य' शीर्षक से जारी रिपोर्ट कहती है कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में मामूली सुधार हुआ है लेकिन अनिश्चितताएं बरकरार हैं। परिसंपत्ति मूल्यांकन, बढ़ता कर्ज, भू-आर्थिक बदलाव और कृत्रिम मेधा (एआई) को तेजी से अपनाना अवसर और जोखिम दोनों पैदा कर रहा है। दुनिया भर की सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं के मुख्य अर्थशास्त्रियों के बीच कराए गए सर्वे में शामिल लगभग 53 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में इस वर्ष गिरावट आ सकती है। हालांकि सितंबर, 2025 में ऐसी राय रखने वाले मुख्य अर्थशास्त्रियों का अनुपात 72 प्रतिशत था।

## स्मार्टफोन, टीवी और लैपटॉप हो सकते हैं 8 प्रतिशत तक महंगे

- विशेषज्ञों का मानना, मेमोरी चिप्स की बढ़ती मांग का पड़ेगा असर

नई दिल्ली। 1 फरवरी को बजट 2026 पेश किया जाएगा। एक तरफ लोगों को उम्मीद है इस दौरान स्मार्टफोन, टीवी और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रोनिक सामानों की कीमत घट सकती है तो वही दूसरी ओर इंडस्ट्री विशेषज्ञों और मार्केट विशेषज्ञों के अनुसार, स्मार्टफोन कंपनियों को मेमोरी चिप्स की बढ़ती मांग का असर महसूस हो रहा है, क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल से चिप्स की कीमतें ऊपर जा रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले दो महीनों में स्मार्टफोन, टीवी और लैपटॉप की कीमतें 4-8 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं, जबकि नवंबर-दिसंबर में ये पहले ही 21 प्रतिशत तक बढ़ चुकी हैं। इंडस्ट्री के विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि इस साल कीमतों में बढ़ोतरी हर तिमाही या हर महीने होती रह सकती है। मार्केट रिसर्च फर्म के अनुसार, मेमोरी मार्केट अब 'हाइपर-बुल' फेज में है।

**नवंबर-दिसंबर में बढ़ी कीमतें:** वहीं, सुपर प्लसट्रोनिक्स के सीईओ ने कहा, "नवंबर में कीमतें 7 प्रतिशत बढ़ाईं, इस महीने 10 प्रतिशत बढ़ रही हैं और फरवरी में 4 प्रतिशत और बढ़ाने की योजना है।

## इन्फोसिस के सहारे शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 188 अंक चढ़ा

- चुनिंदा दिग्गज कंपनियों में निकली खरीदारी
- बाजार में दो सत्रों के बाद तेजी दर्ज की गई

मुंबई। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच चुनिंदा दिग्गज कंपनियों में लिवाली आने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में दो सत्रों के बाद तेजी लौट आई। सेंसेक्स 188 अंक चढ़ा जबकि निफ्टी में 29 अंक की तेजी रही। बीएसई का 30 शेयर पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स लगातार दो कारोबारी सत्र की गिरावट के बाद 187.64 अंक बढ़त के साथ 83,570.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 752.26 अंक उछलकर 84,134.97 अंक तक पहुंच गया था। निफ्टी भी उतार-चढ़ाव भरे सत्र में 28.75 अंक चढ़कर 25,694.35 अंक पर बंद हुआ। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा, "कमजोर रुपये और वैश्विक व्यापार से संबंधित मुद्दों को लेकर चिंताओं से प्रतिभागी सतर्क हैं। भू-राजनीतिक और व्यापक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निरंतर सतर्कता को दर्शाते हुए, कुल भागीदारी चुनिंदा एवं विशिष्ट शेयर तक ही सीमित रही।

## 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 1,46,200 रुपये

# साल 2050 तक सोना हो सकता है 40 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम, पहुंच से हो रहा दूर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में सोने की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं, जिससे यह धीरे-धीरे आम आदमी की पहुंच से दूर होता जा रहा है। दिल्ली, जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ जैसे शहरों में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 1,46,200 रुपए है। वहीं, 22 कैरेट सोने का भाव 1,31,790 रुपए के करीब चल रहा है। महंगाई जैसे-जैसे बढ़ रही है पैसे की वैल्यू भी कम होती जा रही है। अक्सर हम-आप यह कैलकुलेट कर रहे होते हैं कि 1 करोड़ रुपए की वैल्यू अगले दस या बीस सालों में कितनी रह जाएगी। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि 2050 तक सोने की कीमत कितनी रह जाएगी? जाहिर सी बात है कि पैसे की वैल्यू कम होगी तो आज आप 1 करोड़ रुपए से जितना गोल्ड ले पाएंगे, उतना आप अगले दस या बीस सालों में इतनी ही रकम में नहीं ले पाएंगे। ऐसे में सिर्फ पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि महंगाई को समझते हुए स्मार्ट इन्वेस्टमेंट की प्लानिंग भी जरूरी है।

- शादी-ब्याह में गोल्ड खरीदी के लिए 1 करोड़ रुपये भी पड़ जाएगे कम

### सोने से मिल रहा दमदार रिटर्न

बीते कुछ सालों में सोने की कीमतों में गजब का उछाल आया है। इससे इसके निवेशकों की संपत्ति भी कई गुना बढ़ी है। साल 2000 में 24-कैरेट सोने की कीमत सिर्फ 4,400 रुपए प्रति 10 ग्राम और 2020 में 10 ग्राम के 24 कैरेट सोने की कीमत 50,000 रुपए थी। वहीं, आज यह 1,40,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार चला गया है। यानी कि महज छह सालों में सोने की कीमतें लगभग तीन गुना बढ़ गई हैं। बीते 30 साल के आंकड़े भी यही बताते हैं कि भारत में सोने की कीमत सालाना औसतन 10.83 प्रतिशत कंपाउंड वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) रही हैं।

### रुपये के अवमूल्यन से बढ़ी कीमतें

रुपए का अवमूल्यन और महंगाई इसकी खास वजहें हैं। वैश्विक तनाव और अनिश्चितताओं और केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी से सेफ हेवन के रूप में सोने की डिमांड बढ़ती जा रही है। ऐसे में इसकी कीमत भी अमेरिकी डॉलर में 5-7 प्रतिशत तक बढ़ी है। सोने पर दमदार रिटर्न को देखते हुए भी निवेशक इस ओर आकर्षित हो रहे हैं।

### 2050 तक कितनी हो जाएगी कीमत?

सोना चूंकि अब 1.40 लाख के ऊपर है, तो अब यह 14.6 प्रतिशत सीएजीआर ग्रोथ रेट को दिखाता है। अगर अगले 25 सालों तक सोने की कीमतें इसी दर (14.6 प्रतिशत सीएजीआर) से बढ़ती रहीं, तो 2050 में 10 ग्राम सोने की कीमत लगभग 40 लाख रुपए तक पहुंच सकती है। इसका मतलब है कि उस समय 1 करोड़ रुपए में सिर्फ 25 ग्राम सोना ही खरीदा जा सकेगा।

### कीमतों में वृद्धि के लिए कई कारक जिम्मेदार

हालांकि, ये कैलकुलेशन सिर्फ एक अनुमान है। सोने की कीमतें कई घरेलू और ग्लोबल फैक्टर्स पर निर्भर करती हैं, जैसे कि ब्याज दरें, डॉलर की स्थिति, सेंट्रल बैंक की नीतियां और ग्लोबल इकॉनमी। हालांकि, अनुमान के आधार पर देखे तो 2050 में सोने की कीमत 40 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से ज्यादा या कम हो सकती है।

### चांदी 3,600 रुपये की तेजी के साथ 2.92 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर, सोना फिसला

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को चांदी की कीमत लगातार छठे दिन रिकॉर्ड तेजी के साथ 3,600 रुपये उछलकर 2,92,600 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। स्टॉकिस्टों की लगातार लिवाली के बीच चांदी की कीमत में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी है। हालांकि, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर से नीचे आ गया और 1,100 रुपये घटकर 1,46,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रहा। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,47,300 रुपये प्रति 10 ग्राम था। बृहस्पतिवार को चांदी 2,89,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। कारोबारियों ने कहा कि कमजोर वैश्विक रुख के बावजूद लगातार औद्योगिक उठाव के कारण चांदी मजबूत बनी हुई। चांदी अब सिर्फ छह सत्रों में 20.16 प्रतिशत यानी 49,100 रुपये चढ़ चुकी है। आठ जनवरी को इसकी कीमत 2,43,500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। चांदी लगातार दूसरे साल सोने से आगे रही और अबतक इसने 22.4 प्रतिशत का लाभ दिया है। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना और चांदी में लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही। मजबूत डॉलर और पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बाद भू-राजनीतिक जोखिम कम होने से कीमतों में गिरावट आई। हाजिर सोना 12.46 डॉलर या 0.27 प्रतिशत घटकर 4,603.51 डॉलर प्रति औंस रहा।

## बीएसएनएल ने वायासैट से मिलाया हाथ

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने शुक्रवार को कहा कि उसने भारतीय नौसेना के उपग्रह संचार उन्नयन कार्यक्रम के अगले चरण को शुरू करने के लिए उपग्रह कंपनी वायासैट के साथ सहयोग किया है। यह कार्यक्रम इस महीने के अंत में शुरू होगा। बीएसएनएल और भारतीय रक्षा बलों के बीच हस्ताक्षरित एक समझौते के तहत, भारतीय नौसैनिक मंचों के लिए उन्नत, मजबूत और सुरक्षित संपर्क प्रदान करने के लिए वायासैट की उच्च-आवृत्ति श्रेणी वाली केए-बैंड उपग्रह प्रणालियों का उपयोग इसकी मौजूदा निम्न-आवृत्ति श्रेणी वाले एल-बैंड अवसंरचना के साथ किया जाएगा। बीएसएनएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक रॉबर्ट रवि ने कहा, "बीएसएनएल को वायासैट के साथ अपनी साझेदारी के माध्यम से उन्नत संपर्क समाधान प्रदान करके भारतीय नौसेना के उपग्रह संचार आधुनिकीकरण में सहयोग करने पर गर्व है।

## वृंदावन के संत गुरु प्रेमानंद महाराज से एलन इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर ने की भेंट

वृंदावन। वृंदावन के प्रसिद्ध संत गुरु प्रेमानंद महाराज से हाल ही में देश के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान एलन इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर ने मुलाकात की। इस अवसर पर बच्चों के भविष्य, जीवन में सही लक्ष्य निर्धारण और संयम के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। गुरु प्रेमानंद महाराज ने कहा कि "बच्चे ही हमारे देश का आने वाला भविष्य हैं। उनके भीतर अपार संभावनाएं छुपी हैं। जीवन में सफलता के लिए सही लक्ष्य और संयम सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं।" उन्होंने नई पीढ़ी से नशे और गलत आदतों से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि जब युवा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हैं, तभी उनमें देश और समाज की सेवा का भाव जागता है। एलन इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर ने महाराज जी को बताया कि उनके संस्थान से देशभर में लगभग 4 लाख विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, जो महाराज जी के विचारों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि एलन में प्रतिदिन की शुरुआत प्रार्थना से होती है।


**सार्वजनिक सूचना**

आकाश हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड
CIN: U85100DL1994PTC063836
पंजीकृत कार्यालय:
हॉस्पिटल प्लॉट, रोड नंबर-201, सेक्टर-3, द्वारका, नई दिल्ली-110075
विषय: मेडिकल रिकॉर्ड्स को नष्ट करना

आकाश हेल्थकेयर सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, द्वारका, नई दिल्ली-110075 द्वारा 1 जनवरी 2022 से 31 दिसंबर 2022 तक की मेडिकल रिपोर्ट्स को नष्ट किया जाएगा।
यदि आप इस बारे में कोई जानकारी लेना चाहते हैं या अपनी मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त करना चाहते हैं, तो कृपया इस सूचना के समाचारपत्र में प्रकाशित होने के एक महीने के भीतर नीचे दिए गए नंबरों पर संपर्क करें।

मोबाइल: +91 88000 15991
लैंडलाइन: +91 1143388888

Sd/
स्थान: नई दिल्ली — डॉ. हरप्रीत कौर
दिनांक: 16-01-2026 — चिकित्सा अधीक्षक



**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

**धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राम मूर्ति पुत्र** चीनू स्वामी, **निवासी** बी-5/701, सेक्टर-7, रोहिणी, दिल्ली **यहां भी:** मकान नं0-77, पॉकेट-11, ब्लॉक-एफ, सेक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली, ने **FIR No. 343/2018, U/S 287/304A IPC, पुलिस स्टेशन विजय विहार, रोहिणी जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राम मूर्ति** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राम मूर्ति** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 343/2018, U/S 287/304A IPC, पुलिस स्टेशन विजय विहार, रोहिणी जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **राम मूर्ति** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.03.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री शगुन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, उत्तर-पश्चिम, कोर्ट नं0-109, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/647/RD/2026
(Court Matter)



**सूचना**

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।


## गेल (इंडिया) लिमिटेड को आईजीएक्स ऊर्जा संवाद 2026 में 'प्रोप्राइटरी मेंबर ऑफ द ईयर' सम्मान

नई दिल्ली। गेल (इंडिया) लिमिटेड को इंडियन गैस एक्सचेंज (आईजीएक्स) द्वारा आयोजित वार्षिक कार्यक्रम ऊर्जा संवाद 2026 में 'प्रोप्राइटरी मेंबरऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली मे आयोजित हुआ। गेल की ओर से यह पुरस्कार श्री सुमित किशोर, कार्यकारी निदेशक (गैस विपणन) ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) के सदस्य श्री ए.के. तिवारी से प्राप्त किया।

## उत्तर पश्चिम रेलवे के उत्कृष्ट कार्य करने वाले 54 रेलकर्मियों को किया गया सम्मानित

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा शुक्रवार को 70वां विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह -2025 मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने इस अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे पर श्रेष्ठ कार्य करने वाले 54 रेलकर्मियों को व्यक्तिगत पुरस्कार से सम्मानित किया तथा उत्तर पश्चिम रेलवे के विभिन्न मंडलों/यूनिटों को अलग-अलग कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 21 शील्ड प्रदान किये। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री शशि किरण के अनुसार 70वां विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह -2025 उत्सव भवन, रेलवे अधिकारी क्लब, जगतपुरा, जयपुर में मनाया गया। श्री अमिताभ, महाप्रबन्धक द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 70वें राष्ट्रीय अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह 2025 में पुरस्कृत उत्तर पश्चिम रेलवे के 05 रेलकर्मियों का अभिनन्दन किया गया।


**आईसीएफ/एलएचबी बोगी फ्रेम और बोल्स्टर की शॉट ब्लास्टिंग और पेंटिंग**

**निविदा सं.: IMF-MP-PLG-NBQS-595।** निम्नलिखित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:**- 06 महीने की अवधि के लिए सी एंड डब्ल्यू वर्कशॉप में बीआरएस सेक्शन में लगी शॉट ब्लास्टिंग मशीन के ऑपरेशन और मेंटेनेंस सहित आईसीएफ/एलएचबी बोगी फ्रेम और बोल्स्टर की शॉट ब्लास्टिंग और पेंटिंग का काम (शॉट, पेंट आदि जैसी उपयोग सामग्री को छोड़कर)। **विज्ञापित मूल्य:** ₹49,95,000/-; **धरोहर राशि:** ₹99,900/-। **ई-निविदाएं** 30-01-2026 को 15.00 बजे **बंद होंगी**। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा कागजात के साथ संपूर्ण सूचना **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगी।

सीडब्ल्यूएम/सी एंड डब्ल्यू वर्कशॉप/ न्यू बंगाईगांव
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ


## राशिफल

**मेष:** मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

**वृष:** परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

**मिथुन:** आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

**कर्क:** क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

**सिंह:** आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

**कन्या:** आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

**तुला:** किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

**वृश्चिक:** आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

**धनु:** आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

**मकर:** क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

**कुंभ:** आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

**मीन:** मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी।

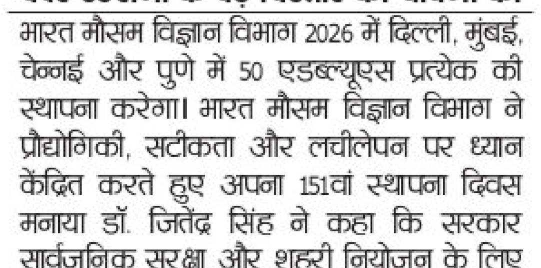


## केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने ऑटोमैटिक वेदर स्टेशनों के बड़े विस्तार की घोषणा की

भारत मौसम विज्ञान विभाग 2026 में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और पुणे में 50 एडब्ल्यूएस प्रत्येक की स्थापना करेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने प्रौद्योगिकी, सटीकता और लचीलेपन पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपना 151वां स्थापना दिवस मनाया डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार सार्वजनिक सुरक्षा और शहरी नियोजन के लिए डेटा-संचालित, शहर-विशिष्ट मौसम पूर्वानुमान को प्राथमिकता दे रही है। पूर्वानुमान की सटीकता में 40-50 प्रतिशत से अधिक सुधार हुआ; चक्रवात ट्रैक भविष्यवाणी में बड़े लाभ हुए : डॉ. जितेंद्र सिंह सरकार आईएमडी की पहुंच का विस्तार करने के लिए ₹उत्कृष्टता केंद्र₹ और नए क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र स्थापित करेगी


**उत्तर रेलवे**

**ई-नीलामी सूचना**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/पी.एस., उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों पर MPS/SMU/GMU खानपान यूनिट्स के अनुबंधों के आवंटन के लिए ई-निविदा आमंत्रित किया है।

| ई-कैटलॉग नं. | विज्ञापन का प्रकार | रेलवे स्टेशन एवं श्रेणीवार आरक्षण | ई-नीलामी के लिए दिनांक और समय |
|---|---|---|---|
| CTG-JAN-01-26 | विशेष लघु इकाइयाँ (एस एम यू) व बहुद्देशीय स्टॉल (एम पी एस) | (01) विशेष लघु इकाइयाँ (एस एम यू) व (16) बहुद्देशीय स्टॉल (एम पी एस) दिल्ली मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर। | प्रारंभ होने का समय: 29.01.2026 को 11:00 बजे |
| MPS-JAN-03-26 | बहुद्देशीय स्टॉल (एम पी एस) | (15) बहुद्देशीय स्टॉल (एम पी एस) दिल्ली मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर। | प्रारंभ होने का समय: 02.02.2026 को 11:00 बजे |
| MPS-JAN-04-26 | सामान्य लघु इकाइयाँ (जी एम यू) | (25) सामान्य लघु इकाइयाँ (जी एम यू) दिल्ली मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर। | प्रारंभ होने का समय: 03.02.2026 को 11:00 बजे |
| CTG-JAN-05-26 | सामान्य लघु इकाइयाँ (जी एम यू) व विशेष लघु इकाइयाँ (एम एम यू) | (19) सामान्य लघु इकाइयाँ (जी एम यू) व (06) विशेष लघु इकाइयाँ (एस एम यू) दिल्ली मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर। | प्रारंभ होने का समय: 04.02.2026 को 11:00 बजे |
| वेबसाइट विवरण जहाँ ई-नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है | | https://www.ireps.gov.in/(E-Auction-Leasing) | |

सं.: 23 AC/CTG/MPS POLICY 2017 दिनांक: 16.01.2026 — 174/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



**उत्तर रेलवे**

**TENDER NOTICE**
ई-निविदा (ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

| | | |
|---|---|---|
| | एन आई टी | 72, 73, 75, 77, 79, 80-2025-26-WV |
| 1 | काम का नाम (स्थान के साथ) | 72) ADEN/TKD के तहत JNC-PWL सेक्शन पर भारी अतिक्रमण वाली जगहों पर घुसपैठ रोकने के लिए बाउंड्री वॉल फेंसिंग का निर्माण ADEN/TKD के तहत सेक्शन में यार्ड में रेल, स्लीपर, फिटिंग का कैजुअल रिन्यूअल, ओवरहॉलिंग और अन्य विविध कार्य।। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी प्रकार का ट्रैक वर्क।<br>73) ADEN/DEE के तहत सेक्शन में यार्ड में रेल, स्लीपर, फिटिंग का सामान्य रिन्यूअल, ओवरहॉलिंग और अन्य काम। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी प्रकार का ट्रैक वर्क।<br>75) ADEN/DEE के तहत SSE/W/GGN सेक्शन में गुड़गांव रेलवे स्टेशन पर हेल्थ यूनिट का निर्माण। **कार्य की समान प्रकृति:** भवन/क्वार्टर का निर्माण।<br>77) ADEN/TKD के तहत विभिन्न बड़े और छोटे पुलों की 2025-2026 के लिए सालाना मरम्मत। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक के काम के अलावा कोई भी सिविल कार्य<br>79) ADEN/DEE के तहत SSE/W/GGN सेक्शन में स्टीम लोको हेरिटेज शेड रेवाड़ी में हेरिटेज रोलिंग स्टॉक के लिए भारी मरम्मत और रखरखाव सुविधाओं का विकास। **कार्य की समान प्रकृति:** भवन/क्वार्टर का निर्माण।<br>80) TTR (TSR) – 10 सेट (1:8.5 – 2 सेट और 1:12 – 8 सेट) ADEN/TKD के तहत NDLS- PWL सेक्शन के बीच |
| 2 | काम की अनुमानित लागत | 72) रुपये 7182821.77 73) रुपये 6994418.82 75) रुपये 21648713.87 77) रुपये 6034925.09 79) रुपये 61262280.85 80) रुपये 2825441.15 |
| 3 | अग्रिम राशि (रुपये) | (यह नेट बैंकिंग के रूप में होना चाहिए या केवल भुगतान गेटवे द्वारा।) (नोट: रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2015/सीई-आई/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार जो टेंडर आईआर ई पी एस पर आमंत्रित किया गया है उसमें एफडीआर को निविदा के लिए, ईएमडी के रूप में, स्वीकार नहीं किया जाएगा।) 72) रुपये 143700.00 73) रुपये 139900.00 75) रुपये 258300.00 77) रुपये 120700.00 79) रुपये 456300.00 80) रुपये 56500.00 |
| 4 | काम की समाप्ति अवधि | 72) 12 महीने 73) 06 महीने 75) 06 महीने 77) 06 महीने 79) 06 महीने 80) 06 महीने |
| 5 | निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय | 09.02.2026 को 15:00 बजे तक तथा 09.02.2026 को 15:00 बजे निविदा खुलना है। |
| 6 | वेबसाइट के विवरण का नोटिस बोर्ड स्थान निविदा का पूरा | यह निविदा आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in पर उपलबध है। |

No. 128-W/280/OET/2025-26/NIT-72, 73, 75, 77, 79, 80-W-V
Date 16.01.2026 — 169/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ


## शब्द पहेली - 6111

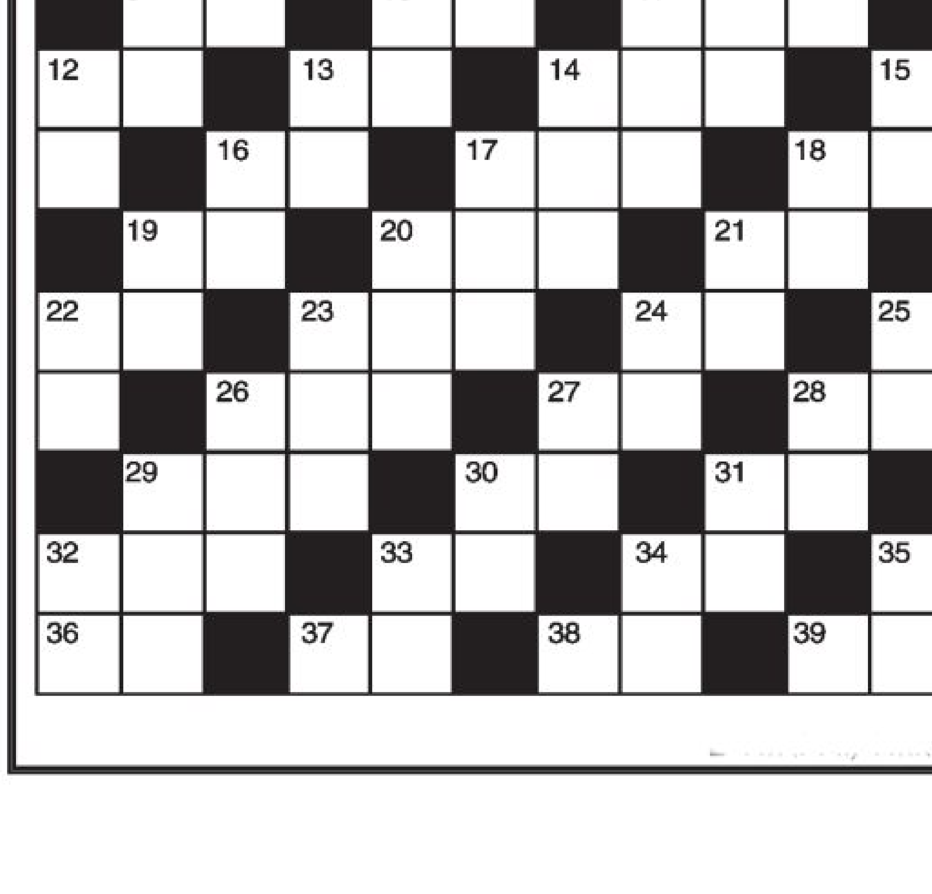

**बाएँ से दाएँ**
1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

**ऊपर से नीचे**
1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

**शब्द पहेली- 6110 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ल | ब | | ब | स | | धा | गा | | ह | रा |
| ब | ह | म | | ब | म | | ना | ला | | ह |
| | न | म | न | | जा | न | | र | मा | |
| ना | | ता | क | त | | शा | न | | ता | त |
| क | मी | | ल | ल | ना | | म | न | | न |
| | न | ख | | वा | च | क | | ल | क्ष | |
| स | | र | वा | | ना | म | क | | मा | दा |
| खा | द | | त | र | | र | ह | न | | म |
| | म | रू | | मा | न | | वा | ह | क | |
| दा | | र | स | | या | र | | र | च | ना |
| स | दा | | च | क्षु | | न | भ | | रा | ल |

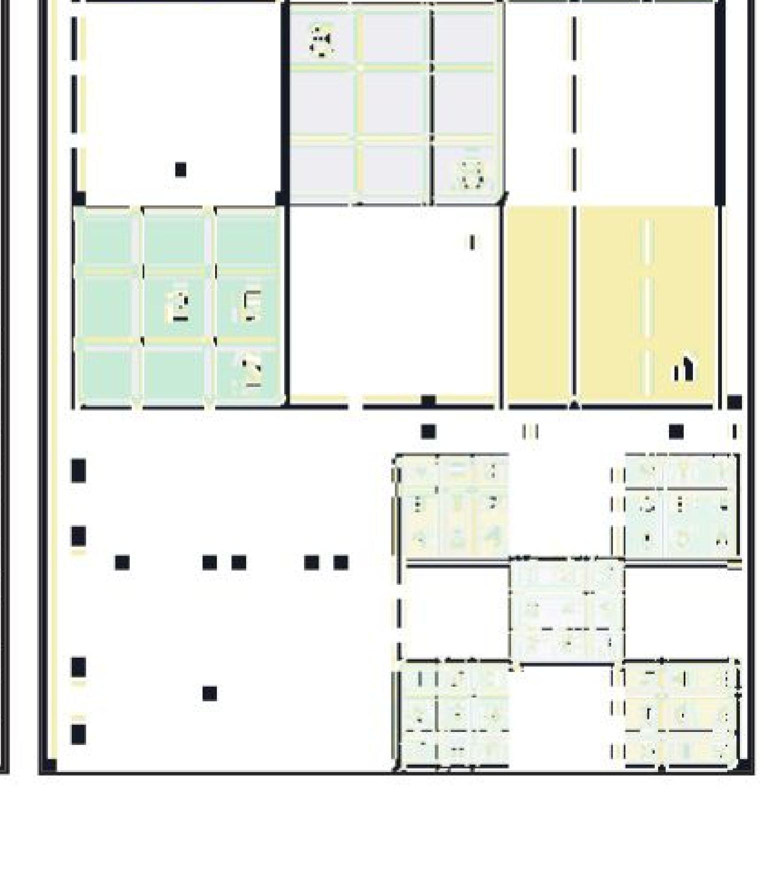

# Get Exclusive Access to My Private Channel

## ✅ One-Time Entry Fee Only. No Monthly Fees. Lifetime Validity.

♦ **Indian Newspaper**

1) Times of India
2) The Hindu
3) Business line
4) The Indian Express
5) Economic Times
6) Financial Express
7) Live Mint
8) Hindustan Times
9) Business Standard

♦ **International Newspapers channel**

[Europian, American, Gulf & Asia]

♦ **Magazine Channel**

National & International

[Genaral & Exam related]

♦ **English Editorials**

[National + International Editorials]

**Click here to join**